जबलपुर
सोमवार 26 अक्टूबर 2026
आश्विन मास शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा
वर्ष : 21, अंक : 172
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *
मौसम
अधि. 27
न्यून. 17
haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी



महर्षि वाल्मीकि जयंती आज



आसमान में शानदार नजारा

पीएम मोदी ने देखा वायुसेना का भव्य एयर शो

काशी के आसमान में सुखोई, राफेल और तेजस का शौर्य

- 'विंग्स ओवर गंगा' थीम पर नमो घाट के ऊपर विमानों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब
- सारंग और सूर्य किरण टीम ने भी किया प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

काशी के आसमान में रविवार को भारतीय वायुसेना के शौर्य, पराक्रम और हवाई ताकत का शानदार नजारा देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी के नमो घाट पहुंचे और भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित एयर शो देखा। 'विंग्स ओवर गंगा' थीम पर हुए इस हवाई प्रदर्शन में सुखोई, राफेल, तेजस समेत कई लड़ाकू और परिवहन विमानों ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।



चिनूक हेलीकॉप्टर

कैलाश और विश्वनाथ फॉर्मेशन ने दिखाया दम

'कैलाश फॉर्मेशन' में सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान ने वी-आकार की संरचना का नेतृत्व किया। उसके दोनों ओर एएन-32 परिवहन विमान नजर आए। 'विश्वनाथ फॉर्मेशन' में सुखोई-30 एमकेआई विमानों ने शानदार तालमेल के साथ उड़ान भरी और तीन विमानों के 'त्रिशूल' स्प्लिट का प्रदर्शन किया। 'प्रचंड' फॉर्मेशन में छह विमानों ने तीर के सिरे जैसी संरचना बनाकर उड़ान भरी। इसके अलावा सुखोई-30 एमकेआई के एक विमान ने गंगा के ऊपर करीब नौ मिनट तक हैरतअंगेज करतब दिखाए। वायुसेना की प्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम ने करीब 20 मिनट तक अपने करतब दिखाए।



पीएम मोदी एयर शो को देखते हुए

वाराणसी को गारमेंट फैक्ट्री की सौगात

एयर शो में शामिल होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में अरविंद मिल की गारमेंट फैक्ट्री का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने करीब 300 महिलाओं से संवाद भी किया।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का मास्टर कूपन
कल के अंक में देखें।

सीएम ने शहडोल में कहा- एसटी विद्यार्थियों को अब 10 नहीं पूरे 12 माह की छात्रवृत्ति दी जाएगी

9.77 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को 22.89 करोड़ बोनस बांटा

462 करोड़ रुपए के 134 विकास कार्यों की दी सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बोनस और लाभांश की यह राशि ग्रामीण एवं वन क्षेत्रों के परिवारों की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी



डॉ. यादव राशि वितरित करते हए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण लाखों वनवासी परिवारों की आजीविका का माध्यम है। राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि मेहनतकश परिवारों को उनके हक का पूरा लाभ समय पर मिले। उन्होंने पांच जिलों (शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सतना एवं सीधी) के तेंदूपत्ता संग्राहकों को वर्ष 2024 के 9 लाख 77 हजार 696 पात्र संग्राहकों को 22 करोड़ 89 लाख रुपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि (तेंदूपत्ता बोनस) का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसटी छात्रों को अब 10 माह के स्थान पर पूरे 12 माह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

सीएम की घोषणाएं

1. शहडोल में इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा
2. हाथियों के उत्पात से क्षतिग्रस्त मकान की जगह लोगों को पक्के मकान बनाकर दिए जाएंगे
3. शहडोल में निजी सहभागिता से एक नई यूनिवर्सिटी खोली जाएगी
4. फुटबॉल के लिए प्रसिद्ध गांव विचारपुर में 5.10 करोड़ के विकास कार्य होंगे



टॉपर विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री स्कूटी योजना अंतर्गत स्कूटी की चाबियां सौंपी

वनवासियों के समग्र कल्याण के लिए काम कर रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि बोनस और लाभांश की यह राशि ग्रामीण एवं वन क्षेत्रों के परिवारों की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हमारी सरकार वनवासियों के सम्मान, इनकी आत्मनिर्भरता और समग्र कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने 462 करोड़ रुपए लागत के 134 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। उन्होंने शहडोल में 22.14 करोड़ रुपए से नवनिर्मित वन मंडलाधिकारी कार्यालय का लोकार्पण किया।

हाथी प्रभावित घरों में फेंसिंग करवाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि उमरिया जिले में जीर्ण-शीर्ण हो चुके एक आवागमन मार्ग पर एमपीआरडीसी से एक नई सड़क बनाने तथा मानव बस्तियों में प्रवेश कर जिन लोगों के मकान जंगली हाथियों ने तोड़ दिए हैं।

शहडोल में फॉरेस्ट ज़ू एंड रेस्क्यू सेंटर बनेगा

डॉ. यादव ने बताया कि शहडोल में जल्द ही लौह अयस्क संयंत्र (स्टील फैक्ट्री) खुलने वाली है। इससे चार हजार से अधिक लोगों को रोज़गार मिलेगा। सरकार भविष्य में शहडोल में फारेस्ट ज़ू एंड रेस्क्यू सेंटर भी बनाएगी। धान उत्पादक ऐसे किसानों, जिन्होंने अभी तक फसल बेचने के लिए अपना पंजीयन नहीं कराया है, उनके हित में पंजीयन पोर्टल फिर से खोल दिया गया है। शहडोल जिले के फुटबॉल के लिए प्रसिद्ध गांव विचारपुर में 5.10 करोड़ रुपए से जरूरी अधोसंरचना कार्यों का निर्माण कर विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं दी जाएंगी।

पटना में कांग्रेस अध्यक्ष की अभद्र टिप्पणी

युवक ने कहा था -मोदी नहीं जाएगा, खरगे बोले उसका बाप भी जाएगा

युवक को धक्के देकर बाहर निकालने और पिटाई का वीडियो आया सामने



मल्लिकार्जुन खरगे

एजेंसी ▶▶ पटना

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बिहार की राजधानी पटना में अपने एक बयान को लेकर विवादों में घिर गए हैं। श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में भाषण के दौरान खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर विवादित टिप्पणी कर दी। दरअसल, खरगे के संबोधन के बीच भीड़ में मौजूद एक युवक ने कहा- 'मोदी नहीं जाएगा।' इस पर नाराज होते हुए खरगे ने जवाब दिया- मोदी का बाप भी जाएगा। घटना का वीडियो सामने आने के बाद बयान को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। खरगे ने कहा कि जब तक देश में आरएसएस की विचारधारा खत्म नहीं होगी, तब तक शांति स्थापित नहीं हो सकती। उन्होंने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने जमींदारी प्रथा समाप्त करने और छुआछूत के खिलाफ अभियान चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

खरगे की टिप्पणी पर अमित शाह की आपत्ति

बोले- कांग्रेस ने मर्यादाएं तार-तार कीं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की टिप्पणी पर आपत्ति जताई। उन्होंने एक्स पर लिखा कि खरगे ने पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी के पिता के बारे में अभद्र टिप्पणी कर मर्यादाएं तार-तार कर दीं। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पहले भी मोदी और उनके परिवार पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कर चुकी है।



अमित शाह

85 साल का हूं, अब क्यों डरूं: खरगे

खरगे ने कहा- 'मैं 85 साल का हूं, अब क्यों डरूं।' उन्होंने कार्यकर्ताओं से आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की और कहा कि अधिकारों के लिए लोगों को घरों से बाहर निकलना होगा।

खबर संक्षेप

जेईई मेन 2027 का सिलेबस जारी

नई दिल्ली। एनटीए ने जेईई मेन 2027 का सिलेबस जारी कर दिया है। आईआईटी, एनआईटी सहित केंद्रीय तकनीकी संस्थानों में बीई और बीटेक में प्रवेश की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट से सिलेबस डाउनलोड कर सकते हैं। सिलेबस में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेपर-1 में भौतिकी की 20, रसायन विज्ञान की 20 और गणित की 14 यूनिट शामिल हैं। मैकेनिक्स, केमिकल बॉन्डिंग, ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, कैलकुलस, बीजगणित,ज्यामिति शामिल हैं।



धीरेंद्र शास्त्री की कथा से पहले पंडाल में लगी आग

शिवपुरी। करैरा में रविवार दोपहर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा शुरू होने से पहले मुख्य पंडाल के ऊपरी हिस्से में आग लग गई। पंडाल में सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे। शुरुआती जानकारी के अनुसार, शॉर्ट सर्किट से बिजली के तारों में स्पार्किंग हुई, जिससे सजावट के पर्दों में आग लग गई। पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने सीढ़ी व अग्निशमन यंत्रों की मदद से करीब 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझने से हादसा टल गया।



पिकनिक मनाने आए थे लोग

बेकाबू कार ने तीन लोगों को रौंदा, तीनों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ देवास



■ टक्कर के बाद पेड़ से टकराकर रुकी कार

उदयनगर थाना क्षेत्र के दड़ गांव के पास रविवार सुबह तेज रफ्तार कार ने तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में 80 वर्षीय बुजुर्ग और दो महिलाओं की मौत हो गई। कार सड़क किनारे खड़ी महिलाओं को टक्कर मारने के बाद घर के बाहर कुर्सी पर बैठे बुजुर्ग को रौंदते हुए पेड़ से जा टकराई। पुलिस ने कार चालक धर्मेंद्र जैन को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

एसीएस संजय दुबे का दावा

नगरीय निकायों में 392 लोगों के खिलाफ एक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल



■ 3-4 करोड़ की वसूली, 80 लोगों पर कार्रवाई

नगरीय निकायों में वित्तीय अनियमितताओं और लापरवाही के मामलों में राज्य सरकार ने कार्रवाई की है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे के अनुसार अब तक अलग-अलग स्तर के 392 अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। इनमें 135 मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

दावा-दंपती ने भागकर बचाई जान

घर के बाहर बंधे दो बछड़ों का चीतों ने किया शिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर



■ कूनो प्रबंधन ने हमले की आशंका नकारी

कराहल विकासखंड की ग्राम पंचायत लहरोनी के बमोरी गांव में रविवार तड़के चीतों ने घर के बाहर बाड़े में खूंटे से बंधे दो बछड़ों का शिकार कर लिया। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत फैल गई। बछड़ों के मालिक का दावा है कि घटना के समय वह पत्नी के साथ उसी टपरी में सो रहा था। चीतों को देखकर दोनों ने भागकर अपनी जान बचाई।

सियांग डैम के विरोध में हिंसा, एनएचपीसी कार्यालय में आगजनी

आरएएफ के 250 जवानों को एयरलिफ्ट कर पासीघाट भेजा

पुलिस थाने और नेताओं के आवासों पर हमले

एजेंसी ▶▶ ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश में प्रस्तावित 11,200 मेगावाट के सियांग डैम के विरोध में हिंसा के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा बढ़ाने की तैयारी की है। रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की दो कंपनियों के करीब 250 जवानों को महाराष्ट्र के नवी मुंबई से वायुसेना के विमानों के जरिए पासीघाट पहुंचाने का अनुरोध किया गया है। 23 अक्टूबर को सियांग, अपर सियांग और पूर्वी सियांग जिलों में परियोजना के विरोध में 12 घंटे का बंद बुलाया गया था। इसके बाद पासीघाट में हिंसा भड़कने की खबरें सामने आईं। इस दौरान नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन (एनएचपीसी) के कार्यालय में आगजनी की गई।



फाइल फोटो

विस्थापन की आशंका से विरोध

सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट के विरोधियों को आशंका है कि बांध से पुश्तैनी जमीन, घरों, खेती और पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। वहीं, परियोजना समर्थक इसे बिजली उत्पादन और जल सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण मानते हैं।

हिंदुत्व पर बयान से गरमाई सियासत

दिग्विजय सिंह बोले- हिंदुत्व का सनातन धर्म से लेना-देना नहीं

सनातन परंपरा में नफरत और कटुता का स्थान नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शाजापुर



दिग्विजय सिंह

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के हिंदुत्व पर दिए बयान और उनकी 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' को लेकर सियासी चर्चा तेज हो गई है। रविवार को शाजापुर में प्रेस वार्ता के दौरान सिंह ने कहा कि वे कभी हिंदुत्व के समर्थक नहीं रहे और न रहेंगे। उनके मुताबिक हिंदुत्व का सनातन धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने दावा किया कि सनातन धर्म हजारों साल पुराना है, जबकि हिंदुत्व शब्द सावरकर ने दिया था। सिंह ने कहा कि सनातन धर्म में कटुता और नफरत के लिए कोई जगह नहीं है।

'मन की बात' के 139 में संस्करण में पीएम नरेंद्र मोदी ने अंगदान पर नर्मदापुरम की शिवानी जी को याद किया

जो लोग जीवन पूरा करने के बाद अंगदान करके जाते हैं, वे कितने ही लोगों का जीवन भी बचाते हैं और रिसर्च को भी संभव बनाते हैं

मन की बात के 12 वर्ष पूर्ण होने पर पीएम ने कहा कि यह तीर्थ यात्रा से कम नहीं

शिवानी जी के परिवार के इस फैसले से समाज और देश के लिए एक बड़ा संदेश गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मन की बात के 139 में संस्करण में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि 12 वर्ष पहले, विजयादशमी के पावन अवसर पर, हमने 'मन की बात' की शुरुआत की थी। तब से अब तक, हमारी ये यात्रा निरंतर जारी है। इस यात्रा के सहयात्री भी आप हैं और मार्गदर्शक भी आप ही हैं।

'मन की बात' देश के सामान्य मानवी के परिश्रम, उसके पराक्रम, उसकी प्रतिबद्धता, उसके समर्पण और सेवा-भाव का गौरवगान करने का एक शुभ अवसर रहा है। हमारे देश में सदियों से तीर्थ यात्रा की परंपरा रही है। मेरे लिए 'मन की बात' भी देश के लोगों के प्रयासों को करीब से जानने की और उनके योगदान को नमन करने की एक तीर्थ यात्रा से कम नहीं है।



पीएम मोदी



राजकीय सम्मान

शिवानी की एक सड़क दुर्घटना में हुई थी मौत

पीएम ने एडवांस रिसर्च में ऑर्गन डोनेशन की भूमिका रेखांकित करते हुए नर्मदापुरम की शिवानी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जो लोग अपना जीवन पूरा करने के बाद अंगदान करके जाते हैं, वो कितने ही लोगों का जीवन भी बचाते हैं और रिसर्च को भी संभव बनाते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण है- मध्य प्रदेश में नर्मदापुरम की शिवानी जी का। शिवानी जी एक सड़क दुर्घटना की शिकार हो गई थी। परिवार पर मुसीबत टूट पड़ी, लेकिन इस कठिन समय मे भी उनके परिवार ने एक ऐसा निर्णय लिया।

अब ब्रेन की थ्री डी मैपिंग पर भी काम

पीएम ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में मैं चेन्नई गया था। मेरी मुलाकात वहां देश की कई युवा प्रतिभाओं से हुई। ऐसी ही एक फील्ड है ब्रेन रिसर्च। इसी से जुड़े 'सुधा गोपाल कृष्णन ब्रेन सेंटर' का मैंने आईआईटी मद्रास में लोकार्पण किया था। इस केंद्र ने एक ब्रेन इमेजिंग टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म बनाया है जो दुनिया-भर के लिए मिसाल है। इसके जरिए मानव मस्तिष्क की हाई रिजॉल्यूशन थ्री डी तस्वीरें तैयार की जा रही है उनका लक्ष्य है आने वाले दिनों में सौ मनुष्य ब्रेन की की थ्री डी मैपिंग करके उनका बारीकी से अध्ययन करना। पूरी दुनिया में ये इस तरह का पहला मिशन है। इस काम में परम शक्ति सुपर कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जा रहा है। आज भी अल्जाइमर और डीनेंशिया जैसी बीमारियां हैं, जिनका कोई ठोस इलाज नहीं है।

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026

खेती की तरक्की, किसान की खुशहाली और प्रदेश की समृद्धि का महाअभियान

बलराम कृषि महोत्सव

15 जुलाई - 13 नवम्बर 2026


नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री


डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

जबलपुर संभाग में आयोजन

- नरसिंहपुर — 26 अक्टूबर
- जबलपुर — 27 अक्टूबर
- कटनी — 28 अक्टूबर
- डिंडौरी — 30 अक्टूबर
- मंडला — 31 अक्टूबर
- बालाघाट — 1 नवम्बर
- सिवनी — 2 नवम्बर
- छिंदवाड़ा — 3 नवम्बर
- पांढुर्णा — 4 नवम्बर



किसान कल्याण से कृषि विकास तक प्राथमिकताएं

सिंचाई का विस्तार
वर्ष 2028-29 तक 100 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य।

कृषि उत्पादन को नई ऊंचाई
उद्यानिकी उत्पादन के लिए 490 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य।

किसानों को उचित मुआवजा
कृषि भूमि अर्जन पर चार गुना मुआवजे का प्रावधान।

आर्थिक संबल
पीएम किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत पात्र किसानों को सालाना ₹12,000 की सहायता।

सस्ती ऊर्जा, बेहतर खेती
10 हॉर्सपावर तक के कृषि पम्पों के लिए ऊर्जा सहायता एवं ₹5 में बिजली कनेक्शन की सुविधा।

कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन
खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में निवेश को बढ़ावा देने हेतु 60% तक प्रोत्साहन।

डेयरी क्षेत्र का विस्तार
प्रतिदिन 50 लाख लीटर दूध संग्रहण का लक्ष्य।

पशुपालकों को बाजार से जोड़ना
5,562 दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से 83 हजार सदस्यों के वित्तीय समावेशन का लक्ष्य।

ब्याज का बोझ कम
फसल ऋण पर 0% ब्याज दर की सुविधा।

सौर ऊर्जा से सिंचाई
पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत 32 लाख किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराने का लक्ष्य।

कृषि आधारित उद्योगों को नई गति
पात्र इकाइयों को 50% तक सब्सिडी का प्रावधान।

कृषि निर्यात को बढ़ावा
₹6,000 करोड़ के मत्स्य निर्यात का लक्ष्य और ₹12,400 करोड़ से अधिक के संभावित निवेश।



हर खेत तक पानी **हर किसान को सम्मान**
हर फसल को बेहतर अवसर

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11149/26

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' कार्यक्रम के 139वें एपिसोड में देशवासियों को किया संबोधित

त्योहारी सीजन के दौरान 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को मजबूती दें, स्थानीय कलाकारों के निर्मित उत्पाद को प्राथमिकता दें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम के 139वें एपिसोड में देशवासियों से आगामी त्योहारी सीजन के दौरान 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि त्योहारों पर खरीदारी करते समय देश के स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और हस्तशिल्पकारों के बनाए उत्पादों को प्राथमिकता दें। उन्होंने बताया कि बिहार का मखाना, कर्नाटक की अरहर दाल और महाराष्ट्र के आदिवासी उत्पाद अब नई पैकेजिंग और वैश्विक बाजारों तक पहुंच रहे हैं। खादी उत्पादों की बढ़ती मांग से उन पारंपरिक कारीगरों को सीधा सहारा मिल रहा है जो हमारी सांस्कृतिक विरासत को संभाल कर रखे हुए हैं। स्थानीय खरीदारी न केवल छोटे कारोबारियों और कारीगरों का उत्साह बढ़ाएगी, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को भी गति देगी।

खास बातें

- रिकॉर्ड 28 करोड़ की खादी की खरीद की गई
- ई-संजीवनी से 40 करोड़ लोगों का इलाज किया गया
- इससे अत्म निर्भर भारत को मिलेगी गति



पूर्णिया का मखाना पहुंच रहा ग्रीस, कलबुर्गी की अरहर दाल अब मालदीव जा रही

पीएम मोदी ने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' की भावना अब हमारे उत्पादों को दुनिया के बाजारों तक पहुंचा रही है। बिहार के पूर्णिया का मखाना अब ग्रीस पहुंच रहा है। कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर दाल अब मालदीव जा रही है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में आदिवासी समुदायों ने अपने बनाए उत्पादों की पैकेजिंग पर बहुत फोकस किया है। यहां के 'शबरी नेचुरल्स' के जरिए शहद, महुआ, चिरौंजी और बांस से बने उत्पाद बाजार में लाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनकी पैकेजिंग पर आदिवासी कला की छाप है और इस पैकेजिंग को जापान का प्रतिष्ठित ' गुड डिजाइन अवार्ड' मिला है।

महर्षि वाल्मीकि ने दी जीवन की गहरी सीख

पीएम मोदी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से हमें जीवन की गहरी सीख दी है। वे सेवा, करुणा और सामाजिक समरसता का महत्व समझाते हैं। भगवान राम ने माता शबरी के प्रेम और भक्ति को अपनाया। निषादराज की मित्रता को सम्मान दिया। सबको साथ लेकर चलने का भाव, ये आदर्श आज भी हमें दिशा दिखाते हैं।

लोगों के प्रेम को अमूल्य पूंजी बताया

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे सैकड़ों ऐसे संदेश मिलते हैं जिनमें लोग बताते हैं कि 'मन की बात' सुनकर उन्हें ऐसा लगता है, जैसे मैं उनके बीच उनके परिवार में बैठकर एक परिवार के सदस्य की तरह उन सबसे संवाद कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मेरे लिए आप सभी श्रोताओं की यह आत्मीयता, आपका यह स्नेह बहुत अमूल्य पूंजी है।

यह सेवा-भाव का गौरवगान करने का शुभ अवसर

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके लिए 'मन की बात' देश की आम जनता के परिश्रम, उसके पराक्रम, उसकी प्रतिबद्धता, उसके समर्पण एवं सेवा-भाव का गौरवगान करने का एक शुभ अवसर रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग समाज और राष्ट्र के लिए जीते हैं, वे अपने आप में एक तीर्थ के ही स्वरूप हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से मैं एक तरह से देश की लोकशक्ति की आराधना करता हूं। मुझे इसके माध्यम से देश के हर परिवार से जुड़ने का अवसर मिलता है।

12 साल के सफर को बताया 'तीर्थयात्रा' : प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' की 12 साल की यात्रा को तीर्थयात्रा बताया है। पीएम मोदी ने कहा कि यह देश के लोगों के प्रयासों को करीब से जानने एवं उनके योगदान को नमन करने की एक तीर्थयात्रा से कम नहीं है।

खबर संक्षेप

आंध्र में 100 शहरी निकाय चुनाव रुका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद आंध्र प्रदेश राज्य चुनाव आयोगने 100 शहरी स्थानीय



निकायों में चल रही चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। 13 नगर निगमों तथा 87 नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में चुनाव की कार्रवाई रोक दी गई। टीडीपी-वाइएसआरसीपी के बीच जारी हिंसक झड़पों के बीच कोर्ट ने यह कदम उठाया।

कन्नड़ लोगों को नौकरी नहीं तो होगी कार्रवाई

बेंगलुरु। कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि अगर निजी संस्थान राज्य में कन्नड़ लोगों को



जानबूझकर नौकरी के अवसर नहीं देते हैं, तो सरकार कार्रवाई करेगी। कन्नड़ लोगों के अधिकारों, सम्मान और रोजगार के अवसरों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनके अधिकारों, सम्मान और अवसरों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

दशकर्म में झड़प, पीके के सामने चले लाठी-डंडे

वैशाली। जिले के राघोपुर विधानसभा क्षेत्र की रामपुर श्यामचंद पंचायत के भगतान टोला



में शनिवार को 13 बच्चों के दशकर्म कार्यक्रम के दौरान हिंसक झड़प हो गई। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की मौजूदगी में दो पक्षों में मारपीट में सत्तारूढ़ जदयू के प्रदेश सचिव अजीत यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर में चोट आई है।

यूपी में वाल्मिकी जयंती पर सार्वजनिक अवकाश

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित



किया है। प्रदेश में सरकारी और निजी स्कूल बंद रहेंगे। वाल्मीकि जयंती देशभर में 26 अक्टूबर को मनाई जाएगी। सरकार की 2026 की अवकाश सूची में भी इस दिन महर्षि वाल्मीकि जयंती का जिक्र है। अवकाश कैलेंडर में सार्वजनिक अवकाश दर्ज किया है।

मादक पदार्थों की तस्करी में 6 तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। मिजोरम और मणिपुर में चलाए गए एक समन्वित तलाशी अभियान में भारत-म्यांमा सीमा से



जुड़े मादक पदार्थों के 'हवाला' नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया है। इस कार्रवाई में 6लोगों को गिरफ्तार किया गया, 1,400 से अधिक बैंक खातों में लेनदेन पर रोक लगाई गई और लगभग 26 करोड़ की संपत्ति कुर्क की गई है। ईडी ने रविवार को जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने ओडिशा में आरबीआई के डेटा सेंटर का किया उद्घाटन

विकास को बताया सरकार की प्राथमिकता, वित्तीय सेवाएं अधिक सुरक्षित, भरोसेमंद और प्रभावी होंगी



एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भुवनेश्वर के जटनी (इन्फो वैली-2) में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 169 करोड़ रुपए के डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि विकास का विस्तार ही हमारी प्राथमिकता है। साथ ही ये भी कहा कि भारत में अब गवर्नेंस की भूमिका बदल रही है।

देश का विकास तभी संतुलित होगा, जब गांवों और छोटे शहरों को भी पर्याप्त अवसर मिलेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में भारतीय रिजर्व बैंक के डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया। करीब 169 करोड़ से तैयार इस सुविधा को देश की डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता विकास है और विकास का लाभ गांवों, छोटे शहरों तथा समाज के हर वर्ग तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार जनहित, सक्रिय प्रशासन और सुशासन के मॉडल पर काम कर रही है। देश का विकास तभी संतुलित होगा, जब गांवों और छोटे शहरों को भी आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। यह नया केंद्र डिजिटल वित्तीय सेवाओं को सुरक्षित, भरोसेमंद और प्रभावी बनाने में मदद करेगा। इससे बैंकिंग और भुगतान प्रणालियों को संचालित करने के लिए सुरक्षित तकनीकी आधार मिलेगा।



आरबीआई के डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री

ओडिशा को दी बड़ी सौगात

जटनी स्थित इन्फो वैली-2 में बनाया गया, 18.55 एकड़ क्षेत्र में बना

आरबीआई का यह केंद्र ओडिशा के जटनी स्थित इन्फो वैली-2 में बनाया गया है। यह 18.55 एकड़ क्षेत्र में फैला है। इसकी आधारशिला 22 मार्च 2023 को तत्कालीन आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने रखी थी। इस परिसर में डेटा सेंटर के साथ साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान भी है। यहां महत्वपूर्ण भुगतान और निपटान प्रणालियों के साथ अन्य प्रमुख तकनीकी पहलों का संचालन किया जाएगा। डिजिटल लेनदेन बढ़ने के साथ बैंकिंग व्यवस्था में डेटा की सुरक्षा भी जरूरी हो गई है। यह केंद्र वित्तीय आंकड़ों और तकनीकी प्रणालियों को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाएगा।

डिजिटल बैंकिंग ने चौबीसों घंटे बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा

प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल बैंकिंग ने देश के लोगों को चौबीसों घंटे बैंकिंग सेवाओं से जोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि अब ऐसे लोग भी बैंक से सस्ता और आसान कर्ज ले सकते हैं, जिनके पास गारंटी देने के लिए संपत्ति नहीं है।

वित्तमंत्री सीतारमण ने भी किया संबोधित

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने छोटे कारोबारियों को दी कर्ज की सुविधा, लोग लाभान्वित

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने छोटे कारोबारियों के लिए बैंक से कर्ज लेना आसान बनाया है। सूक्ष्म और छोटे उद्यमियों के लिए 60 करोड़ से अधिक बिना गारंटी वाले ऋण खातों में 43 लाख करोड़ से ज्यादा की राशि मंजूर की गई है।

अब देश में 59 करोड़ से अधिक जनधन खाते खुले

सीतारमण ने बताया कि 2014 में हर परिवार को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था। उनके अनुसार अब देश में 59 करोड़ से अधिक जनधन खाते हैं। इन खातों में सालाना शुल्क और न्यूनतम बैलेंस रखने की शर्त नहीं है।

डेटा सेंटर डिजिटल युग की तिजोरी के समान: डिजिटल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान का इस्तेमाल बढ़ने के साथ साइबर सुरक्षा का महत्व भी बढ़ा है। साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान इस क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए बनाया गया है। वित्त मंत्री ने डेटा सेंटर को डिजिटल युग की तिजोरी जैसा बताया। सरकार ने 2022 में डेटा सेंटर को बुनियादी ढांचे का दर्जा दिया था।

वित्तीय सेवाओं की होगी बढ़ोतरी

वित्त मंत्री ने बताया कि केंद्रीय बजट 2026-27 में भारत में मौजूद डेटा सेंटरों से वैश्विक क्लाउड सेवाएं देने वाली विदेशी कंपनियों के लिए कर छूट की घोषणा की गई है। सरकार का लक्ष्य डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

कार्यक्रम में ये रहे शामिल

कार्यक्रम में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, ओडिशा के राज्यपाल ब्रजमोहन राम, सीएम मोहन चरण माझी, केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम और उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव भी थे।

पीएम मोदी का वाराणसी में स्वागत



उमड़ा जनसैलाब, 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंजा नमो घाट

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में रविवार को वाराणसी में जनसैलाब उमड़ पड़ा। पुलिस लाइन से नमो घाट तक करीब सात किलोमीटर लंबे मार्ग पर लोगों ने पुष्प वर्षा, ढोल-नगाड़ों और 'हर-हर महादेव' के उद्घोष के साथ उनका अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से अपने काफिले के साथ नमो घाट पहुंचे, जहां उन्हें भारतीय वायुसेना के एयर शो में शामिल होना है।

- हाथ हिलाकर प्रधानमंत्री ने किया अभिवादन

इस दौरान लोगों में प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए खासा उत्साह देखने को मिला। प्रधानमंत्रीका काफिला पुलिस लाइन से सांस्कृतिक संकुल, चौकाघाट, कज्जाकपुरा और राजघाट पुल होते हुए नमो घाट पहुंचा। मार्ग में जगह-जगह स्वागत मंच बनाए गए थे और बड़ी संख्या में लोग बैरिकेडिंग के दोनों ओर खड़े होकर उनके आगमन का इंतजार कर रहे थे। भदऊचुंगी समेत कई स्थानों पर समर्थकों की भारी भीड़ जुटी। लोगों का उत्साह देखकर प्रधानमंत्री ने कुछ स्थानों पर वाहन से बाहर निकलकर हाथ हिलाते हुए उनका अभिवादन किया। इस दौरान उनके काफिले पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाई गईं और देशभक्ति गीतों के साथ स्वागत किया गया।

'नमो-नमो' का उद्घोष किया

नमो घाट पहुंचने पर वायु सेना के अधिकारियों और भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। गंगा तट पर आयोजित कार्यक्रम स्थल पर 'नमो-नमो' के उद्घोष के बीच प्रधानमंत्री ने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। स्वागत के लिए जुटे लोगों में विभिन्न समुदायों के लोग शामिल रहे। घाटों और आसपास के इलाकों में उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया। प्रधानमंत्री खोचवां में अरविंद मिल लिमिटेड की नई टेक्सटाइल इकाई का उद्घाटन कर चुके हैं। 7 एकड़ में स्थापित इकाई में परिधानों का उत्पादन किया जाएगा।

अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन खत्म

मंत्री खट्टर ने शहरी परिवहन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कृत किया

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

19वां अर्बन मोबिलिटी इंडिया (यूएमआई) सम्मेलन और प्रदर्शनी



2026 रविवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री, श्री मनोहर लाल ने समापन सत्र को संबोधित किया और शहरी परिवहन में उत्कृष्टता तथा सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए पुरस्कार प्रदान किए। 23-24 अक्टूबर को सम्मेलन आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा ओडिशा सरकार के सहयोग से इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन ट्रांसपोर्ट के माध्यम से आयोजित किया गया था। समापन सत्र में ओडिशा सरकार के आवासन एवं शहरी विकास मंत्री डॉ. कृष्ण चंद्र महापात्र, ओडिशा सरकार के आवासन एवं शहरी विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव उषा पाधी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी, नीति निर्माता, शहरी परिवहन विशेषज्ञ और प्रतिनिधि शामिल हुए।

नीति आयोग ने विकास पर दिया जोर

हम राज्य की राजधानियों से शहरों को नहीं चला सकते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा ने दूसरे राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन के



समापन सत्र में कहा कि विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए शहरी प्रशासन, योजना और वित्तपोषण में व्यापक सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला। भारत में चल रहे जनसांख्यिकीय और शहरी बदलाव के व्यापक दायरे पर जोर देते हुए गौबा ने बताया कि भारत की जनसंख्या कई दशकों तक बढ़ती रहेगी और 2060 के आसपास लगभग 165 करोड़ पर स्थिर हो जाएगी।

2050 तक भारत की लगभग आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने की उम्मीद है, जिससे शहरी जनसंख्या 85 करोड़ होने का अनुमान है। शहरी आबादी की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने शहरों की योजना बनाने, प्रशासन और वित्तपोषण के तरीकों में एक बुनियादी बदलाव की जरूरत होगी।

ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर विवाद पर कांग्रेस का सवाल

कांग्रेस नेता जयराम ने कहा | जानकारी क्यों छिपा रहा चुनाव आयोग? सच्चाई सबके सामने आनी चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर विवादित ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर से जुड़ी जानकारी छिपाने का आरोप लगाया। पार्टी का दावा है कि



आयोग जानकारी को सार्वजनिक करने से इनकार कर रहा है, क्योंकि इससे एसआईआर प्रक्रिया में कथित तौर पर हुई बड़े पैमाने की और केंद्रीकृत गड़बड़ियों की सच्चाई सामने आ सकती है। विपक्षी दल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और एसआईआर प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक्स पर रिपोर्ट साझा की। रिपोर्ट में दावा कियाईसीआई ने ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर के नाम और उसके संस्करण से जुड़ी जानकारी देने से मना कर दिया है।

एआई का किया जा रहा इस्तेमाल

जयराम ने कहा कि आयोग विवादित ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर से जुड़ी जानकारी लगातार छिपा रहा है। इस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरफेर को केंद्रीकृत तरीके से अंजाम देने के लिए किया गया है।उन्होंने कहा, भारतीयों को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेजके खुलासे से यह क्यों पता चला कि ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर उसी ने विकसित किया है?आयोग ने इस जानकारी का खुलासा क्यों नहीं किया? आयोग एसआईआर और मतदाता सूची के पुनरीक्षण में एआई के इस्तेमाल से बार-बार इनकार क्यों कर रहा है?

जामिया में छात्रों की नारेबाजी से बढ़ा तनाव

पुलिस ने गेट किया बंद. 3 महिला समेत 4 को किया डिटेन

छात्र अपनी मांगों को लेकर कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र अपनी मांगों को लेकर कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि इसी बीच विश्वविद्यालय की दीवारों पर लिखे गए देश विरोधी नारों के कारण परिसर में तनाव बढ़ गया है। इस विरोध-प्रदर्शन के बीच पुलिस ने जामिया के गेटों को बंद कर दिया है। गेट पर हंगाम कर रहे छात्रों को भी हटा दिया गया है। वहीं दूसरी ओर आंदोलनकारी छात्रों ने खाना पानी बंद किये जाने का लगाया आरोप।

गेट नंबर 7 पर किया हंगामा



पुलिस द्वारा रोके जान के बाद भी छात्रों के समर्थन में बाहर से गेट नंबर 7 पर नारेबाजी करते बाहरी छात्र व स्थानीय नेता पहुंच गए। जिसके बाद पुलिस ने 3 महिला छात्र नेताओं समेत 4 को हिरासत में लिया है। इस बीच पुलिस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

जेएनयू की दीवारों पर नए नारे

वामपंथ के विरोध में लिखे 'अखंड भारत' और 'स्टॉप लव जिहाद'

दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में दीवारों पर



विवादित नारे लिखने के नए-मामले सामने आए हैं। जेएनयू में वामपंथी छात्रों की ओर से दीवारों पर नारे लिखे जाने के विरोध में अब 'अखंड भारत' और 'स्टॉप लव जिहाद' जैसे नारे लिखे गए हैं।

प्रियंका और बर्खास्त प्रोफेसर की तस्वीरें लगाई

परिसर में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के साथ राहुल गांधी और जेएनयू से बर्खास्त प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम की तस्वीरें भी चस्पा की गई हैं। प्रोफेसर पर 11 छात्राओं के यौन उत्पीड़न का मामला आया था।

रामलीला मैदान में आयोजन

राहुल ने की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली में आने की अपील

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली 'वोट बचाओ, देश बचाओ जन मार्च और महारैली' में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने छात्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों समेत लोकतंत्र की चिंता करने वालों को पहुंचने को कहा है। राहुल ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं । हमें वोट की रक्षा के लिए लोगों को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए।



रैली के विरोध में उतरा सिख समुदाय

विपक्ष कि महारैली को लेकर सिख समुदाय ने नाराजगी जताई है। सिख समुदाय का कहना है कि 1 नवंबर का दिन 1984 में हुए सिख दंगों का ही दिन है। इसी दिन कोई बड़ी रैली करना उनके दुखों को कुरेदने जैसा होगा।

पहाड़ों में बदला मौसम,हिमाचल में दो किमी रास्ता बर्फ से ढंका उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में भी बढ़ेगी ठंड

13,500 फीट की ऊंचाई पर जमने लगी मणिमहेश झील, यमुनोत्री और केदारनाथ में भी हुई बर्फबारी


रास्तों पर जमी बर्फ

- ग्लेशियर पॉइंट से डल झील तक दो किलोमीटर रास्ता बर्फ से ढंका, श्रद्धालुओं को सतर्क रहने की सलाह
- उत्तराखंड के पांच पर्वतीय जिलों में बारिश के आसार, मैदानी इलाकों में भी गिरेगा पारा
- मणिमहेश में पांच से छह बार हो चुकी बर्फबारी, 3200 मीटर से अधिक ऊंचाई पर हिमपात की संभावना
- 26 से 29 अक्टूबर तक उत्तराखंड में मौसम शुष्क रहने का अनुमान, 30 अक्टूबर से फिर बदलाव के संकेत

एजेंसी ▶▶ देहरादून

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम ने करवट ले ली है। हिमाचल के चंबा जिले में समुद्र तल से करीब 13,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित पवित्र मणिमहेश डल झील का बड़ा हिस्सा जमने लगा है। झील के किनारे स्थित चतुर्मुखी शिवलिंग पर करीब छह इंच बर्फ जम चुकी है। वहीं, उत्तराखंड के यमुनोत्री धाम और केदारनाथ में भी शनिवार दोपहर बाद बर्फबारी हुई।

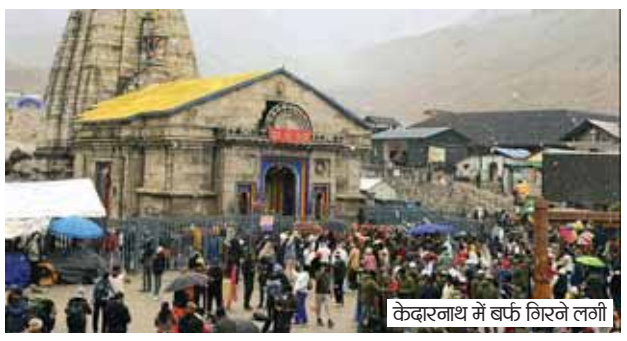
केदारनाथ में बर्फ गिरने लगी

ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार

उत्तराखंड मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार, 25 अक्टूबर को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। 3200 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं। ऊंचाई वाले इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश और बर्फबारी भी हो सकती है। मौसम में इस बदलाव से पहाड़ी क्षेत्रों के साथ मैदानी इलाकों के तापमान में गिरावट आने और ठंड बढ़ने की संभावना है।

29 अक्टूबर तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान

मौसम विभाग के अनुसार, 26 से 29 अक्टूबर तक उत्तराखंड में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इसके बाद 30 अक्टूबर से मौसम के मिजाज में फिर बदलाव हो सकता है। वहीं, मणिमहेश यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को बर्फबारी और फिसलन के बीच विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। खासकर राधाष्टमी के बाद यात्रा करने वालों को निकलने से पहले मौसम की स्थिति और प्रशासन के निर्देशों की जानकारी लेनी चाहिए। बर्फ से ढके रास्तों पर परिस्थितियों का आकलन किए बिना आगे बढ़ना जोखिम भरा हो सकता है।


मणिमहेश झील जमने लगी

खबर संक्षेप

जंग हो न हो, हम नीति नहीं बदलेंगे: ईरान



तेहरान। मिडिल ईस्ट में एक बार फिर युद्ध की आशंकाओं के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि चाहे कोई और युद्ध छिड़े या न छिड़े, ईरान की नीतियां वैसी ही बनी रहेंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका या कोई अन्य देश दोबारा ईरान पर सैन्य कार्रवाई करने की कोशिश करता है, तो यह पूरी तरह अविवेकपूर्ण कदम होगा। अराघची ने एक कार्यक्रम में दावा किया कि 40 दिनों तक चले युद्ध के बाद होर्मुज की स्थिति पहले जैसी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष ने क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था में बुनियादी बदलाव ला दिया है।

यात्री बस और ट्रक की टक्कर में 22 की मौत



नैरोबी। केन्या के मुख्य राजमार्ग पर रविवार सुबह एक यात्री बस और ट्रक के बीच हुई भीषण टक्कर में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। माकुएनी काउंटी कमिश्नर अब्दुल्लाही खलीफ ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बस में सवार यात्री एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम से लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना घटी।

फायरिंग का आरोपी अस्पताल में छिपा था



इंदौर। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में गिरफ्तार 22 वर्षीय प्रांजल ठाकरान पुलिस से बचने के लिए इंदौर के एक अस्पताल में रात बिताता था। हरियाणा के सोनीपत निवासी प्रांजल पिछले पांच दिनों से इंदौर में था। वह मालवा मिल चौराहे स्थित अंकुर स्टेप डाउन सेंटर में भर्ती पैरालिसिस पीड़ित भाई से मिलने जाता था और रात में विजिटर्स रूम में ठहरता था। उसके भाई की यहां फिजियोथेरेपी चल रही थी। प्रांजल के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पिस्तौल, बंदूक और कारतूस के साथ वीडियो मिले हैं।

फ्रांस की सड़कों पर उतरे 8 लाख लोग

फ्रांस-इटली और स्पेन समेत यूरोप के कई देशों में हुए हिंसक प्रदर्शन

फ्रांस में हिंसक झड़प के बाद 1000 के करीब गिरफ्तार



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूरोप के कई देशों में वीकेंड पर महंगाई, आवास संकट, पेंशन कटौती, शिक्षा व्यवस्था में गिरावट, भ्रष्टाचार और युद्ध के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन देखने को मिले। शनिवार रविवार को फ्रांस, अल्बानिया, इटली, स्पेन और पुर्तगाल में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। कई शहरों में प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ हिंसक झड़पें हुईं, जिसके बाद सरकारों को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करनी पड़ी और कुछ स्थानों पर सेना तक को तैनात करना पड़ा। फ्रांस में शनिवार को हुए प्रदर्शनों के दौरान भारी तनाव देखा गया। गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज के अनुसार, देशभर में लगभग 1000 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सरकार के अनुमान के मुताबिक करीब 4.10 लाख लोगों ने इन रैलियों में हिस्सा लिया, जबकि आयोजकों ने यह संख्या लगभग 8 लाख बताई। पेरिस में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प के बाद पुलिस ने वाटर कैनन और आंसू गैस के गोले दागे।

अल्बानिया में भ्रष्टाचार के खिलाफ गुस्सा

अल्बानिया की राजधानी तिराना समेत कई शहरों में छात्रों के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारी भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और खराब शिक्षा व्यवस्था को लेकर आक्रोशित थे।उन्होंने ट्यूशन फीस कम करने और शिक्षा बजट बढ़ाने की मांग के साथ-साथ प्रधानमंत्री एडी रामा के इस्तीफे की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कृषि मंत्रालय के प्रवेश द्वार पर आग लगा दी, तथा पुलिस पर पत्थर और पटाखे फेंके। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए दंगा रोधी पुलिस ने आंसू गैस, वॉटर कैनन और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया। **इटली में सेना के 500 अतिरिक्त जवान तैनात:** इटली के मिलान, रोम, ट्यूरिन, नेपल्स और फ्लोरेंस जैसे शहरों में युवाओं ने कई सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को लेकर मार्च निकाला। पुलिस ने आठ शहरों से 9 लोगों को गिरफ्तार किया और 371 लोगों को अस्थायी तौर पर हिरासत में लिया, जिनमें 110 नाबालिग शामिल थे।

स्पेन में पेंशन और आवास संकट को लेकर प्रदर्शन

स्पेन की राजधानी मैड्रिड में हजारों पेंशनभोगियों और आम नागरिकों ने सार्वजनिक पेंशन प्रणाली की सुरक्षा और महंगाई के अनुसार पेंशन बढ़ाने की मांग को लेकर मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने न्यूनतम पेंशन को न्यूनतम वेतन के बराबर करने, महिला-पुरुष पेंशन अंतर को खत्म करने और पेंशन के निजीकरण पर रोक लगाने की मांग उठाई।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की दो टूक

आतंकवाद पालने वाले देशों पर कसे शिकंजा युद्ध नहीं बातचीत से निकलेगा शांति का रास्ता



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता, युद्ध रोकने के लिए बातचीत और कूटनीति तथा दुनिया में शांति और समान विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया के सभी देशों को आतंकवाद के हर रूप के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा

- एआई दुनिया को पूरी तरह बदल सकता है, लेकिन विकास और प्रभाव को मुट्ठी भर लोगों के हाथों में नहीं छोड़ सकते
- लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक-दूसरे का सहयोग जरूरी
- भारत ने आतंकवाद पर दुनिया को एकजुट होने की जरूरत बताई

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद और दुनिया में चल रहे संघर्षों को लेकर कड़ा संदेश दिया है। दिल्ली में आयोजित 'चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन' में उन्होंने कहा कि आतंकवाद शांति के लिए बड़ा खतरा है और इसे किसी भी हाल में राज्य की नीति का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता।

दुनिया के सभी देशों को आतंकवाद के हर रूप के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के किसी भी हिस्से में होने वाला युद्ध पूरी दुनिया की शांति को प्रभावित करता है। मौजूदा समय में चल रहे दो बड़े संघर्षों के बीच भारत का स्पष्ट मत है कि बातचीत और कूटनीति के जरिए ही विवादों का समाधान निकाला जा सकता है। जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में सही नहीं ठहराया जा सकता।

आतंकवाद से मिल चुके कई सबक

इसके पीछे कोई तर्क या बहाना स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। इसके बावजूद आतंकवादी गतिविधियां जारी हैं, क्योंकि कुछ देश इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाने के बजाय अपने राजनीतिक हितों को ज्यादा महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास में आतंकवाद के खतरों से जुड़े कई सबक मिल चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी कुछ देश अपने फायदे के हिसाब से फैसले लेते हैं। विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि अब समय आ गया है कि दुनिया आतंकवाद के खिलाफ ज्यादा मजबूत इच्छाशक्ति दिखाए। सभी देशों को मिलकर इसके हर रूप और तरीके का मुकाबला करना चाहिए। आतंकवाद के प्रति किसी भी तरह की नरमी वैश्विक शांति के प्रयासों को कमजोर करती है।

वैश्विक चुनौतियों और उससे निपटने के उपायों का किया जिक्र

◆ जयशंकर बोले- ग्लोबल साउथ के सामने 4एफ संकट

अपने बयान में विकासशील देशों के सामने आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए एस. जयशंकर ने कहा कि आज दुनिया का यह हिस्सा 4एफ संकट से जूझ रहा है। इनमें फाइनेंस, फ्यूल, फूड और फर्टिलाइजर शामिल है। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि इन समस्याओं के समाधान में विकसित देशों की भी बराबर की हिस्सेदारी है। बाजार के विकृत और संकीर्ण तौर-तरीके आम जनता की परेशानियों को और बढ़ा रहे हैं, इसलिए इस पर गंभीर और सच्ची बातचीत की सख्त जरूरत है।

शांति और समृद्धि एक-दूसरे से जुड़ी हैं, अनदेखी न करें

जयशंकर ने कहा कि दुनिया में शांति, विकास और समृद्धि के बीच गहरा संबंध है। संघर्ष और हिंसा किसी भी समाज की तरक्की में बाधा बनते हैं। दुनिया के एक हिस्से का समृद्ध होना और दूसरे हिस्से का बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहना लंबे समय तक संभव नहीं है। इसलिए देशों को अपने हितों के साथ-साथ पूरी दुनिया की जरूरतों को भी समझना होगा। उन्होंने साफ किया कि स्थायी शांति के लिए आपसी सहयोग, बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता देना जरूरी है। युद्ध और आतंकवाद से किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल सकता।

एआई को लेकर चेतावनी भी दी

इसके अलावा तकनीक पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि एआई दुनिया को पूरी तरह बदल सकता है, लेकिन इसके विकास और प्रभाव को मुट्ठी भर लोगों के हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसे मानव-केंद्रित और समावेशी दृष्टिकोण का समर्थन करता है जो पूरी मानवता के हित में हो। अंत में विदेश मंत्री ने अपने संबोधन के अंत में इस बात पर जोर दिया कि प्रगति और समृद्धि एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं।

मुकाबले से ज्यादा जरूरी है सहयोग की भावना

सम्मेलन में जयशंकर ने दुनिया के देशों के बीच आपसी सहयोग और प्रतिस्पर्धा के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मानव समाज में हमेशा दो तरह की सोच रही है।

एक सोच प्रतिस्पर्धा को महत्व देती है, जबकि दूसरी सहयोग को बेहतर रास्ता मानती है। यही सोच देशों के आपसी रिश्तों और उनके व्यवहार में भी दिखाई देती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का जिक्र करते हुए कहा कि करीब आठ दशक पहले दुनिया ने मिलकर एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की थी, जहां देश साझा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक-दूसरे का सहयोग कर सकें। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 1 में भी इसी भावना को जगह दी गई है।

अंतरिक्ष में बड़ी छलांग, 2029 तक चार लॉन्च पैड

दो महीने में गगनयान का पहला मानवरहित परीक्षण होगा, चंद्रयान-5 में 350 किलो का रोवर भी भेजेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा है कि वर्ष 2029 तक देश में चार प्रक्षेपण स्थल चालू हो जाएंगे। इससे भारत की अंतरिक्ष गतिविधियों का विस्तार होगा और उपग्रह प्रक्षेपण की बढ़ती वैश्विक मांग पूरी करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इसरो का निजीकरण नहीं होगा, लेकिन वाणिज्यिक गतिविधियों के विस्तार के लिए निजी कंपनियों और स्टार्टअप के साथ साझेदारी बढ़ाई जाएगी।



नारायणन के मुताबिक, तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले के कुलसेकरपट्टिनम में 2,000 एकड़ क्षेत्र में लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के लिए अलग परिसर विकसित किया जाएगा। यहां रॉकेट के विभिन्न हिस्सों और उपकरणों को जोड़ने, प्रक्षेपण, निगरानी, नियंत्रण और आंकड़े प्राप्त करने की सुविधाएं होंगी।

रोजगार भी बढ़ेंगे

निजी क्षेत्र को तकनीकी सहयोग देने से आर्थिक विकास के साथ उच्च प्रौद्योगिकी वाले क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इसरो अध्यक्ष ने बताया कि अगले दो महीने में गगनयान मिशन का पहला मानवरहित परीक्षण करने की योजना है। अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने से पहले दो और मानवरहित परीक्षण किए जाएंगे। इन दौरान सुरक्षा प्रणालियों, वातावरण नियंत्रण, आपात स्थिति में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित निकालने की व्यवस्था और अंतरिक्ष यान की सुविधाओं की जांच होगी।

अमेरिका में जी-20 में मिलने की उम्मीद

तनाव के बीच दिसंबर में फिर मिल सकते हैं मोदी-जिनपिंग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव की खबरों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की दिसंबर में फिर मुलाकात होने की संभावना जताई जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेता 14 या 15 दिसंबर को अमेरिका के फ्लोरिडा में प्रस्तावित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान बातचीत कर सकते हैं। सम्मेलन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मेजबानी में मियामी में आयोजित होने की बात



कही गई है। हालांकि, दोनों नेताओं की संभावित मुलाकात को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। पिछले महीने नई दिल्ली में मोदी और जिनपिंग के बीच हुई बातचीत से दोनों देशों के संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी थी।

रक्षामंत्री राजनाथ करेंगे शिरकत

नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए स्वदेशी तकनीक पर मंथन आज से

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना की पांचवीं नौसैनिक नवाचार एवं स्वदेशीकरण संगोष्ठी 'स्वावलंबन 2026' का आयोजन आज यानी 26 और 27 अक्टूबर को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में होगा।



'नवाचार और स्वदेशीकरण के माध्यम से शक्ति और सामर्थ्य' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 26 अक्टूबर को शामिल होंगे। संगोष्ठी का उद्देश्य स्वदेशी तकनीकों को बढ़ावा देना और रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता मजबूत करना है। कार्यक्रम में सशस्त्र बलों, रक्षा उद्योग, स्टार्टअप, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, शिक्षाविदों और निवेशकों की भागीदारी रहेगी।

इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम तकनीक, स्वायत्त प्रणालियों और हाइपरसोनिक तकनीक के नौसैनिक अभियानों में इस्तेमाल पर चर्चा होगी।

3 राज्यों में 38 ठिकानों पर छापेमारी, 1424 खाते फ्रीज

ऑपरेशन त्रिशूल से 100 करोड़ के हवाला नेटवर्क का खुलासा

खास बातें
- 17 .82 करोड़ रुपए की संपत्तियों को कुर्क किया
- 500 डेटोनेटर और 12 लाख रुपए नकद भी बरामद किए
- डेथ ट्रायंगल कॉरिडोर से चल रहा था खेल
- अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स कार्टेल भारत, म्यांमार और बांग्लादेश के बीच तस्करी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश में ड्रग्स के अवैध कारोबार और नशीले पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ एक और ऐतिहासिक और बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए जानकारी दी कि केंद्रीय एजेंसियों और पूर्वोत्तर के राज्यों की पुलिस ने मिलकर ऑपरेशन त्रिशूल को अंजाम दिया है।

शाह के पोस्ट के अनुसार, इस बड़े ऑपरेशन के तहत असम, मिजोरम और मणिपुर में कुल 38 ठिकानों पर एक साथ ताबड़तोड़ छापेमारी की गई, जिससे अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स कार्टेल की कमर टूट गई है। सोशल मीडिया



एआई फोटो

प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में शाह ने बताया कि 23 अक्टूबर को चलाए गए इस अभियान के दौरान एजेंसियों ने 100 करोड़ के हवाला लेनदेन का पर्दाफाश किया है।

जांच के दौरान कुल 1424 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है, जबकि 17.82 करोड़ रुपए की संपत्तियों को कुर्क किया गया है। बता दें कि इस कार्रवाई में कुल 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, अधिकारियों ने 500 डेटोनेटर और 12 लाख रुपए नकद भी बरामद किए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स कार्टेल भारत, म्यांमार और बांग्लादेश के बीच डेथ ट्रायंगल कॉरिडोर के रास्ते अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा था।

केंद्र सरकार और तीनों राज्यों असम, मिजोरम और मणिपुर की पुलिस ने आपसी तालमेल से इस खतरनाक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। अमित शाह ने अपने पोस्ट में दृढ़ संकल्प जताते हुए कहा कि मोदी सरकार ने ऑपरेशन त्रिशूल के जरिए ड्रग्स के खिलाफ एक और घातक प्रहार किया है।

31 दिसंबर 2029 तक देश को नशा मुक्त करने का लक्ष्य

इतना ही नहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश को नशा मुक्त करने के अपने लक्ष्य को भी दोहराया। अपने पोस्ट में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने संकल्प लिया है कि 31 दिसंबर 2029 तक देश से हर एक ड्रग नेटवर्क का पूरी तरह सफाया कर दिया जाएगा। गृह मंत्री ने साफ किया है कि गृह मंत्रालय इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और 'नशा मुक्त भारत' के रोडमैप को सख्ती से लागू किया जा रहा है।



अहमदाबाद-मुंबई के बीच 508 किमी का कॉरिडोर तैयार

2027 के आखिरी 3 महीनों में शुरू हो सकती है देश की पहली हाईस्पीड ट्रेन सेवा

100 फीट नीचे स्टेशन, समुद्र के भीतर सात किमी सुरंग से गुजरेगी बुलेट ट्रेन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, अहमदाबाद-मुंबई हाईस्पीड रेल कॉरिडोर पर पहली ट्रेन सेवा 2027 की आखिरी तिमाही में शुरू होने की उम्मीद है। 508 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर में आधुनिक रेलवे स्टेशनों के साथ सुरंगों और पुलों का निर्माण किया जा रहा है। इसकी खासियत





मुंबई में जमीन से करीब 100 फीट नीचे बन रहा स्टेशन और समुद्र के नीचे से गुजरने वाली सात किलोमीटर लंबी सुरंग है। मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में हाईस्पीड रेल कॉरिडोर का एकमात्र भूमिगत स्टेशन बनाया जा रहा है। जमीन से करीब 32 मीटर नीचे बन रहे इस स्टेशन में प्लेटफॉर्म, और सेवा क्षेत्र के तीन स्तर होंगे।

320 किमी प्रति घंटा होगी बुलेट ट्रेन की स्पीड

यहां छह प्लेटफॉर्म बनाए जा रहे हैं, जिनमें प्रत्येक की लंबाई 400 मीटर से अधिक होगी। महाराष्ट्र में कॉरिडोर का 21 किलोमीटर हिस्सा सुरंग से होकर गुजरेगा। इसमें ठाणे क्रीक के नीचे समुद्र के भीतर सात किलोमीटर लंबी सुरंग शामिल है। इसके निर्माण के लिए जुलाई 2026 में विक्रोली और सावली से दो टनल बोरिंग मशीनें शुरू की गई थीं। प्रत्येक मशीन का व्यास 13.6 मीटर और वजन 3,000 टन से अधिक है। बुलेट ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।



दंडी स्वामी कालिकानंद नंद जी का महाप्रयाण

सनातनी स्तंभ (दंडी स्वामी प्यारेनंद जी महाराज) को अश्रुपूरित समाधि

जबलपुर। श्री सिद्ध शक्तिपीठ कालीधाम गौरीघाट जबलपुर के संस्थापक एवं संचालक दंडी स्वामी कालिकानंद सरस्वती स्वामी प्यारेनंद जी महाराज के ब्रह्मलीन महाप्रयाण की सन्यास परम्परा के समय महामण्डलेश्वर अखिलेशवरनंद जी महाराज ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पूज्य गुरुदेव महाराज एवं दंडी स्वामी को भारतीय संस्कृति का संरक्षक एवं सनातनी स्तंभ बताया उनका आध्यात्मिक प्रकाश और मार्ग दर्शन सदैव सभी के हृदय में जीवित रहेगा। कालीधाम परिसर से दंडी स्वामी की समाधि, देव लोक गमन यात्रा कालीधाम की परिक्रमा करती हुई कालीधाम प्रांगण पहुंची इसके उपरांत सन्यास परम्परानुसार कालीधाम के पीठाधीशवर एवं महामण्डलेश्वर डॉ स्वामी राधेचैत्यनय जी महाराज ने सन्यास परम्परा का पालन करते हुए समाधि की रस्म आचार्य पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच सभी संत समाज की उपस्थिति में संपन्न की। इस अवसर पर पूज्य गुरूदेव जी द्वारा स्थापित हिन्दुस्तान के सभी मठों से महंतो,गुरू भाईयों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर संत समाज से जगतगुरू नरसिंह देवाचार्य जी, दंडी स्वामी नर्मदानंद जी महाराज (रंजीतानंद जी), जगतगुरू,बाल गोविंदा देवाचार्य जी महाराज जगतगुरू राघवदेवाचार्य जी महाराज, कालीमठ के महंत चंद्रशेखरानंद जी, रामाचार्य जी महाराज, ज्ञानेश्वरी दीदी, मैथली दीदी, पं रोहित दुबे, कालीधाम शिष्य परिवार से डी ओ पी राव, प्रदीप चौहान, अनिल उसरेटे, अजय यादव, सुशील सोनी, श्रीराम खत्री,मनीष अग्रवाल, प्रभात दुबे, पूरन सिह राजपूत, अनिल सराठे, श्रीराम शुक्ला, विवेक अवस्थी, यज्ञेश तिवारी विधायक एवं जन प्रतिनिधियों की ओर से महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, अजय विश्नोई, संदीप जैन, रिंकू विज आदि सभी ने पूज्य गुरुदेव महाराज को अश्रुपूरित समाधि दी।

रामपुर मांडवा बस्ती में छत पर लोहे का सामान रखते समय हुआ हादसा, एक ही परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, निजी अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा घायल बालक

हाईटेंशन लाइन बनी काल! करंट की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत, 12 वर्षीय भतीजा गंभीर



हरिभूमि, जबलपुर।

शहर के गोरखपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर मांडवा बस्ती में रविवार शाम हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से एक महिला और उसके जवान बेटे की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 12 वर्षीय भतीजा गंभीर रूप से झुलस गया। घर की छत पर लोहे का पुराना सामान रखते समय हुए इस हादसे ने परिवार की खुशियां पलभर में छीन लीं। मृतकों की पहचान सीता राजपूत (55) और उनके बेटे किशन राजपूत (23) के रूप में हुई है। घायल बालक बाबू उर्फ रियान राजपूत का निजी अस्पताल में उपचार जारी है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

छत पर सामान रखते समय हुआ हादसा

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रामपुर मांडवा बस्ती निवासी देवेंद्र राजपूत के घर की छत पर रविवार शाम लोहे का पुराना सामान रखा जा रहा था। इस दौरान सीता राजपूत और उनका बेटा किशन भी छत पर मौजूद थे। इसी बीच लोहे का सामान ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गया। देखते ही देखते करंट फैल गया और उसकी चपेट में आए मां-बेटे बुरी तरह झुलस गए। हादसा इतना अचानक हुआ कि दोनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। करंट लगने से दोनों की मौत हो गई।

भतीजा भी झुलसा, उपचार जारी

इस हादसे में परिवार का 12 वर्षीय बालक बाबू उर्फ रियान राजपूत भी करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। परिजन और आसपास के लोग तत्काल मदद के लिए दौड़े। घायल बालक को उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत और बच्चे के गंभीर रूप से घायल होने से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

छत के ऊपर से गुजर रही लाइनें बनीं खतरा

यह हादसा घरों की छतों के बेहद करीब से गुजरने वाली हाईटेंशन बिजली लाइनों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। लोहे की लंबी वस्तुएं छत पर ले जाते या रखते समय बिजली के तारों के संपर्क में आने का खतरा बना रहता है। हाईटेंशन लाइन को सीधे छूना ही जरूरी नहीं, कई परिस्थितियों में उसके बेहद करीब पहुंचना भी जानलेवा साबित हो सकता है। रामपुर मांडवा की इस घटना ने एक परिवार को ऐसा जख्म दिया है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। मां और बेटे की मौत से घर में मातम पसरा है, जबकि घायल बालक की जिंदगी बचाने की उम्मीद में परिजन अस्पताल में उसकी सलामती की दुआ कर रहे हैं। हादसे ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि बिजली लाइनों के आसपास सुरक्षा मानकों का पालन और खतरनाक स्थानों पर समय रहते आवश्यक सुरक्षा उपाय करना कितना जरूरी है।

सूचना पर पहुंची पुलिस, हादसे के कारणों की जांच

घटना की सूचना मिलते ही गोरखपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह लोहे के सामान का हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आना बताई जा रही है। हालांकि, घटना की परिस्थितियों और अन्य पहलुओं की विस्तृत जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश की 108 परिक्रमा आज



जबलपुर। चातुर्मास विश्राम के बाद हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश की भगवान राधा कृष्णा लड्डू गोपाल तुलसी मैया की एक साथ 108 परिक्रमा संकीर्तन करते हुए आज सोमवार को शरद स्नान दान पूर्णिमा पर प्रातः 6 बजे प्रारंभ की जाएगी, कलश की यह आखिरी परिक्रमा है। संयोजक श्याम मनोहर पटेल ने बताया कि आगामी 24 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा पर प्रातः 8:30 बजे 504वी नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा महाकुंभ का आयोजन हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में किया जाएगा। परिक्रमा कार्यालय का उद्घाटन चंद्रा मोटर दमोह नाका मेगा मार्ट के बाजू में संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा नर्मदा चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल के अध्यक्ष विनोद दीवान के सानिध्य में उदघाटित हुआ। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल, पंचकोशी संरक्षक सुषमा शंकर पटेल, अध्यक्ष दुर्गा पटेल, मनोज गुलाबबानी, शिव कुमार पटेल, विनोद विश्वकर्मा, कैलाश विश्वकर्मा, छन्नू राम पटेल, अशोक विश्वकर्मा, वीरेंद्र नामदेव, गणेश विश्वकर्मा, चंद्र कुमार पटेल, रवि प्रताप सिंह, मनोहर विश्वकर्मा, राजेंद्र कसेरा, गोपाल जी आदि उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री हरेन्द्रजीत सिंह बब्बू हुए सम्मानित



जबलपुर। जवारे विसर्जन के पावन अवसर पर सिद्ध पीठ बूढ़ी खेरमाई मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला। इस पावन अवसर पर पूर्व मंत्री हरजीत सिंह 'बब्बू' अपनी धर्मपत्नी मनमोहन कौर के साथ माता के दर्शन एवं जवारे विसर्जन समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। मंदिर परिसर पहुँचने पर सोनू पंडा ने पूर्व मंत्री हरजीत सिंह बब्बू और मनमोहन कौर का पारंपरिक विधि-विधान एवं पुष्पमालाओं के साथ आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान कई गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

वात्री साहू समाज ने मनाया शरदोत्सव



जबलपुर। शरद पूर्णिमा के अवसर पर वात्री साहू समाज द्वारा संचालित श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में साहू धर्मशाला गढ़ाफाटक में शरदोत्सव मनाया गया। शरद पूर्णिमा पर भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी, बलदाऊ जी, सुभद्रा माता का पूजन एवं आरती कर दूध पेड़े का भोग अर्पण किया गया इसके पश्चात भक्तजनों को दूध पेड़े का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर चौधरी मुकेश साहू, मुखिया राजेंद्र मेहते, भगत रविशंकर साहू, हरीश साहू, नरेंद्र साहू, राकेश साहू, राजेश साहू पप्पू, कोठीया श्रीकान्त साहू, एड राजकुमार साहू, श्रीमती आभा दीपक साहू, पप्पी साहू, विशाल साहू, मनोहर साहू, सुभाष साहू, गुड्डा साहू, सुरेश साहू, डॉ पुरुषोत्तम साहू, रंजीत साहू, सतीश साहू के साथ बड़ी संख्या में सामाजिक जन उपस्थित थे।

उपनगर क्षेत्र रांझी में दो दिवसीय दंगल का हुआ शुभारंभ

जबलपुर। उपनगर रांझी में भारतीय पारंपरिक कुश्ती की गौरवशाली परंपरा को जीवंत करते हुए स्वर्गीय श्री गोविंद स्वामी उस्ताद की स्मृति में संजय व्यायाम शाला, सर्रापीपल रांझी, जबलपुर द्वारा दो दिवसीय पारंपरिक कुश्ती दंगल का भव्य शुभारंभ आज दिनांक 25 अक्टूबर 2026 को किया गया। 25 एवं 26 अक्टूबर को आयोजित इस दंगल में देशी कुश्ती कला के प्रदर्शन के साथ क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2 बजे रांझी की सड़कों पर निकाले गए भव्य अखाड़ा जुलूस से हुआ। जुलूस में पहलवानों द्वारा लाठी, तलवार एवं पट्टा-बिनैकी का शानदार प्रदर्शन किया गया। अखाड़ा जुलूस के दौरान विभिन्न स्थानों पर व्यापारियों एवं नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा एवं स्वागत कर पहलवानों का उत्साहवर्धन किया गया। पारंपरिक वेशभूषा और शौर्यपूर्ण प्रदर्शन ने रांझी की सड़कों पर भारतीय अखाड़ा संस्कृति की अद्भुत छटा बिखेर दी। इसके पश्चात संध्या 4 बजे सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के समीप स्थित मैदान में कुश्ती दंगल का विधिवत शुभारंभ हुआ। दंगल में अनेक पुरुष एवं महिला पहलवानों ने भाग लेकर अपनी कुश्ती कला, शारीरिक कौशल एवं दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। पहलवानों के रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में कुश्ती प्रेमी एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री लखन घनघोरिया, विधायक एवं पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सौरव शर्मा, अध्यक्ष जबलपुर जिला शहर कांग्रेस कमेटी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री राजेश यादव, पूर्व पार्षद गोकलपुर वार्ड उपस्थित रहे। दंगल के आयोजकों में दालचंद पहलवान, मूर्ति पहलवान एवं शिव यादव सहित कुश्ती प्रेमियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कुश्ती कला के शानदार उद्घोषक सोनी मास्टर ने अपने प्रभावशाली एवं जोशीले अंदाज में पहलवानों का उत्साह बढ़ाया तथा दर्शकों को मुकाबलों से जोड़े रखा।

सिहोरा के अश्विनी कुमार पाठक को मिला डॉ. सुमित्र सृजन सम्मान

डॉ. सुमित्र का सृजन समाज की मूल धारा से जुड़ा प्रेरणादायी सृजन था



जबलपुर। पाथेय साहित्य कला अकादमी द्वारा दत्त मंदिर सभागृह में डॉ. राजकुमार सुमित्र स्मृति संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रतिष्ठित साहित्यकार अश्विनी कुमार पाठक, सिहोरा को डॉ. सुमित्र सृजन सम्मान तथा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दीप्ति पटेल को सुमित्र कविता सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक सेवाओं के लिए संस्थाओं को संस्थाश्री अलंकरण प्रदान किया गया। समारोह में अतिथियों ने डॉ. राजकुमार सुमित्र के साहित्यिक अवदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनका सृजन समाज की मूल धारा से जुड़ा प्रेरणादायी सृजन था। उन्होंने साहित्य को सामाजिक सरोकारों, जीवन मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना से जोड़ा। डॉ. सुमित्र ने संस्कारधानी की समृद्ध साहित्यिक परंपरा को नई ऊंचाइयां भी प्रदान कीं। उनका साहित्य समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ ही नई पीढ़ी को संस्कार, संवेदना और सृजनशीलता की प्रेरणा देता रहेगा। उनके नाम पर आयोजित स्मृति संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह साहित्यिक मूल्यों और रचनात्मक परंपरा को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण उपक्रम है। समारोह में विधायक अजय विश्नोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हरिशंकर दुबे ने की। विशिष्ट अतिथि रहे विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन एवं पूर्व महापौर प्रभात साहू रहे। अतिथियों के साथ डॉ. हर्ष कुमार तिवारी, मोहिनी तिवारी, डॉ.कामना कौस्तुभ एवं प्रियम तिवारी ने सम्मान प्रदान किया। समारोह का संचालन कर रहे पाथेय साहित्य कला अकादमी के महासचिव राजेश पाठक प्रवीण ने सम्मानित साहित्यकारों एवं संस्थाओं के रचनात्मक योगदान पर प्रकाश डाला।

सामाजिक संस्थाओं को संस्थाश्री अलंकरण

समारोह में सामाजिक एवं सांस्कृतिक सेवाओं के लिए संस्थाओं को संस्थाश्री अलंकरण से सम्मानित किया गया। इनमें ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा महिला प्रकोष्ठ, सर्व मंगला संस्था, कायस्थ महासभा महिला, जिला माहेश्वरी समाज, जिला साहू समाज महिला प्रकोष्ठ, सेम सीनियर सिटीजन क्लब तथा जायसवाल समाज महिला मंडल शामिल हैं। इस अवसर पर सेम सीनियर सिटीजन के कलाकारों ने सैनिक भाइयों के जीवन पर आधारित लघु नाटक प्रस्तुत किया। समारोह में प्रतुल श्रीवास्तव, राजेन्द्र मिश्रा, संतोष नेमा, यशोवर्धन पाठक, डॉ. विजय किसलय, राजेन्द्र तिवारी, राजीव गुप्ता, डॉ. अनिल कोरी, विनीता पैगवार एवं गणेश प्यासा ने स्वागत किया। इस अवसर पर अकादमी के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को उपयोगी सामग्री वितरित कर जनभागीदारी का संदेश दिया

जबलपुर। स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम जबलपुर की स्वच्छता टीम द्वारा संभाग क्रमांक 01 के वार्ड क्रमांक 05, सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड स्थित क्रेशर बस्ती में कलेक्शन ड्राइव आयोजित की गई। इस दौरान ओम साईं विजन संस्था के सहयोग से जरूरतमंदों को कपड़े, जूते, खिलौने एवं दैनिक उपयोग की अन्य उपयोगी सामग्री वितरित की गई। गतिविधि का उद्देश्य उपयोगी वस्तुओं के पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करने के साथ जरूरतमंदों की सहायता एवं समाज में सहयोग की भावना को बढ़ावा देना रहा। इस पहल के माध्यम से नागरिकों को संदेश दिया गया कि घरों में अनुपयोगी, किंतु अच्छी स्थिति में उपलब्ध वस्तुओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाकर संसाधनों की बर्बादी रोकी जा सकती है और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया जा सकता है।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार के निदेशानुसार आम जनता को यह सूचित कर रहा हूँ कि मेरे पक्षकार श्रीमती राखी रिछारिया पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार रिछारिया द्वारा संपति जो कि मौजा-महाराजपुर सुभाष नगर, मध्य प्रदेश गृह निर्माण मण्डल कालौनी, नगर निगम न्यू वार्ड नं. 75, प्लाट क्रमांक 400, कुल रकबा 31.86 वर्ग मीटर है जिस पर आवासीय उपयोग का मकान निर्मित है, को क्रय करने का अनुबंध भूमिस्वामी श्रीमति दुर्गा रजक पत्नी श्री आशीष रजक से किया है। यह कि भूमिस्वामी श्रीमति दुर्गा रजक पत्नी श्री आशीष रजक ने उक्त संपति को पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 13.09.2022 पंजीयन क्र. MP 182552022 A1940871 के माध्यम से श्री मुबारक सिंह पिता अजीत सिंह से क्रय किया है । एवं श्री मुबारक सिंह पिता अजीत सिंह ने उक्त संपति को पंजीकृत पट्टा विलेख (लीज पत्र) दिनांक 04.10.2017 पंजीयन क्र. 182552017 A1560409 के माध्यम से मध्य प्रदेश गृह निर्माण मण्डल से 30 वर्ष हेतु लीज पर प्राप्त किया था । यह कि मेरे पक्षकार उक्त संपति क्रय करने हेतु उक्त संपति को ICICI HOME FINANCE LTD. जबलपुर शाखा में सामयिक बंधक कर ऋण सुविधा प्राप्त करना चाहते है। उक्त संपति का साम्यिक बंधक हेतु पंजीकृत पट्टा विलेख (लीज पत्र) दिनांक 04.10.2017 पंजीयन क्र. 182552017A1560409 की मूल प्रति की आवश्कता है जो कि श्रीमति दुर्गा रजक पत्नी श्री आशीष रजक से गुम हो गयी है जिसकी प्राथमिक सूचना पुलिस थाना घमापुर जबलपुर में दिनांक 21.10.2026 को श्री श्रीमति दुर्गा रजक पत्नी श्री आशीष रजक द्वारा दी जा चुकी है। अतः जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को किसी प्रकार की कोई आपति हो अथवा किसी प्रकार का कोई विवाद हो तो वह प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालय में लिखित रूप में मय दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर प्रस्तुत करें, समय उपरांत किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जावेगा।

जबलपुर
दिनांक: 25.10.2026
भवदीय
साकेत प्यासी (एडवोकेट)
म.प्र. हाई कोर्ट जबलपुर
ऑफिस-320, गली नं. 05, त्रिमूर्ति नगर, दमोहनाका जबलपुर
मो. नं.- 9806373695

पटवारियों की हड़ताल से प्रभावित हुआ धान पंजीयन

किसानों ने की तिथि बढ़ाने की मांग

सिहोरा। धान पंजीयन की निर्धारित तिथि समाप्त होने के बाद भी अनेक किसान अपनी उपज का पंजीयन नहीं करा सके हैं। पटवारियों की हड़ताल के कारण पंजीयन के दौरान कई किसानों के रकबे पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रहे थे। इसके चलते किसान चाहकर भी अपनी धान की उपज का पंजीयन कराने से वंचित रह गए। किसानों का कहना है कि पूर्व में धान पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर निर्धारित की गई थी लेकिन पटवारियों की हड़ताल के कारण राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित होने से अनेक किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रकबा प्रदर्शित नहीं होने के कारण वे निर्धारित समय सीमा में पंजीयन नहीं करा सके। इसका सीधा असर किसानों की उपज के समर्थन मूल्य पर विक्रय की प्रक्रिया पर पड़ सकता है। इस समस्या को देखते हुए किसान राजकुमार यादव,सेवाराम पटेल,अशोक यादव, देवेंद्र नायक,नरेंद्र त्रिपाठी,सीताराम पटेल,शीतल पटेल सहित अन्य किसानों ने राज्य सरकार से धान पंजीयन की तिथि कम से कम 3 से 5 दिन बढ़ाने की मांग की है। किसानों ने कहा कि सरकार को किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए पंजीयन का एक और अवसर प्रदान करना चाहिए ताकि रकबा संबंधी त्रुटियों को सुधारा जा सके और वंचित किसान अपनी उपज का पंजीयन करा सकें। किसानों ने शासन से मांग की है कि उनके हितों को ध्यान में रखते हुए धान पंजीयन की तिथि तत्काल बढ़ाई जाए जिससे कोई भी किसान अपनी उपज के पंजीयन से वंचित न रहे।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 48 मरीजों की हुई जांच

शैलेश्वर धाम सैलवारा में आयोजन



सिहोरा। स्व. श्रीमती शकुंतला तिवारी स्मृति सेवा समिति द्वारा स्वस्थ भारत विजन मिशन के अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान के तहत विश्व दृष्टि दिवस एवं शरद पूर्णिमा के अवसर पर शैलेश्वर धाम सैलवारा में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन परम पूज्य कैलाशवन जी महाराज का सानिध्य में किया गया। जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को नेत्र संबंधी बीमारियों के प्रति जागरूक करना तथा जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में 48 मरीजों के नेत्र जांच के साथ ब्लड प्रेशर (बीपी) एवं शुगर की स्क्रीनिंग की गई। जांच के बाद मरीजों को निःशुल्क चश्मे एवं आई ड्रॉप्स उपलब्ध कराए गए। शिविर में विशेषज्ञों द्वारा मरीजों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श भी दिया गया। जांच के दौरान 17 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान हुई। मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए सुखसागर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल जबलपुर रेफर किया गया। यहां मरीजों को पूर्णतः निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई जिससे जरूरतमंद मरीजों को राहत मिली।शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ पवन कुमार यादव,अमन पटेल,डॉ प्रियांश जैन सहित हॉस्पिटल की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। समिति के संस्थापक पंडित कार्तिकेय तिवारी ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी ग्रामवासियों एवं स्वास्थ्य टीम के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वाल्मीकि जयंती और शरदोत्सव के उपलक्ष्य में हुआ कवि सम्मेलन

जबलपुर। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् द्वारा सुहागी में शरदोत्सव एंव महर्षि बाल्मीक जयंती के उपलक्ष्य में काव्य उत्सव का आयोजन डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी के मुख्य आतिथ्य, इंद्रदत्त त्रिपाठी की अध्यक्षता, राजेश दुबे बबलू की विशिष्ट आतिथ्य, मुख्य वक्ता डॉ. कौशल दुबे की उपस्थिति में किया गया। कवि गोष्ठी डॉ. कमलेश व्यास के संचालन में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में डॉ. उदयभानु तिवारी, राज सागरी, अभिमन्यु जैन, सुरेश विचित्र, डॉ नरेश द्विवेदी, अखिलेश शुक्ल, विभाषमणि वैरागी, लखनलाल ने कविता पाठ किया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में अखिलेश शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया तदोपरांत कृष्णकांत शुक्ला ने अतिथियों का परिचय दिया। सभी का आभार धर्मेश चतुर्वेदी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में पुरुषोत्तम तोमर, राजेश तिवारी, सुभाष तोमर, संतोष द्विवेदी, रामावतार आदि की उपस्थित उल्लेखनीय रही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया 2 दिवसीय चतुर्थ राष्ट्रीय एचआर-सीएसआर कॉन्फ्रेंस अभ्युदय : 2026 का शुभारंभ

भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर शोध और मीमांसा करने वाले शोधार्थियों और संस्थाओं का करेंगे पूरा सहयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

हमारे समाज के लिए एक आदर्श है भगवान श्री कृष्ण का पूरा जीवन

लोकतांत्रिक परम्पराओं के महान नायक थे भगवान श्रीकृष्ण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जहां गीता समाप्त होती है, वहीं से जीवन का अभ्युदय प्रारंभ होता है। हमारे समाज के लिए एक आदर्श है भगवान श्री कृष्ण का पूरा जीवन। हम सब उनके जीवन से प्रतिदिन कुछ न कुछ सीखते ही हैं।

उन्होंने अपना सारा जीवन चुनौतियों के बीच व्यतीत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण तत्कालीन लोकतांत्रिक परम्पराओं के सच्चे और महान नायक थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में फोर्थ नेशनल कांफ्रेंस फॉर एचआर-सीएसआर 'अभ्युदय' को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस 2 दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया। यह कॉन्फ्रेंस 25 अक्टूबर को भी जारी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इंडोनेशिया से आए पद्मश्री डॉ. अगुष इंद्र उद्याना ने एक पारम्परिक घंटी भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जीवन की हर परिस्थिति में अपना मानव धर्म और राजधर्म निभाया।



एचआर-सीएसआर कॉन्फ्रेंस अभ्युदय-2026 का दीप प्रज्ज्वलित करते सीएम।

नशे के खिलाफ भी चलाया जा रहा है अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य में नक्सलवाद बड़ी समस्या थी। मप्र ने ही सबसे पहले लाल सलाम को आखिरी सलाम किया। प्रदेश में नशे के खिलाफ भी अभियान चलाया जा रहा है। राज्य में नई शिक्षा नीति लागू कर योग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे नशा मुक्ति में भी सहयोग मिलेगा। प्रदेश में आयुष महाविद्यालयों की संख्या तेजी से बढ़ाई जा रही है। योग और वेलनेस के प्रोत्साहन को लेकर हम बड़े प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन के लिए यूनाइटेड काउंसिल फॉर एंशिएंट विजडम-यूनाइटेड कॉन्शसनेस, श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, संस्कृति विभाग तथा सहयोगी संस्था यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन को बधाई दी।

एशियन गेम्स में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 11 मेडल जीते

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल के एशियन गेम्स में मप्र के खिलाड़ियों ने 11 मेडल जीते, इनमें से 5 स्वर्ण पदक हैं। प्रदेश में शासकीय स्तर पर 18 अकादमी संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार ने तीन स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों से परस्पर संवाद में कहा कि एक ग्लोबल स्किल पार्क भी भोपाल में है। मप्र सबसे तेजी से औद्योगिक निवेश आकर्षित करने वाला राज्य है। हम युवाओं के कौशल विकास को लेकर भी प्रतिबद्ध है। चर्चा में टाटा समूह के प्रतिनिधि ने कौशल विकास को लेकर मध्यप्रदेश में विस्तार करने की मंशा जाहिर की।

प्रदेश में विरासत को संरक्षित करने वाली सरकार है

अपर मुख्य सचिव संस्कृति और श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के न्यासी सचिव शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में विरासत को संरक्षित करने वाली सरकार है। मुख्यमंत्री आगे बढ़कर इस मुहिम का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं, ओंकारेश्वर में नर्मदा के किनारे आचार्य शंकर को ज्ञान प्राप्त हुआ और उन्होंने देशभर की यात्रा कर सनातन धर्म का प्रचार प्रसार किया। इन सभी से संबंधित स्थलों को संरक्षित करते हुए सरकार आगे बढ़ रही है। ओंकारेश्वर में एकात्म धाम की स्थापना की गई है। इससे भविष्य में धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन के अवसर भी विकसित होंगे।

मप्र को अभ्युदय का मंत्र दिया है

नेशनल कॉन्फ्रेंस के संयोजक डॉ. विक्रांत सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मप्र को अभ्युदय का मंत्र दिया है। यह शब्द पवित्र गीता से निकला है। उन्होंने कहा कि जब जीवन में शांति आती है, तब यही शांति आत्मिक समृद्धि भी लाती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक, भारतीय ज्ञान परंपरा और विरासत का संरक्षण करते हुए आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए संकल्पित हैं। वे मप्र को विकसित और आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। उन्होंने इस दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

खबर संक्षेप

भोजपुर नारी शक्ति ने प्रभात फेरी निकाली

औबेदुल्लागंज। भोजपुर नारी शक्ति ने रविवार को प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी में महिलाओं में उत्साह देखा गया एवं आरती यादव का जगह-जगह सम्मान हुआ। भोजपुर नारी समिति अध्यक्ष आरती यादव, उपाध्यक्ष भगवती साहू, विमल यादव, चिंता साहू, मीना साहू, शर्मिला यादव और कुंती यादव, पुष्पा, चंद यादव, कुसुम शर्मा, जैन मैडम और रवि यादव की माता कुंती यादव ने स्वागत किया। शर्मिला अशोक यादव, सुनीता सैनी, मीणा मालवीय का स्वागत हुआ।

विधायक पटवा ने की अग्रवाल की सराहना



औबेदुल्लागंज। जिला महिला मंडल अध्यक्ष विद्या अग्रवाल के निवास पर विधायक सुरेंद्र पटवा ने पहुंचकर बधाई दी और कहा कि विद्या अग्रवाल बहुत मेहनत करती है, ढाई क्विंटल आटे की पूड़ी बांटी। इस अवसर पर विद्या अग्रवाल ने पटवा से कहा कि विधायक पटवा सभी के हित की बात करते हैं। कभी किसी का बुरा नहीं किया।

260 गांवों की भूमि सिंचित होगी और 72 हजार किसान होंगे लाभान्वित

नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला-सरदारपुर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना आरंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री ने 188 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

सीएम ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की 317.86 करोड़ राशि अंतरित की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पूरे देश में सिंचाई का क्षेत्र निरंतर बढ़ रहा है। सरदार सरोवर बांध के बाद अलग-अलग परियोजनाओं के माध्यम से धार-झाबुआ क्षेत्र को पर्याप्त जल उपलब्ध हो रहा है। किसानों को 2387 करोड़ रुपए से अधिक लागत की नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला-सरदारपुर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना की सौगात मिली है। पिछले ढाई साल में हमारी सरकार ने सिंचाई का रकबा 60 लाख हैक्टेयर तक पहुंचाया है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 100 लाख हैक्टेयर करने का लक्ष्य रखा है।

सूखे खेतों को जब पानी मिलता है तो किसानों की फसल सोने जैसे चमकने लगती है। राज्य सरकार कृषि, उद्योग सहित प्रत्येक सेक्टर में काम कर रही है। प्रदेश के किसानों की समृद्धि ही हमारा ध्येय है। किसान कल्याण वर्ष में किसानों के हित में अनेक कार्य हुए हैं। आज प्रदेश के 16 लाख 70 हजार किसानों को दीवाली त्यौहार से पहले 317.86 करोड़ की राशि भेजकर सौगात दी गई है।



नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला-सरदारपुर माइक्रो उद्वहन परियोजना का सीएम ने किया लोकार्पण।

लगभग 6 लाख कपास उत्पादक किसानों को लाभ

सीएम ने कहा कि प्रदेश में सड़क, रेल और हवाई सुविधाएं तेजी से बढ़ रही हैं। अब धार को भी रेलवे लाइन की सौगात मिल चुकी है। इस परियोजना से निमाड़-मालवा क्षेत्र के लगभग 6 लाख कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा। अब एक ही स्थान पर कपास से धागा, धागे से कपड़ा और कपड़े से रेडीमेड गारमेंट्स तैयार किए जाएंगे। यहां के धागे से निर्मित वस्त्रों का निर्यात भी होगा। 3 लाख लोगों को पीएम मित्र पार्क से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आई है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा

केंद्रीय महिला बाल-विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से प्रदेश में औद्योगिक निवेश तेज गति से आ रहा है। धार जिले में इस साल वर्षा कम हुई है, ऐसी परिस्थिति में माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। प्रधानमंत्री ने गरीबों के जन धन बैंक खाते खुलवाए।

तत्कालीन सरकार ने असंभव करार दे दिया था

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री एवं धार जिले के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 100 लाख हैक्टेयर भूमि को सिंचित करने का संकल्प लिया है। आज माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना के माध्यम से क्षेत्र के 72 हजार किसान लाभान्वित हुए हैं। इस परियोजना को तत्कालीन सरकार ने असंभव करार दे दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के गरीब-जरूरतमंदों को निःशुल्क राशन उपलब्ध करवा रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि धार, झाबुआ, पेटलावद, थांदला, सरदारपुर को माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना के लोकार्पण से सिंचाई के लिए माँ नर्मदा का जल मिलेगा।

दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नई योजना की शुरुआत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों और लाड़ली बहनों को राशि लगातार मिलती रहेगी। किसान कल्याण वर्ष में किसानों को लगातार सौगात मिल रही है। प्रदेश में दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नई योजना की शुरुआत की गई है। किसान को 25 गाय-भैंस खरीदकर डेयरी शुरू करने पर 10 लाख रुपए का अनुदान सरकार देगी। दूध उत्पादन बढ़ने के किसानों के जीवन में सुख-समृद्धि आएगी।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री ने उमरिया में जिला बैठक को किया संबोधित

कांग्रेस पार्टी की अराजक राजनीति को जनता के सामने करें उजागरः चंद्रशेखर

आंदोलनों की आड़ में देश में अराजकता की स्थिति कर रहे उत्पन्न



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने शनिवार को उमरिया जिला कार्यालय में जिला बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यों और तौर-तरीकों से देश को नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस की अराजक राजनीति को पार्टी कार्यकर्ता जनता के सामने उजागर करें।

पार्टी कार्यकर्ता संगठन को मजबूत बनाने के साथ जन-जन तक विचारधारा को पहुंचाने का कार्य करें। अब आंदोलनों की आड़ में देश में अराजकता की स्थिति पैदा करने का प्रयास कर रही है। लोकतंत्र बचाने के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना विपक्ष की राजनीति का हिस्सा बन गया है। भाजपा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के माध्यम से कांग्रेस की नीतियों और अराजक राजनीति को जनता के सामने उजागर करेगी। बैठक को प्रदेश शासन के मंत्री नागर सिंह चौहान एवं संभाग प्रभारी गौरव सिरोठिया ने भी संबोधित किया।

ग्वारीघाट रोड पर लगा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर





जबलपुर। ग्वारीघाट रोड, बिग बाजार साऊथ एवेन्यु मॉल-परफेक्ट पॉटरी के सामने अग्रवाल मल्टीस्पेशिलिटी क्लीनिक में रविवार को जनरल मेडिशिन प्रेक्टिशनर डॉ.विपिन अग्रवाल व दंत रूट केलान विशेषज्ञ डॉ साक्षी बिलैया अग्रवाल ने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया।

संगठित, असंगठित क्षेत्र के वेतन भोगी श्रमिको, कार्मिकों के वेतन, कार्य का समय, बीमा, पेंशन का निर्धारण होना चाहिए

जबलपुर। इंडियन नेशनल सैलरी एम्पलाइज एवं प्रोफेशनल वर्कर्स फेडरेशन की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक गत दिवस आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व वरिष्ठ अधिकारी श्रम कानून के विशेषज्ञ अजय मिश्रा, विशिष्ट अतिथि फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव राकेश डीपी पाठक थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह रघुवंशी ने की। इंडियन नेशनल सेलरीड एम्पलाइज एवं प्रोफेशनल वर्कर्स फेडरेशन के महामंत्री राम राज तिवारी ने वर्कर्स फेडरेशन की बैठक में संपूर्ण जानकारी से सभी के समक्ष एजेंडे को प्रस्तुत किया तत्पश्चात प्रदेश कमेटी के प्रदेश से आए हुए सभी पदाधिकारीयों ने एजेंडे का एक मतेन समर्थन किया ।इंडियन नेशनल सैलरी इंप्लाइज एवं प्रोफेशनल वर्कर फेडरेशन इंटक के मुख्य अतिथि अजय मिश्रा ने बताया कि भारत सरकार ने 29 पुराने श्रम कानून को खत्म करके 21 नवंबर 2025 को नए लेबर कोड लागू कर दिए हैं जो अब 2026 से पूरी तरह से अमल में आ गए है। मध्य प्रदेश सरकार ने भी अपना नया श्रम नियम कानून बना लिया है जिसका इसी सप्ताह प्रकाशित होने की संभावना है। अजय मिश्रा ने बताया कि वेतन संहिता 2019 तथा औद्योगिक संबंध संहिता 2020 एवं सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्य दिवस संहिता 2020 लागू हुए हैं वह कर्मचारी एवं श्रमिकों के हितार्थ कुछ अच्छे कानून है साथ ही सैलरी एम्पलाई कौन है इस संबंध में मुख्य अतिथि अजय मिश्रा ने कहा कि जो किसी कंपनी संस्था में मासिक वेतन पर काम करता है चाहे वह प्राइवेट हो या शासकीय या एनसीएल, एनटीपीसी, अदानी, बीएच ई एल , बिजली कंपनियों के कर्मचारी हो सभी कर्मचारियों को श्रमिकों को नियुक्त पत्र अनिवार्य रूप से दिया जाना चाहिए तथा वेतन नियम के संबंध में सारी जानकारी दी जाए। तथा यह भी बताया कि नई श्रम नीति कानून के अनुसार 7 तारीख के पूर्व वेतन कर्मचारियों को मिलना अनिवार्य है अन्यथा जुर्माना देना होगा। सैलरी फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव राकेश डी पी पाठक ने कहा कि आज पूरे देश में हर शासकीय विभाग कंपनी या निजी क्षेत्र आऊट सोर्स कार्मिकों के भरोसे चल रहा है। मध्यप्रदेश की सभी बिजली कंपनियों में नियमित कर्मचारियों में से 80 प्रतिशत से ज्यादा सेवा निवृत्त हो गये है आज बिजली कंपनियों में बिजली उत्पादन,पारेषण, वितरण , प्रशासकीय कार्य और उपभोक्ता सेवा के महत्वपूर्ण सभी कार्य संविदा और आउट सोर्स कर्मचारियों के माध्यम से ही किए जा रहे हैं। संगठित और असंगठित क्षेत्र के वेतन भोगी महिला, पुरुष इन कर्मचारियों को न तो नियुक्ति पत्र मिलता है,न ही केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन,न ही वेतन समय पर,न कार्य का समय, न अवकाश दिवस, पेंशन,ग्रेजुइटी, न ही बीमा, मेडीकल बीमा और न ही नौकरी, कार्य परिसर में सुरक्षा का निर्धारण किया जा रहा है। यह बड़ी बिषम परिस्थिति है। राज्य शासन, बिजली कंपनियों के प्रबंधन द्वारा इन पर विशेष ध्यान देकर इनका निर्धारण अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। तभी आर्थिक, मानसिक और शारीरिक रूप से इनका शोषण रुकेगा। संगठन के महामंत्री राम राज तिवारी ने कहा कि ई टी सी का 50% वेतन होना चाहिए ताकि पी एफ/ ग्रेच्युटी में घाटा ना हो इस विषय पर प्रकाश डाला गया। रीवा से पधारे इंटक के प्रदेश संगठन सचिव जी पी त्रिपाठी ने कहा कि नेशनल सैलरी एम्पलाइज एवं प्रोफेशनल वर्कर फेडरेशन के सदस्यों. को लोकतांत्रिक तरीके से उनके हितवर्धन हेतु कार्य करना चाहिए सिंगरौली से पधारी राष्ट्रीय महिला इंटक की पदाधिकारी तथा एनसीएल से पूर्व महाप्रबंधक कार्मिक से श्रीमती सुमन लता डेहरिया ने बताया कि मुझे पावर सेक्टर एवं कोल माइंस की तरफ से नागपुर एवं बेंगलुरु भेजा गया जहां महिलाओं को जागृत करने उनके प्रति कार्य करने का मुझे प्रशिक्षण मिला तथा मुझे महिलाओं के उत्थान हेतु बेंगलुरु में एक प्रोजेक्ट बनाकर देने का निर्देश दिया जिसमें राष्ट्रीय महिला ग्लोबल सम्मेलन में प्रथम स्थान मध्य प्रदेश को मिला है। फेडरेशन इंटक के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा ने प्रदेश कार्यकारिणी का संचालन करते हुए सभी नियमों कानून से अवगत कराया तथा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में जिला संभाग एवं प्रदेश से आए हुए सभी पदाधिकारी से आग्रह किया कि इस फेडरेशन की सदस्यता बनाकर इन कर्मचारियों का हित संवर्धन करना है । फेडरेशन प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल त्रिपाठी ने संगठन को विस्तार करने महत्वपूर्ण सुझाव दिया। यूथ इंटक के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तथा भेल के महामंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने भी संगठन में ज्यादा से ज्यादा सदस्य जोड़ने का आव्हान करते हुए आभार व्यक्त किया। मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह रघुवंशी, नरेंद्र मिश्रा ,रामराज तिवारी, राहुल त्रिपाठी, जेपी त्रिपाठी ,अजय मिश्रा, राकेश डीपी पाठक, सुमन लता डेहरिया, मिथिलेश तिवारी ,एन के यादव,कमलेश सिंह, रंजन सिंह, उमाशंकर मेहता,आरके हर्ट, पवन मिश्रा, सुमित कुमार, उमेश पांडे, अफसार अहमद,आदि अनेक लोगों ने एम्पलाइज भी बात रखी। आभार मिथिलेश तिवारी ने किया ।



इलाज और सुविधाएं दिलाने का प्रलोभन देकर बनाया बंधक

पास्टर पर बीमारी से जूझ रही महिला के दैहिक शोषण और धर्मांतरण के गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिले में एक पास्टर पर गंभीर आरोप सामने आए हैं। पास्टर दिलीप चक्रधारी ने कथित तौर पर बीमारी से जूझ रही एक महिला को इलाज और सुविधाएं दिलाने का प्रलोभन देकर बंधक बना लिया। आरोपी ने पीड़िता को धर्मांतरण के लिए उकसाया और उसका दैहिक शोषण किया। पीड़िता के 15 वर्षीय पुत्र ने इस मामले में सिटी कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार वर्ष 2021 में पीड़िता के पति राजकुमार साहू की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद महिला की तबीयत लगातार खराब रहने लगी। इस दौरान पड़ोसी अंबिका साहू ने उसका परिचय आरोपी पास्टर दिलीप चक्रधारी से कराया। आरोपी ने महिला की बीमारी ठीक करने और घर पर सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इसके बदले उसने महिला को ईसाई धर्म अपनाने के लिए विवश किया। आरोप है कि आरोपी पास्टर ने महिला को अपने घर में बंधक बनाकर रखा और उसे परिजनों के पास लौटने से रोका। आरोपी पीड़िता को धमकियां देता था।



महिला के शरीर पर चोट के निशान

पीड़िता की स्थिति बिगड़ने पर उसे कोमलदेव अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़िता के पुत्र के अनुसार 23 अक्तूबर को चिकित्सकों ने जानकारी दी कि महिला के शरीर पर चोट के निशान हैं और फेफड़ों में गंभीर संक्रमण है। महिला की गंभीर हालत को देखते हुए उसे गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती किया गया है। पीड़िता ने आरोपी पास्टर के खिलाफ निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।



श्री गहोई वैश्य एसोसियेशन वृहद रुप से मनायेगा 35वां स्थापना दिवस

जबलपुर। श्री गहोई वैश्य एसोसियेशन की आमसभा में रविवार को दिसंबर में 35वां स्थापना दिवस वृहद रुप से मनाने व युवाओं को सामाजिक संस्था से जोंडने का निर्णय लिया गया। एसोसियेशन अध्यक्ष एडवोकेट अशोक गुप्ता पिपरसानिया, कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट उत्तमचंद्र बिलैया महासचिव नीरज कस्तवार, कोषाध्यक्ष आलोक सरावगी की अभिनव पहल पर कार्यक्रम की रुपरेखा बनाने विभिन्न समितियों के गठन व खेल प्रतियोगिता के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई। इस अवसर पर स्मारिका के प्रकाशन का भी निर्णय लिया गया। यह भी निर्णय हुआ कि प्रतिवर्षानुसार आयोजित होने वाले वनभोज को स्थापना दिवस कार्यक्रम में समाहित कर दिया जावे। बैठक में अनेकों सदस्यों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। आभार प्रदर्शन अरुण सरावगी ने किया । बैठक में पूर्व समाजाध्यक्ष विजय सुहाने, इं. अरुण खर्द, कैलाश लहरिया, उद्यमी श्याम सुहाने, कृष्ण कुमार हूंका, प्रोफेसर सुहाने, राजेंद्र गुप्ता, अरविंद गेडा, केसी सोनी, श्रीमति सीता सरावगी, डब्बू मोर, श्रीप्रकाश खर्द, आदि उपस्थित रहे।

जहरीली शराब से 22 मौतों पर सरकार से मांगा जवाब

जिम्मेदारों पर कार्रवाई और पीड़ितों के लिए न्याय की मांग

अब देवास जिले में जहरीली शराब से बरपा कहर, जीतू पटवारी और अरुण यादव ने की पीड़ितों से मुलाकात

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने देवास जिले के ग्राम चंदाना पहुंचकर जहरीली शराब की घटना में अपनों को खो चुके परिवारों से मुलाकात की और उनके दुख-दर्द को करीब से जाना।

पटवारी ने कहा कि देवास जिले में जहरीली शराब से अब तक 22 लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। यह बेहद गंभीर मामला है। सरकार और जिला प्रशासन को मौतों की वास्तविक संख्या सार्वजनिक करनी चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष मनोज राजानी, ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनीष चौधरी, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सरकार को मौतों की वास्तविक संख्या सार्वजनिक करनी चाहिए



पीड़ित परिवार से मिले पटवारी और यादव।

आर्थिक सहायता मिलना चाहिए

पटवारी ने कहा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उन्हें न्याय और उचित आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए। जहरीली शराब के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हो, दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पीड़ित परिवारों की आवाज को दबने नहीं देगी। यह केवल कुछ परिवारों का दुख नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा और सरकार की जवाबदेही का सवाल है। जहरीली शराब से हुई मौतों का सच सामने लाना, दोषियों को सजा दिलाना और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना जरूरी है। कांग्रेस की यह लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी।

खबर संक्षेप

बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ 28.4 फीसदी बढ़ा



मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि वित्तवर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा 28.4 प्रतिशत बढ़ गया। बैंक का शुद्ध मुनाफा बढ़कर 3,308.82 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में 2,576.69 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था।

डॉ. रेड्डीज का मुनाफा 36% घटकर 913 करोड़ रुपए



नई दिल्ली। दवा कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने बताया कि सितंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा 36 प्रतिशत घटकर 913.4 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में उसने 1,426.8 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी का एकीकृत राजस्व घटकर 8,670.8 करोड़ रुपये रह गया।

एचडीएफसी बैंक को बाजार पूंजीकरण में बड़ा नुकसान



नई दिल्ली। शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच सेंसेक्स की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक घट गया। इसमें एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस को सबसे अधिक नुकसान हुआ।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग 22 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज के चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि कंपनी की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष में 22 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 41,500 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। गोदरेज ने कहा कि आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग से कंपनी अपने सालाना लक्ष्य को पार कर सकती है।

सीसीआई विभिन्न पदों पर 41 लोगों की करेगा भर्ती



नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) श्रमबल बढ़ाने के अपने प्रयासों के तहत प्रतिनियुक्ति के आधार पर पेशेवर और प्रशासनिक पदों के लिए 41 लोगों की भर्ती करने की योजना बना रहा है। सार्वजनिक नोटिस के अनुसार, सीसीआई और उसकी जांच इकाई महानिदेशक (डीजी) कार्यालय, दोनों में लोगों को भर्ती किया जाएगा।

बॉम्बे कोटेड का आईपीओ 29 अक्टूबर को आएगा

नई दिल्ली। बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड का 183.1 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 29 अक्टूबर को बोली के लिए खुलेगा। इसके लिए मूल्य दायरा 78 से 82 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने कहा कि पूरी तरह से ताजा इक्विटी शेयरों पर आधारित यह आईपीओ दो नवंबर को बंद होगा। नए निर्गम से प्राप्त राशि में से 125 करोड़ रुपये का उपयोग कुछ कर्ज के समय से पहले भुगतान के लिए किया जाएगा।

आईटीआर फाइलिंग की बढ़ी तारीख, अंतिम दिन चूक गए तो लगेगा 5000 का जुर्माना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने उन करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर, 2026 कर दी है। यह उनके लिए है, जिनके खातों का टैक्स ऑडिट कराना अनिवार्य है। यह तारीख इन टैक्सपेयर्स के लिए बेहद अहम है क्योंकि अगर इन्होंने इस तारीख के बाद रिटर्न फाइल किया तो फिर भारी लेट फीस के साथ पेनाल्टी का सामना करना पड़ेगा।

- पहले आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर 2026 थी

पहले इन टैक्सपेयर्स के लिए आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 अक्टूबर 2026 थी, जिसे सीबीडीटी ने त्योहारी सीजन और काम के भारी दबाव को ध्यान में रखते हुए 21 दिन आगे बढ़ाकर 21 नवंबर 2026 कर दिया था।

आईटी दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ाकर 21 नवंबर 2026 कर दी गई

किन्हें 21 नवंबर को भरना होगा आईटीआर

ऐसे करदाता जिनकी आय व्यापार या पेशेवर सेवाओं से होती है और जिन्हें ऑडिट रिपोर्ट जमा करना अनिवार्य है, उन्हें जुर्माने और टैक्स नोटिस से बचने के लिए 21 नवंबर तक अपना रिटर्न दाखिल करना होगा। इनमें घरेलू और विदेशी कंपनियां, ऐसे बड़े कारोबारी जिनका सालाना टर्नओवर 1 करोड़ रुपये से ज्यादा है, डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), वकील, आर्किटेक्ट और इंजीनियर्स जैसे पेशेवर, जिनकी सालाना ग्रॉस रिसीट्स 50 लाख रुपए से अधिक या चुनिंदा मामलों में 75 लाख रुपए है।



अनिवार्य लेट फीस देनी होगी: आयकर अधिनियम की धारा 234एफ के तहत, 21 नवंबर के बाद रिटर्न दाखिल करने पर आपको अनिवार्य लेट फीस देनी होगी। अगर आपकी कुल सालाना कर योग्य आय 5 लाख से अधिक है, तो 5,000 रुपए की लेट फीस होगी। अगर सालाना आय 5 लाख या उससे कम है, तो 1,000 रुपए की लेट फीस लगेगी।

अगर डेडलाइन से चूक गए तो क्या होगा?

अगर आप 21 नवंबर की समय-सीमा चूक जाते हैं, तो भी आपके पास आयकर अधिनियम की धारा 139(4) के तहत 'बिलेटेड रिटर्न' दाखिल करने का विकल्प रहता है। असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए आयकर विभाग का कहना है कि बिलेटेड रिटर्न 31 दिसंबर, 2026 तक या असेसमेंट पूरा होने से पहले- जो भी पहले हो- दाखिल किया जा सकता है।

किन्हें इस तारीख को नहीं भरना होगा आईटीआर

नौकरीपेशा लोगों और आम व्यक्तिगत करदाताओं, जिन्हें ऑडिट की जरूरत नहीं होती, उनके के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 को ही समाप्त हो चुकी है। इसके अलावा, छोटे कारोबारी, जो धारा 44एडी या 44एडीए के तहत अनुमानित कर योजना का लाभ उठाते हैं और ऑडिट नहीं कराते, उनके लिए भी यह डेडलाइन लागू नहीं है।

द. अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक परिसंपत्तियों की तलाश

खोज में लिथियम, तांबा, कोबाल्ट और महत्वपूर्ण खनिज शामिल

कंपनी का उद्देश्य कच्चे माल संबंधी जरूरतों को पूरा करना

एनएमडीसी के चेयरमैन मुखर्जी ने रणनीति की पुष्टि की थी

कारोबार में विविधता लाना चाहती है एनएमडीसी, 4 महाद्वीपों पर तलाश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख लौह अयस्क खनन कंपनी एनएमडीसी अब अपने कारोबार में विविधता लाने का प्रयास कर रही है। कंपनी दक्षिण अमेरिका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक चार महाद्वीपों में खनन परिसंपत्तियों की तलाश कर रही है। इनमें लिथियम, तांबा, कोबाल्ट और महत्वपूर्ण खनिज जैसे खनिज के भंडार भी शामिल हैं।

कंपनी का उद्देश्य भविष्य में वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और इस्पात जैसे तेजी से बढ़ते उद्योगों की कच्चे माल संबंधी जरूरतों को पूरा करना है।

उद्योग जगत के सूत्रों के अनुसार, एनएमडीसी चिली, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, ब्राजील और एशिया के कुछ हिस्सों में लिथियम, तांबा, कोबाल्ट और महत्वपूर्ण खनिज के खनन क्षेत्रों की संभावनाएं तलाश रही है।

चूना पत्थर, डोलोमाइट, कोयला ब्लॉक की खोज

इसके अतिरिक्त, कंपनी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान, भूटान और ऑस्ट्रेलिया में चूना पत्थर, डोलोमाइट, कोकिंग कोयला और टंगस्टन के खनन ब्लॉक की भी खोज कर रही है। वर्तमान में एनएमडीसी भारत की लौह अयस्क मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा पूरा करती है। हालांकि, कंपनी अब लौह अयस्क पर अपनी निर्भरता कम करते हुए खनिज कारोबार के अन्य क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति मजबूत करना चाहती है।

देश की सबसे बड़ी खनन कंपनी

इससे पहले एनएमडीसी के चेयरमैन अमिताव मुखर्जी ने भी कंपनी के कारोबार में विविधता लाने की रणनीति की पुष्टि की थी। उन्होंने कहा था कि एनएमडीसी देश की सबसे बड़ी खनन कंपनी बनने के साथ-साथ लौह अयस्क से इतर खनिजों से भी उल्लेखनीय राजस्व अर्जित करना चाहती है।

कंपनी का 99 फीसदी कारोबार लौह अयस्क पर आधारित

कंपनी ने भविष्य में अपने कुल राजस्व का कम से कम 20 प्रतिशत लौह अयस्क के अलावा अन्य खनिजों की बिक्री से हासिल करने का लक्ष्य रखा है। एनएमडीसी ने इस संबंध में कहा, "फिलहाल हमारा कारोबार 99.9 प्रतिशत लौह अयस्क पर आधारित है। हमारा लक्ष्य देश के तेजी से बढ़ते उद्योगों की अधिकतम खनिज जरूरतों को पूरा करने में मदद करना है।



रक्षा उत्पादन में इस्पात की मांग बढ़ सकती है

सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, सेमीकंडक्टर विनिर्माण, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन तथा औद्योगिक गलियारों के विकास से देश में विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार की उम्मीद है। इससे वाहन उद्योग, इंजीनियरिंग उत्पादों, मशीनरी, जहाज निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों और रक्षा उत्पादन में इस्पात की मांग बढ़ सकती है।

लागत में कच्चे माल की हिस्सेदारी 65 से 70 फीसदी

इस्पात क्षेत्र के लिए भी कच्चे माल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती है। इस्पात मंत्रालय के इस्पात नीति दृष्टिकोण के मसौदे, 2047 के अनुसार, इस्पात उत्पादन की कुल लागत में कच्चे माल की हिस्सेदारी लगभग 65 से 70 प्रतिशत होती है। नीति में घरेलू खनन बढ़ाने, कोल वॉशरी के विस्तार, खनन परिसंपत्तियों के अधिग्रहण, दीर्घकालिक आपूर्ति समझौतों और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित कोयला मिश्रण अनुकूलन के माध्यम से आयात निर्भरता घटाने पर जोर दिया गया है।

कच्चा तेल 120 डॉलर के करीब पहुंचने की आशंका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



- खाड़ी तनाव से कीमतों में उतार-चढ़ाव बने रहने की आशंका
- फेड का फैसला नई दिशा तय करने में होगी अहम भूमिका

पश्चिम एशिया में बढ़ते वैश्विक तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर अगले सप्ताह भी जारी रहने की आशंका है। इससे आपूर्ति बाधित होने की चिंताएं बनी हुई हैं। वहीं, अमेरिकी फेडरल रिजर्व का मौद्रिक नीति संबंधी फैसला बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 117 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बीच निवेशकों की नजर होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम, ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले की आशंकाओं और अमेरिका के साप्ताहिक भंडार आंकड़ों पर रहेगी। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी पेट्रोलियम संस्थान और अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन अपने साप्ताहिक भंडार के अनुमान जारी करेंगे। इसके अलावा, कुशिंग में कच्चे तेल का भंडार और 27-28 अक्टूबर को होने वाली अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक भी बाजार के लिए अहम रहेगी। निकट अवधि में कीमतों का रुख तेजी का है, लेकिन यह काफी हद तक खबरों से प्रभावित होगा।

अमेरिकी चुनाव के बाद निशाने पर ईरान

दमानी ने कहा कि अमेरिका और इजराइल द्वारा तीन नवंबर को होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे, जिसमें नतांज के पास स्थित परमाणु प्रतिष्ठान भी शामिल हैं, को निशाना बनाने की योजना तैयार किए जाने संबंधी खबरों ने भी चिंता बढ़ाई है।

सराफा कारोबारियों की नजर फेड के नीतिगत फैसले पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



- महंगाई की चिंता बढ़ने से सराफा कर रहा नई बाधा का सामना
- ऊंचे बांड प्रतिफल और डॉलर के

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से महंगाई की चिंताएं बढ़ने के कारण अगले हफ्ते सोने और चांदी को नई बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीति फैसले से यह तय हो सकता है कि सर्राफा कीमतें स्थिर होंगी या अपनी गिरावट के रुख को और बढ़ाएंगी।

ऊंचे बॉन्ड प्रतिफल और मजबूत डॉलर से पहले ही कीमती धातुओं पर दबाव है। अब सर्राफा कारोबारियों की नजर फेडरल रिजर्व की 27-28 अक्टूबर को होने वाली बैठक पर रहेगी। इसके अलावा यूरोपीय सेंट्रल बैंक और बैंक ऑफ जापान के नीतिगत फैसलों के साथ ही अमेरिका में टिकाऊ सामानों के ऑर्डर, उपभोक्ता विश्वास, व्यक्तिगत उपभोग व्यय और तीसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों पर भी ध्यान रहेगा। एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जतिन त्रिवेदी ने कहा, "निकट अवधि का नजरिया सतर्क बना हुआ है, और फेडरल रिजर्व के नीतिगत मार्ग पर अधिक स्पष्टता मिलने तक सोने पर दबाव रहने की संभावना है। आगामी निर्णय यह तय कर सकता है कि कीमतें मौजूदा स्तरों के आसपास स्थिर होंगी या गिरावट को आगे बढ़ाएंगी।"

सोना दिसंबर वायदा चार फीसदी गिरकर

घरेलू बाजारों में यह दबाव स्पष्ट था, जहां मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना वायदा पिछले हफ्ते 5,768 रुपये या लगभग चार प्रतिशत गिरकर 1.42 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी में और भी अधिक गिरावट आई, जो दो लाख रुपये के निशान से नीचे फिसल गई और 15,087 रुपये या 7.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1.96 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई।

विदेशी निवेशकों ने बाजार से निकाले 48,056 करोड़

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर में अबतक भारतीय शेयर बाजार से 48,056 करोड़ रुपये निकाले हैं। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, महंगाई की चिंता और कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों के कारण विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी है। हालांकि, पिछले सप्ताह के दौरान उनकी बिकवाली की रफ्तार में उल्लेखनीय कमी आई और दो कारोबारी सत्रों में वे शुद्ध खरीदार भी रहे। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भारतीय शेयरों से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। इससे पहले जुलाई में उन्होंने 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 29,631 करोड़ रुपये का निवेश किया था। वर्ष 2026 में भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 3.08 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यह वर्ष 2025 के पूरे साल में निकाली गई 1.66 लाख करोड़ रुपये की राशि से काफी अधिक है।

एआई से प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बड़ा बदलाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एचसीएल टेक्नोलॉजीज (एचसीएलटेक) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक सी विजयकुमार ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण प्रौद्योगिकी क्षेत्र एक बार फिर बड़े बदलाव के मोड़ पर पहुंच गया है और भविष्य उन्हीं कंपनियों का है जो लगातार खुद को नए सिरे से ढालने के लिए तैयार हैं। विजयकुमार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी की कमान संभालने के 10 साल पूरे होने के अवसर पर सोशल मीडिया मंच 'लिंक्डइन' पर एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक दशक लंबा समय होता है। इस दौरान उद्योगों का स्वरूप बदला है, कारोबारी मॉडल में बड़े बदलाव आए हैं और संभावनाओं की सीमाएं बार-बार बदली हैं। भविष्य की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एआई के कारण उद्योग में फिर एक बड़ा बदलाव हो रहा है।

- भविष्य उनका जो खुद को नए सिरे से ढालें: एचसीएलटेक



विजयकुमार ने लिखा, "आज एआई हमारे उद्योग को नया स्वरूप दे रहा है और हम एक बार फिर बदलाव के महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं।"

माइक्रोटेक सौर कारोबार पर करेगी 400 करोड़ निवेश...



नई दिल्ली। माइक्रोटेक ने अपने सौर कारोबार के विस्तार में तेजी लाने के लिए 400 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की घोषणा की है। कंपनी ने रविवार को जारी बयान में कहा कि विस्तार योजना के तहत जयपुर में सौर पैनल विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। इसके अगले महीने तक चालू होने की उम्मीद है। कंपनी ने शनिवार को संपन्न हुए नवीकरणीय ऊर्जा एक्सपो 2026 में कहा कि वह अपने 'हर घर बिजली घर' के दृष्टिकोण के तहत नई बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) पेश करेगी। इसका उद्देश्य घरों और कारोबार क्षेत्रों के लिए भरोसेमंद ऊर्जा समाधान सुलभ कराना है।

कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



- अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर होगी नजर
- जियो की सूचीबद्धता प्रभावित करेगी बाजार

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, कच्चे तेल की कीमतों की दिशा और पश्चिम एशिया से जुड़े घटनाक्रमों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में सूचीबद्धता, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां और वैश्विक बाजारों के रुझान भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि निवेशक 28 अक्टूबर को जारी होने वाले सितंबर के औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण उत्पादन के आंकड़ों पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। इस सप्ताह टीवीएस मोटर, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, सन फार्मा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इंडियन ऑयल, बैंक ऑफ बड़ौदा और गेल इंडिया समेत कई कंपनियां अपने वित्तीय परिणाम घोषित करेंगी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 28 अक्टूबर को होने वाली ब्याज दर संबंधी घोषणा इस सप्ताह वैश्विक बाजारों के लिए सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम रहेगी। निवेशक ब्याज दर पर फैसले के साथ ही फेडरल रिजर्व के नीतिगत बयान और अधिकारियों की टिप्पणियों का विश्लेषण करेंगे, ताकि भविष्य में ब्याज दर की दिशा का संकेत मिल सके।

कंपनियों के तिमाही नतीजे होंगे जारी

वहीं, यदि फेडरल रिजर्व संतुलित रुख अपनाता है, तो वैश्विक बाजारों को अस्थायी राहत मिल सकती है। राधाकृष्णन के अनुसार, घरेलू स्तर पर औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजे यह तय करने में महत्वपूर्ण होंगे कि भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं वैश्विक दबाव का कितना मुकाबला कर पाती हैं।

28 अक्टूबर को जियो होगा सूचीबद्ध

इस बीच, जियो प्लेटफॉर्म्स का शेयर 28 अक्टूबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगा। इस घटनाक्रम पर निवेशकों की नजर रहेगी और इसका प्राथमिक बाजार की धारणा पर भी असर पड़ सकता है। एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें बाजार के लिए चिंता का प्रमुख विषय बनी हुई हैं।

निवेश के लिए 26 से 30 अक्टूबर 2026 के बीच लेकर आ रही निर्गम

अगले हफ्ते निवेश के लिए तीन कंपनियों का आईपीओ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अगले हफ्ते कमाई का नया मौका मिलने जा रहा है। 26 से 30 अक्टूबर 2026 के बीच पांच कंपनियां अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं। शेयर बाजार से 2600 करोड़ रुपए जुटाना है। इस लिस्ट में ईएएए इंडिया अल्टरनेटवि, एसएफसी इनवायरमेंटल टेक्नोलॉजी, बीएलएस पॉलिमर्स, एमके सन्स फाइन ज्वेल्स और बम्बई कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स शामिल हैं। इन आईपीओ के जरिए निवेशकों को अलग-अलग कारोबार से जुड़ी कंपनियों में निवेश करने का मौका मिलेगा। हालांकि, आईपीओ में पैसा लगाने से मुनाफे की गारंटी नहीं होती। लिस्टिंग के दिन शेयर इश्यू प्राइस से ऊपर भी जा सकता है और नीचे भी। वित्तीय स्थिति और आईपीओ की शर्तें समझना जरूरी है।

- सूची में ईएएए इंडिया, एसएफसी, बीएलएस पॉलिमर्स, एमके सन्स, बॉबे कोटेड शामिल

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स आईपीओ

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स का आईपीओ 29 अक्टूबर को खुलेगा और 2 नवंबर को बंद होगा। कंपनी ने शेयर का प्राइस बैंड 78 से 82 रुपए तय किया है। इश्यू का आकार करीब 183.1 करोड़ रुपये है। यह आईपीओ पूरी तरह नए शेयर जारी करके लाया जा रहा है। कंपनी स्टील प्रोसेसिंग के कारोबार में है। आईपीओ से मिलने वाली रकम का बड़ा हिस्सा कर्ज चुकाने या पहले से लिए गए कर्ज का भुगतान करने में इस्तेमाल किया जाएगा। कुछ रकम मशीनरी से जुड़े खर्च के लिए भी रखी गई है।



बीएलएस पॉलिमर्स आईपीओ: बीएलएस पॉलिमर्स का आईपीओ भी 27 अक्टूबर को खुलेगा और 29 अक्टूबर तक इसमें आवेदन किया जा सकेगा। कंपनी ने प्राइस बैंड 142 से 150 रुपए प्रति शेयर रखा है। इस आईपीओ से करीब 255 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। यह पूरी तरह नए शेयर जारी करने वाला इश्यू है। कंपनी पावर केबल, टेलीकॉम नेटवर्क, रेलवे और भूमिगत पाइपलाइन जैसे क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले खास तरह के पॉलिमर कंपाउंड बनाती है।

ईएएए इंडिया अल्टरनेटवि आईपीओ

ईएएए इंडिया अल्टरनेटवि का आईपीओ 26 अक्टूबर को खुलेगा और 28 अक्टूबर को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 1,585 से 1,665 रुपए का प्राइस बैंड तय किया है। इस इश्यू के जरिए करीब 1,200 करोड़ रुपये जुटाए जाने हैं। यह इश्यू पूरी तरह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है। यानी इसमें मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचेंगे और आईपीओ से मिलने वाली रकम कंपनी के बजाय शेयर बेचने वाले शेयरधारकों को जाएगी। कंपनी वैकल्पिक निवेश प्रबंधन के कारोबार में है।

चिंतन

डिजिटल दुनिया की बुनियादी कमजोरी उजागर, सुरक्षा जरूरी

डिजिटल क्रांति की चमक के पीछे छिपे गंभीर खतरे को नजरअंदाज करना अब भारी पड़ सकता है। जिस इंटरनेट को आधुनिक दुनिया की जीवनरेखा माना जाता है, उसकी बुनियाद में ही गंभीर कमजोरियां मौजूद हों तो सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है। प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पीएचपी (हाइपरटेक्स्ट प्रीप्रोसेसर) में सामने आई खामी ने इसी खतरे की ओर ध्यान खींचा है। दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक वेबसाइटों की बुनियाद पीएचपी पर होने का दावा बताता है कि मामला किसी एक तकनीक तक सीमित नहीं है। यदि ऐसी खामियों का समय रहते समाधान नहीं हुआ, तो वेबसाइटों, डिजिटल कारोबार और संवेदनशील जानकारियों पर साइबर हमलों का जोखिम बढ़ सकता है। आज दुनिया का बड़ा हिस्सा इंटरनेट पर निर्भर है। बैंकिंग से लेकर खरीदारी तक, सरकारी सेवाओं से लेकर समाचारों तक, हमारी रोजमर्रा की जिंदगी डिजिटल प्रणालियों के सहारे चल रही है, लेकिन सवाल यह है कि जिस व्यवस्था पर करोड़ों लोग भरोसा कर रहे हैं, उसकी सुरक्षा की गारंटी कितनी मजबूत है? पीएचपी का इस्तेमाल लॉगिन व्यवस्था, ऑनलाइन दुकानों, डाटाबेस और समाचार वेबसाइटों के संचालन में होता है। इसकी किसी गंभीर खामी का फायदा उठाकर हमलावर वेबसाइटों के सर्वर तक पहुंचने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में खतरा केवल तकनीकी गड़बड़ी का नहीं, बल्कि निजी जानकारी, कारोबारी गतिविधियों और डिजिटल सेवाओं में लोगों के भरोसे का भी है। इनका लाभ दुनिया भर की बड़ी कंपनियां और संस्थान भी उठाते हैं, मगर सुरक्षा सुधारों के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाने की जिम्मेदारी अक्सर स्पष्ट नहीं होती। एआई की मदद से शोधकर्ताओं द्वारा प्रोग्रामिंग कोड में छिपी खामियों का पता लगाना तकनीकी प्रगति का सकारात्मक पक्ष है। मगर यही क्षमता साइबर अपराधियों के हाथ लग जाए तो खतरे का दायरा भी बढ़ सकता है। इसलिए एआई को लेकर उत्साह के साथ सावधानी भी जरूरी है। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उसके दुरुपयोग को रोकने की तैयारी भी उतनी ही पुख्ता करनी होगी। केवल खामी सामने आने के बाद सक्रिय होना पर्याप्त नहीं है; संभावित कमजोरियों की पहचान और रोकथाम लगातार चलने वाली प्रक्रिया होनी चाहिए। अब जिम्मेदारी तय करने का समय है। वेबसाइट संचालकों और कंपनियों को सुरक्षा अद्यतन तत्काल लागू करने, पुराने सॉफ्टवेयर की पहचान करने, नियमित सुरक्षा परीक्षण कराने और साइबर हमले की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था बनाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। सरकारों और साइबर सुरक्षा एजेंसियों को भी संस्थानों के बीच सूचना साझा करने तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करना होगा। आम उपयोगकर्ताओं के लिए भी सतर्कता जरूरी है। अनजान वेबसाइटों पर संवेदनशील जानकारी देने से बचना, संदिग्ध लिंक नहीं खोलना और अपने उपकरणों तथा ब्राउजर को अद्यतन रखना समझदारी है। हालांकि, सर्वर से जुड़ी खामी का अर्थ यह नहीं कि हर व्यक्ति का मोबाइल या कंप्यूटर सीधे प्रभावित हो गया है। सच यह है कि डिजिटल दुनिया में सुविधा की रफ्तार सुरक्षा की तैयारी से आगे निकल गई, तो इसकी कीमत आम नागरिकों को अपनी निजता, धन और भरोसे से चुकानी पड़ सकती है। तकनीकी विकास का पैमाना केवल यह नहीं होना चाहिए कि कितनी सेवाएं ऑनलाइन आ गईं, बल्कि यह भी हो कि वे कितनी सुरक्षित हैं। डिजिटल क्रांति की सफलता वेबसाइटों की संख्या से नहीं, लोगों के भरोसे से तय होगी। सुरक्षा को बाद की मरम्मत नहीं, पहली शर्त बनाना ही समय की सबसे बड़ी मांग है।

महंगाई की नई दस्तक से रसोई प्रभावित



आर्थिकी
सतीश सिंह

महंगाई का सबसे गहरा असर तब दिखता है, जब उतने ही रुपये खर्च करने पर घर की जरूरतें पहले से कम पूरी हो पाती हैं। साबुन, बिस्कुट, खाद्य तेल, चाय और डिटर्जेंट जैसी चीजों की खरीद टाली नहीं जा सकती। इसलिए इनकी कीमतों में मामूली बढ़ोतरी भी महीने भर में घरेलू बजट पर खासा बोझ डालती है। दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली कंपनियों पर बढ़ता लागत-दबाव इसी चिंता को उजागर करता है। सवाल यह है कि महंगे कच्चे माल का कितना बोझ कंपनी उठाएगी और कितना उपभोक्ताओं पर डालेगी। एफएमसीजी यानी तेजी से बिकने वाली दैनिक उपभोग की वस्तुओं का उद्योग कई तरह की लागतों से प्रभावित होता है।

कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से परिवहन, प्लास्टिक पैकेजिंग और उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्रियों का खर्च बढ़ सकता है। वहीं, चीनी, कोको, दूध, चाय और खाद्य तेल की कीमतों में बदलाव खाद्य उत्पादों की लागत को प्रभावित करता है। इन दबावों के चलते कंपनियों के मुनाफे में कमी आ सकती है और इस क्रम में आगे कुछ चुनिंदा वस्तुओं की कीमतें बढ़ने की संभावना भी जताई जा रही है। हालांकि, किसी कच्चे माल की कीमत में तेज़ उछाल को तैयार वस्तुओं की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी का पक्का संकेत नहीं मानना चाहिए। हर उत्पाद की लागत-संरचना अलग होती है; इसमें संबंधित सामग्री की हिस्सेदारी, पैकेजिंग, वितरण, कर और कंपनी का मुनाफा शामिल होते हैं। प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों की भुगतान-क्षमता भी अंतिम कीमत तय करने में अहम भूमिका निभाती हैं। बढ़ती लागत का असर बाजार तक पहुंचने में समय लेता है। कंपनियों और वितरकों के पास मौजूद पुराना भंडार कीमतों में तत्काल बढ़ोतरी को रोक सकता है। लेकिन भंडार खत्म होने पर महंगी खरीद का असर साफ दिखने लगता है। यही प्रक्रिया उलटी दिशा में भी लागू होती है। वैश्विक बाजार में कीमतें घटने पर महंगा पुराना माल इस्तेमाल कर रही कंपनी को तुरंत राहत नहीं मिलती। उपभोक्ता के लिए यह जरूरी है कि लागत में कमी का लाभ उसे उचित समय पर मिले। कंपनियों के सामने एक मुश्किल संतुलन साधने की चुनौती है। अतिरिक्त लागत खुद उठाने पर मुनाफा घटता है, जबकि पूरा बोझ ग्राहकों पर डालने से बिक्री प्रभावित हो सकती है। खासकर उन उत्पादों के मामले में, जिनके लिए ग्राहक स्थानीय ब्रांड या सस्ता विकल्प चुन सकते हैं, कीमतें बढ़ाने की गुंजाइश सीमित रहती है। एक अनुमान के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 में परिचालन मार्जिन पर 100-150 आधार अंकों का दबाव पड़ सकता है। इस दबाव से निपटने के तीन तरीके हैं: कीमत बढ़ाना, उसी कीमत पर मात्रा घटाना, या छूट और प्रचार-प्रस्ताव कम करना। ग्राहक को कीमत में बढ़ोतरी तुरंत दिख जाती है, जबकि बाकी दो बदलाव आसानी से नजर से बच सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर किसी उत्पाद का 100 ग्राम का पैकेट 10 रुपये में मिलता है और उसी कीमत पर मात्रा घटाकर 90 ग्राम कर दी जाए, तो प्रति ग्राम लागत लगभग 11.1 प्रतिशत बढ़ जाती है। पैकेट पर कीमत वही रहती है, लेकिन उपभोक्ता का वास्तविक खर्च बढ़ जाता है। छोटे पैकेट सीमित नकदी वाले परिवारों के लिए उपयोगी होते हैं, क्योंकि वे कम भुगतान में ज़रूरी वस्तु



खरीदने की सुविधा देते हैं। हालांकि, छोटा पैकेट हमेशा प्रति इकाई सस्ता नहीं होता। इसलिए पैकेट पर शुद्ध मात्रा और इकाई-मूल्य साफ़-साफ़ दिखना चाहिए, साथ ही मात्रा में बदलाव की जानकारी भी आसानी से समझ में आनी चाहिए। कीमत और मात्रा की तुलना करके उपभोक्ता बेहतर निर्णय ले सकते हैं, बशर्ते जानकारी पढ़ने और समझने योग्य हो। इस पूरे घटनाक्रम में कंपनियों की बढ़ती बिक्री को भी सावधानीपूर्वक समझना चाहिए। राजस्व में वृद्धि कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हो सकता है, जबकि बिक्री की मात्रा धीमी गति से बढ़ रही हो। उदाहरण के लिए, यदि कीमतें लगभग 7 प्रतिशत और बिक्री की मात्रा करीब 3 प्रतिशत बढ़े, तो कारोबार लगभग 10 प्रतिशत बढ़ सकता है। इससे यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि परिवारों का उपभोग भी उतना ही मजबूत है। क्रिसिल ने मई में अपने आकलन में कहा था कि वित्त वर्ष 2026-27 में राजस्व वृद्धि में मूल्यवृद्धि की प्रमुख भूमिका होगी और बिक्री की मात्रा की वृद्धि धीमी रहने की संभावना है। ग्रामीण बाजारों की स्थिति आय और मौसम से गहराई से जुड़ी होती है। कृषि आय या रोजगार प्रभावित होने पर परिवार सबसे पहले गैर-जरूरी खर्च घटाते हैं। दबाव बना रहने पर वे जरूरी वस्तुओं की मात्रा, ब्रांड और खरीद की आवृत्ति में बदलाव करने लगते हैं। शहरी परिवारों पर किराया, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन का खर्च भी पड़ता है। ऐसे में रोजमर्रा की कई वस्तुओं की कीमतों में छोटी-छोटी बढ़ोतरी मिलकर दूसरी जरूरतों के लिए बचने वाली रकम कम कर देती है। कंपनियों के लिए भी यह चुनौती है, क्योंकि ग्राहकों की कमजोर खरीद क्षमता का असर अंततः उनकी बिक्री पर पड़ता है। छोटे उत्पादकों और दुकानदारों पर इसका असर अलग तरह से पड़ता है। महंगा माल खरीदने के लिए अधिक कार्यशील पूंजी की ज़रूरत होती है, जबकि ग्राहक बढ़ी हुई कीमत स्वीकार करने में हिचकते हैं। बिक्री धीमी रहने पर माल और नकदी, दोनों अटक सकते हैं। बड़ी कंपनियों के पास खरीद, भंडारण और लागत संभालने की अपेक्षाकृत अधिक क्षमता होती है। छोटे उद्यमों को ऐसी वित्तीय सुविधा चाहिए, जो उनके कारोबार की वास्तविक स्थिति के अनुरूप हो। अस्थायी लागत-दबाव के कारण किसी व्यवहार्य कारोबार को कमजोर पड़ने देना रोजगार और प्रतिस्पर्धा, दोनों के लिए नुकसानदेह होगा। बेहतर भंडारण, कुशल परिवहन, कृषि उत्पादकता बढ़ाने, ऊर्जा-दक्षता सुधारने और उत्पादन में अपव्यय घटाने से लागत पर स्थायी असर पड़ सकता है। आवश्यक वस्तुओं की व्यापार-नीति पूर्वानुमेय होनी चाहिए और कमी की स्थिति में उसकी समय पर समीक्षा की जानी चाहिए। साथ ही, ग्रामीण रोजगार और कमजोर परिवारों की क्रयशक्ति को सहारा देने वाले उपाय भी महत्वपूर्ण हैं। कंपनियों की जिम्मेदारी भी साफ है। जरूरी मूल्यवृद्धि पारदर्शी हो, मात्रा में बदलाव छिपाया न जाए और गुणवत्ता से समझौता न हो। लागत घटने पर ग्राहकों को राहत देने में भी उतनी ही तत्परता दिखनी चाहिए, जितनी लागत बढ़ने पर दाम बदलने में दिखाई जाती है। ग्राहक का विश्वास दीर्घकालिक व्यावसायिक पूंजी है; अल्पकालिक मुनाफे के लिए इसे कमजोर करना महंगा पड़ सकता है। साबुन की टिकिया और बिस्कुट का पैकेट घरेलू अर्थव्यवस्था के छोटे, लेकिन अहम संकेतक हैं। उनकी कीमत और मात्रा में बदलाव से पता चलता है कि परिवार की आय कितनी दूर तक साथ दे पा रही है। उद्योग की लाभप्रदता जरूरी है, लेकिन टिकाऊ वृद्धि के लिए ग्राहकों की खरीद क्षमता भी बनाए रखनी होगी। बाजार की असली मजबूती तभी होगी, जब परिवार रोजमर्रा का सामान खरीदने के लिए अपनी किसी दूसरी जरूरत में लगातार कटौती करने को मजबूर न हो।

महंगाई का सबसे गहरा असर तब दिखता है, जब उतने ही रुपये खर्च करने पर घर की जरूरतें पहले से कम पूरी हो पाती हैं। साबुन, बिस्कुट, खाद्य तेल, चाय और डिटर्जेंट जैसी चीजों की खरीद टाली नहीं जा सकती। इसलिए इनकी कीमतों में मामूली बढ़ोतरी भी महीने भर में घरेलू बजट पर खासा बोझ डालती है। दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली कंपनियों पर बढ़ता लागत-दबाव इसी चिंता को उजागर करता है। सवाल यह है कि महंगे कच्चे माल का कितना बोझ कंपनी उठाएगी और कितना उपभोक्ताओं पर डालेगी। बाजार की असली मजबूती तभी होगी, जब परिवार रोजमर्रा का सामान खरीदने के लिए अपनी किसी दूसरी जरूरत में लगातार कटौती करने को मजबूर न हो।

(लेखक वरिष्ठ बैंकिंग एवं आर्थिक स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

सारा संसार



अगर आप द्वारकाधीश मंदिर जा रहे हैं, तो यहां के इस्कॉन मंदिर के दर्शन भी जरूर करें। भगवान कृष्ण और देवी राधा की आवास मूर्तियों को समृद्ध परिधानों में लिपटा हुआ और फूलों से अलंकृत किया गया, यह पूरी तरह से पत्थर से निर्मित मंदिर है। इसकी भव्यता देखते ही बनती है।

मन का मौन

डॉ. बलवीर आचार्य



अभ्यास और वैराग्य का पथ

मानसिक एकाग्रता, आत्मिक शान्ति तथा अन्तर्मुखी जीवन के लिए मन का मौन अत्यन्त आवश्यक है। सामान्यतः मौन का अर्थ केवल वाणी का संयम समझा जाता है, किन्तु योग और अध्यात्म की दृष्टि से वास्तविक मौन मन की चंचल वृत्तियों का शान्त होना है। मुख से शब्दों के उच्चारण को रोक देना अपेक्षाकृत सरल है, परन्तु मन में निरन्तर उठने वाले विचारों, कल्पनाओं और संकल्प-विकल्पों के प्रवाह को नियंत्रित करना एक गम्भीर साधना का विषय है। मन की चंचलता और नियन्त्रण का उपाय : मन स्वभाव से ही चंचल, प्रमाथी और बलवान है। इसी यथार्थ को स्वीकार करते हुए अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा था कि मन को वश में करना वायु को रोकने के समान कठिन है। इसके उत्तर में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि मन निस्सन्देह चंचल है, किन्तु 'अभ्यास' और 'वैराग्य' के द्वारा इसे नियंत्रित किया जा सकता है (गीता 6.35)। आगे वे स्पष्ट करते हैं कि असंयमित मन वाले व्यक्ति के लिए मानसिक शान्ति प्राप्त करना कठिन है, किन्तु जिसने अपने मन को साध लिया है, वह निरन्तर पुरुषार्थ द्वारा उसे अवश्य प्राप्त कर लेता है (गीता 6.36)। महर्षि पतञ्जलि ने भी योगदर्शन में इसी सत्य का प्रतिपादन किया है। समाधि पाद के सूत्र 1.12 में वे कहते हैं- 'अभ्यासवैराग्याभ्यां तन्निरोधः' अर्थात मन के व्यापार का निरोध अभ्यास और वैराग्य से ही सम्भव है। निरन्तर सजगता, ध्यान और आत्मनिरीक्षण का अभ्यास मन को स्थिरता प्रदान करता है, जबकि विषयों के प्रति अनासक्ति और मोह का क्षय वैराग्य को विकसित करता है। इन दोनों के समन्वय से मन का कोलाहल शान्त होने लगता है और साधक आन्तरिक मौन का अनुभव करता है। आन्तरिक मौन और साक्षीभाव : मन का मौन विचारों के पूर्ण अभाव का नाम नहीं है, अपितु विचारों से असंग (अलिप्त) रहने की क्षमता का नाम है। इस अवस्था में साधक अपने भीतर उठने वाली मानसिक तरंगों का केवल साक्षी बना रहता है; वह उन्हें देखता है, किन्तु उनसे अपना तादात्म्य (जुड़ाव) स्थापित नहीं करता। यही साक्षीभाव मानसिक सन्तुलन, भावनात्मक परिपक्वता और आत्मिक प्रसन्नता का मूल आधार बनता है। वास्तव में मन ही हमारी इंद्रियों और कर्मों का नियामक है। मन की स्थिति के अनुसार ही व्यक्ति का व्यवहार, निर्णय और जीवन-दृष्टि निर्मित होती है। जब मन वासनाओं, राग-द्वेष और असंख्य इच्छाओं से व्याकुल रहता है, तब जीवन में तनाव, अशान्ति और असन्तोष बढ़ते हैं। इसके विपरीत, जब मन अभ्यास और वैराग्य के द्वारा संयमित हो जाता है, तब भीतर स्थिरता, विवेक और सहज आनन्द का उदय होता है। मन के मौन की अनिवार्यता- आज के यांत्रिक और तनावपूर्ण जीवन में मन का मौन केवल एक आध्यात्मिक आवश्यकता ही नहीं, अपितु मानसिक स्वास्थ्य की भी अनिवार्य शर्त है। ध्यान, जप, स्वाध्याय तथा आत्मचिन्तन के माध्यम से मन क्रमशः बाह्य आकर्षणों से हटकर अपने मूल स्वरूप की ओर उन्मुख होता है। यह स्थिति व्यक्ति को संसार के परिवर्तनशील अनुभवों के मध्य भी आन्तरिक सन्तुलन बनाए रखने की अपार शक्ति प्रदान करती है। अतः मन का मौन संसार से कोई पलायन नहीं, अपितु आत्मचेतना की एक उच्च अवस्था है। गीता के अनुसार यह अभ्यास और वैराग्य से प्राप्त होता है तथा योगदर्शन के अनुसार यही मन की शान्ति का सच्चा मार्ग है। जब मन की अशान्त तरंगें शान्त होने लगती हैं, तब साधक अपने वास्तविक स्वरूप का अनुभव करता है और स्थायी शान्ति, आनन्द तथा आध्यात्मिक उत्कर्ष की दिशा में निरन्तर अग्रसर होता है।

(लेखक महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक में प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

समत्वं योग उच्यते



संकलित
दर्शन

जिस मनुष्य का जीवन योगयुक्त है, उसे जीवन चलाने के कर्म बंधन में बांधने वाले नहीं होते। जैसे कमल कीचड़ में रहकर भी कमल ही रहता है। युक्त और अयुक्त का अर्थ योगयुक्त और योगअयुक्त से है अर्थात योग है समत्व बुद्धि। 'समत्वं योग उच्यते'। समत्व बुद्धि से तात्पर्य सोच-विचार कर किए गए कर्म को योगयुक्त कर्म कहते हैं। समत्व बुद्धि से अर्थ सुख-दुख, विजय-पराजय, हर्ष-शोक, मान-अपमान इत्यादि द्वंद्वों में विचलित हुए बिना एक समान शांत चित्त रहे- वही कर्मयोगी कहलाता है। स्थितप्रज्ञ -जिस काल में यह पुरुष मन में स्थित संपूर्ण कामनाओं को त्याग देता है, उस काल में आत्मा से ही आत्मा में संतुष्ट हुआ, जैसे जहाज को चलाने वाले के पास ठीक दिशा बताने वाला कम्पास या यंत्र होना चाहिए, उसी तरह श्रेष्ठ जीवन जीने के तथा मोक्ष के अभिलाषी व्यक्ति के पास 'योग' होना चाहिए। योग नहीं तो जीवन दिशाहीन है। यही बात कृष्ण ने गीता में स्थितप्रज्ञ के विषय में कही है। बुद्धि को निर्मल और तीव्र करने के लिए योग ही एक मात्र साधन है। योग स्थित व्यक्ति साधारण मनुष्यों से विलक्षण देखने लगता है। जिस व्यक्ति के भीतर जीवन में सत्य की किरणें फैल जाती हैं, सत्य का सूर्य जगता है और जिसकी आंतरिक चेतना जागृति को, पूर्ण जागृति को उपलब्ध हो जाती है, उसका जीवन स्पांटेनियस हो जाता है, सहज हो जाता है, सहज-स्फूर्त हो जाता है। उसके जीवन में किसी ढांचे को खोजना मुश्किल है। उसके जीवन में कोई बंधी-बंधाई रेखाएं नहीं होतीं।

श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद करता है



संकलित
प्रेरणा

महर्षि वेदव्यास ने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। उन्होंने उससे पूछा- हे क्षुद्र जंतु, तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? उनके प्रश्न ने कीड़े को चोट पहुंचाई और वह बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं। यहां क्षुद्र कौन है और महान कौन? क्या इस प्रश्न और उसके उत्तर की सही-सही परिभाषा संभव है? कीड़े की बात ने महर्षि को निरुत्तर कर दिया। फिर भी उन्होंने उससे पूछा- अच्छा यह बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? कीड़े ने कहा- मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे, पीछे से कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है। कीड़े के उत्तर ने महर्षि को चौंकाया। वे बोले, तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और बेहतर शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि, मैं तो इस कीट योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, परंतु ऐसे प्राणी असंख्य हैं, जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझसे भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। कीड़े की बातों में महर्षि को सत्यता नजर आई। वे सोचने लगे कि वाकई जो मानव जीवन पाकर भी देहासक्ति और अहंकार से बंधा है, जो ज्ञान पाने की क्षमता पाकर भी ज्ञान से विमुख है, वह कीड़े से भी बदतर है। महर्षि ने कीड़े से कहा- नन्हें जीव, चलो हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़ा बोला- किंतु मुनिवर श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद कर देता है। कीड़े के कथन ने महर्षि को ज्ञान का नया संदेश दिया।

अंतर्मन



आज की पाती

रोजगार के लिए हर पहलू पर ध्यान दें सरकारें

सरकार ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और पढ़ाई के साथ-साथ इनके कौशल विकास के लिए भी एक नई योजना इंटर्नशिप शुरू की है। इसके लिए सरकार ने कुछ बड़ी कंपनियों को इसके दायरे में लाने का भी प्रयास किया है। इन कंपनियों में विद्यार्थियों को अपने कैरियर को संवारने की राह मिलेगी। इसके लिए सरकार अपनी तरफ से खर्च भी करेगी अर्थात जो विद्यार्थी इस योजना को अपनाते हैं, उनकी आर्थिक मदद भी करेगी और विद्यार्थी कंपनी के काम को सीखेंगे, ऐसा करके या तो अपना कोई बिजनेस कर सकेंगे या कंपनी में नौकरी आसानी से पा सकेंगे। यह योजना तभी कामयाब होगी जब कंपनियां इस योजना को सही तरीके से अमल में लाएंगी। रोजगार के लिए हर पहलू पर ध्यान देने की जरूरत है। -रेहान, रोहतक

ट्रेंड

अभद्र टिप्पणी



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज पटना में मोदी जी के पिता के बारे में अभद्र टिप्पणी करके मर्यादा की सारी हदें पार कर दी हैं। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस पार्टी ने मोदी जी या उनके परिवार के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। -अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

वोट चुराए जा रहे



हमारे वोट चुराए जा रहे हैं, और हम किसी भी हाल में इसे चुपचाप बर्दाश्त नहीं करेंगे। वोटर लिस्ट से नाम हटा दिए गए हैं। नियमों और कानूनों को तोड़ा गया है। और सवाल पूछने वालों पर लाठियां चलाई गई हैं। अब देश इसका जवाब देगा।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

भ्रष्टाचार का मामला



यूपी के नगर निकाय के उच्च अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया जाना चाहिए, क्योंकि कुछ लोग बिना पैसे जमा किए खुलेआम पोस्टर लगवा रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है- यह या तो भ्रष्टाचार का मामला है या फिर प्रशासन के दबाव का।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

कांग्रेस की बढ़ती हताशा



कांग्रेस पार्टी की प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रति नफरत सभी को पता है। इसी नफरत भरी मानसिकता को आगे बढ़ाते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष खड़के जी ने प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता के बारे में जो अभद्र टिप्पणी की है, वह कांग्रेस की बढ़ती हताशा को दर्शाती है।
- धर्मेन्द्र प्रधान, सांसद, बीजेपी

करंट अफेयर

पाक ने ईरान से सटे प्रमुख सीमा मार्ग को फिर खोला



पाकिस्तान ने द्विपक्षीय व्यापार और सीमा पार आवाजाही फिर से शुरू करने के लिए ईरान से सटा एक प्रमुख सीमा मार्ग खोल दिया है। सीमा के एक सप्ताह तक मार्ग बंद रहने के कारण मालवाहक वाहन फंसे हुए थे, आपूर्ति बाधित हो गई थी और सर्दियों की शुरुआत से पहले एलपीजी की कमी की आशंका बढ़ गई थी। खबर के अनुसार, बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर जिले में गब्द-रिमदान सीमा मार्ग पर शनिवार को व्यापारिक गतिविधियां फिर शुरू हो गईं और सीमा अधिकारियों ने 16 अक्टूबर या उससे पहले की तारीख के माल भेजने संबंधी दस्तावेजों के साथ आने वाली वाणिज्यिक खेपों को सीमा पार करने की अनुमति दी है। ग्वादर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष मीर नवीद जान कलमाती ने पुष्टि की कि 'गेट 250' के नाम से भी जाने जाने वाले इस सीमा मार्ग को फिर से खोल दिया गया है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान ने गब्द-रिमदान में ईरान के साथ अपनी सीमा खोल दी है और सामान से लदे ट्रकों तथा अन्य वाहनों को दोनों देशों के बीच आवाजाही की अनुमति दे दी है।' उन्होंने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि सीमा पार व्यापार बहाल होने से दोनों ओर फंसे व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों को तत्काल राहत मिलेगी।

ऑफ बीट

अकेलापन समझने के तरीके को बदल देता है



अगर कोई एक चीज़ है जो इंसानों के रूप में हम सब में एक जैसी है, तो वह यह है कि हममें से अधिकांश ने कभी न कभी अकेलापन महसूस किया है। लेकिन क्या सामाजिक रूप से अलग-थलग महसूस करने से होने वाला दर्द इंसान होने का एक हिस्सा है? जब हम अकेलापन महसूस करते हैं तो दुनिया इतनी अलग क्यों लगती है? हाल के शोध ने कुछ उत्तर देना शुरू कर दिया है। और यह पता चला है कि अकेलापन आपकी धारणा और संज्ञान को प्रभावित कर सकता है। अध्ययनों ने अकेलेपन से जुड़े मस्तिष्क क्षेत्रों में अंतर की पहचान की है। अकेले युवा वयस्कों में, सामाजिक अनुभूति और सहानुभूति से संबंधित मस्तिष्क के क्षेत्रों में कम घना सफेद पदार्थ (तंत्रिका तंतुओं का एक बड़ा नेटवर्क जो आपके मस्तिष्क के विभिन्न क्षेत्रों के बीच सूचना और संचार के आदान-प्रदान का काम करता है) होता है। लेकिन अकेले वृद्ध वयस्कों में, संज्ञानात्मक प्रसंस्करण और भावनात्मक विनियमन के लिए महत्वपूर्ण मस्तिष्क क्षेत्र वास्तव में मात्रा में छोटे होते हैं। एक हालिया अध्ययन में पाया गया कि अकेले लोगों का दिमाग दुनिया को अजीब तरीके से संसाधित करता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

प्रकृति में कई ऐसे पेड़-पौधे मौजूद हैं, जो देखने में बेहद खूबसूरत और साधारण लगते हैं, लेकिन उनके भीतर छिपे गुण जानलेवा भी हो सकते हैं। केरल के तटीय इलाकों और बैकवाटर्स के आसपास पाया जाने वाला ओथालंगा का पेड़ इसका एक उदाहरण है।

दिखता है आम पेड़ जैसा, फल खाते ही हो जाती है इंसान की मौत!

नई दिल्ली। इसकी हरी-भरी पत्तियां, सफेद फूल और आम जैसे दिखने वाले फल पहली नजर में किसी का भी ध्यान खींच सकते हैं। हालांकि, इसकी खूबसूरती के पीछे एक गंभीर खतरा छिपा है। यही वजह है कि इसे अंग्रेजी में 'सुसाइड ट्री' भी कहा जाता है।

ओथालंगा का वैज्ञानिक नाम सेर्बेरा ओडोलम है। यह एपोसिनेसी परिवार का पौधा है, जिसमें कई जहरीली प्रजातियां शामिल हैं। इसे अंग्रेजी में सी मैंगो यानी समुद्री आम के नाम से भी जाना जाता है। यह पेड़ दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के क्षेत्रों में पाया जाता है। केरल के तटीय इलाकों में भी इसकी मौजूदगी देखी जाती है। इस पेड़ के फल बाहर से सामान्य दिखाई दे सकते हैं, लेकिन इनके बीजों में सेरबेरिन नाम का जहरीला पदार्थ पाया जाता है। यह कार्डियक ग्लाइकोसाइड समूह का एक यौगिक है, जो दिल की सामान्य कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकता है।

ये है देश का सबसे जहरीला प्लांट



दिल की धड़कनों पर पड़ता है जहरीले तत्व

सेरबेरिन शरीर की कोशिकाओं में सोडियम और पोटैशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स के संतुलन को बनाए रखने वाली प्रक्रिया में बाधा डाल सकता है। इसका असर हृदय की विद्युत गतिविधियों पर पड़ता है, जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है। गंभीर मामलों में यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट जैसी जानलेवा समस्या का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों के लिए इस तरह के विषाक्त प्रभावों की पहचान करना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि इसके लक्षण कई दूसरी गंभीर चिकित्सकीय स्थितियों से मिलते-जुलते हैं।

खूबसूरत दिखने वाले फल से रहें सावधान

ओथालंगा का पेड़ हमें याद दिलाता है कि प्रकृति में दिखाई देने वाली सुंदरता हमेशा सुरक्षा की गारंटी नहीं होती। इसके फल या बीजों को बिना सही जानकारी के छूने या खाने के प्रयोग नहीं करने चाहिए। खासकर बच्चों को ऐसे अनजान फलों से दूर रखना जरूरी है। अगर किसी व्यक्ति को इस पौधे का फल या बीज खाने का संदेह हो, तो लक्षणों का इंतजार किए बिना तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। समय पर पहचान और इलाज गंभीर परिणामों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।



मौत की असली वजह का पता लगाना क्यों है मुश्किल?

ओथालंगा से जुड़े मामलों में फोरेंसिक जांच की भूमिका बेहद अहम हो जाती है। यदि जांच करने वालों को इस पौधे से विष की आशंका न हो, तो मौत की वास्तविक वजह पहचानना कठिन हो सकता है। सही निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए मेडिकल हिस्ट्री, घटनास्थल से जुड़े साक्ष्य, पोस्टमॉर्टम के निष्कर्ष और विशेष टॉक्सिकोलॉजिकल जांच को एक साथ देखना जरूरी है। सेरबेरिन की पहचान के लिए सामान्य डिगॉक्सिन टेस्ट पर अकेले निर्भर रहना भी काफी नहीं है। डिगॉक्सिन एक अलग कार्डियक ग्लाइकोसाइड है और उसके परीक्षण को सेरबेरिन की पुष्टि का विश्वसनीय विकल्प नहीं माना जा सकता।

रोचक खबरें

तुर्की बन सकता है रेयर अर्थ का बड़ा प्लेयर किजिलकाओरेन भंडार पर रिसर्च



अंकारा। तुर्की जल्दी ही रेयर अर्थ (दुर्लभ मृदा तत्वों) के अहम स्रोत के रूप में उभर सकता है। तुर्की के दुनिया में मची रेयर अर्थ की होड़ में शामिल होने की संभावना देश के 'किजिलकाओरेन' भंडार पर हुए शोध की वजह से है। चीनी शोधकर्ताओं ने तुर्की के सबसे महत्वपूर्ण ज्ञात रेयर अर्थ भंडार किजिलकाओरेन का अध्ययन किया है। उन्होंने इस भंडार के जटिल भूवैज्ञानिक विकास का खाका तैयार किया है। यह रेयर अर्थ आधुनिक समय में बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

यह शोध इस बात पर रोशनी डालता है कि कार्बोनेटाइट से जुड़ी संरचनाओं में रेयर अर्थ तत्व किस तरह जमा होते हैं। साथ ही यह उन देशों के सामने खड़े सवाल से जुड़ा है, जो अपने महत्वपूर्ण खनिजों के स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश में हैं। यानी इसके रास्ते में आने वाली भूवैज्ञानिक और आर्थिक बाधाएं वास्तव में कितनी कठिन हैं। वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इस खनिज को सफलता से निकालकर इस्तेमाल में लाया जा सकता है।

तुर्की में हुई ज्वाइंट रिसर्च : फर्स्टपोस्ट के मुताबिक, यह शोध पत्र चीन और तुर्की के वैज्ञानिकों ने किया है। साइट के इतिहास का पुनर्निर्माण करने के लिए टीम ने संपूर्ण चट्टान भू-रसायन, खनिज विश्लेषण, फ्लोराइट के ट्रेस-तत्व माप और स्ट्रोंटियम आइसोटोप डेटा को संयोजित किया। इससे उन्हें मैग्मा के प्रारंभिक निक्षेपण से लेकर बाद के जलतापीय खनिजकरण तक निक्षेप का पता लगाने में मदद मिली। इसमें उन्होंने तीन चरणों की पहचान की। कार्बोनेटाइट मैग्मा ने सबसे पहले आसपास की चट्टानों में प्रवेश किया, जिससे खनिजकरण की परिस्थितियां बनीं। जैसे-जैसे मैग्मा विकसित हुआ तो दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, फ्लोरीन और सल्फेट से समृद्ध हाइड्रोथर्मल द्रव बने। इससे धातुओं का परिवहन और संकेंद्रण हुआ। आखिर में उल्कापिंडीय वर्षा का जल इस प्रणाली में प्रवेश कर गया।

भंडार और माइनिंग का फर्क

एक भंडार (डिपॉजिट) के बारे में पता होना और उसका खनन अलग है। भंडार के बनने की प्रक्रिया और यह साबित करना कि उसका आर्थिक रूप से खनन किया जा सकता है, दोनों अलग हैं। किजिलकाओरेन में 4.67 मिलियन टन रेयर अर्थ' अयस्क है। इसमें 'रेयर अर्थ ऑक्साइड' का औसत ग्रेड 2.78 प्रतिशत है। यह आंकड़ा अयस्क की मात्रा को दर्शाता है। दुनिया के प्रमुख भंडारों की तुलना में इसका पैमाना काफी छोटा लगता है। रिसर्चर यांग ने बताया कि किजिलकाओरेन उसी श्रेणी (मैग्मैटिक कार्बोनेटाइट) में आता है। इसमें चीन के सिचुआन प्रांत का माओनिउपिंग भंडार है। हालांकि इनर मंगोलिया में मौजूद विशाल बयान ओबो भंडार से यह काफी अलग है। किजिलकाओरेन, बयान ओबो से अलग है।

23 देशों की यात्रा कर मणिपुर पहुंचे अपापांग और अलांग बाज, दीमक खाकर भरेंगे पेट



नई दिल्ली। चीन से उड़े और 11 दिनों का सफर तय कर आखिरकार 'अपापांग' और 'अलांग' मणिपुर पहुंच गए हैं। ये कोई आम सैलानी नहीं, बल्कि 'अमूर फाल्कन' (बाज) हैं। पिछले साल नवंबर 2025 में वैज्ञानिकों ने इन्हें ट्रैक करने के लिए रेडियो टैग लगाया था। तब से लेकर अब तक, एशिया और अफ्रीका के 23 देशों की उड़ान भरकर ये नन्हे बाज वापस अपने ठिकाने पर लौट आए हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने एक्स हैंडल पर इसकी जानकारी दी है।

पहाड़ों में दावत उड़ाएंगे बाज

मणिपुर के तामेंगलोंग जिले के खूबसूरत पहाड़ों में अब इन मेहमानों का डेरा होगा। यहां ये करीब दो से तीन हफ्ते रुकेंगे। स्थानीय लोग हर साल पलकें बिछाकर इनका इंतजार करते हैं और इनकी सुरक्षा का पूरा जिम्मा उठाते हैं। यहां मिलने वाले दीमक इन बाजों का मुख्य भोजन हैं। इन्हें खाकर ये अपनी अगली और सबसे मुश्किल यात्रा के लिए जरूरी ताकत और चर्बी (फैट) जुटाएंगे।

6 दिन की बिना रुके उड़ान

यहां से आराम करने के बाद इनका अगला पड़ाव सोमालिया होगा। यह सफर आसान नहीं है। इन्हें करीब 6 हजार किलोमीटर का सफर बिना रुके लगातार उड़कर तय करना होगा, जिसमें 3 हजार किलोमीटर की खतरनाक अरब सागर की उड़ान भी शामिल है। बिना रुके 6 दिनों तक लगातार उड़ने की इनकी यह काबिलियत वाकई कुदरत का एक करिश्मा है।

भविष्यवाणी

नास्त्रेदमस की ये दो भविष्यवाणियां हुईं सच!

क्या छिड़ने वाला है विनाशकारी युद्ध दुनिया में मचेगी भयानक तबाही?

पेरिस। फ्रांस के मशहूर भविष्यवक्ता माइकल दि नास्त्रेदमस की भविष्यवाणों पर पूरी दुनिया यकीन करती है। उन्होंने अपनी भविष्यवाणी में 2026 को मानव इतिहास का सबसे भयानक साल बताया था। नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणियों में कहा था कि साल 2026 में तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता है। यह युद्ध दुनिया के लिए बेहद खतरनाक और विनाशकारी हो सकता है। उन्होंने यह भी आशंका जताई थी कि धर्म और राष्ट्रवाद के नाम पर हिंसा भड़केगी। अब कहा जा रहा है कि नास्त्रेदमस की दो बड़ी भविष्यवाणियां सच साबित हो चुकी हैं।

लोकप्रिय नेता की हो सकती है हत्या : नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणी में यह भी दावा किया था कि साल 2026 में दुनिया के किसी बड़े और लोकप्रिय नेता की हत्या हो सकती है। इसके कारण उस देश में सत्ता परिवर्तन हो सकता है।



समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ सकता है

नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणियों में कहा था कि युद्ध का असर समुद्री मार्गों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा था किसी एक देश की गलती की वजह से समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ने वाला दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण और रणनीतिक समुद्री मार्ग है। अमेरिका और ईरान में जारी तनाव के कारण यह मार्ग प्रभावित हुआ है, जिसके कारण पूरी दुनिया में तेल का संकट छाया है।

दुनिया में छा सकता है आर्थिक संकट : नास्त्रेदमस ने अपनी एक भविष्यवाणी में कहा था कि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसके पूरी दुनिया प्रभावित होगी और जनता को महंगाई की मार झेलनी पड़ेगी। समुद्री मार्गों और बंदरगाहों पर तनाव के कारण खाद्य पदार्थों समेत अन्य चीजों की सप्लाई बाधित होगी, जिससे कीमतें बढ़ेंगी। आर्थिक दबाव के कारण दुनिया की कई राजनीतिक पार्टियों और प्रभावशाली नेताओं का पतन हो सकता है। अब दावा किया जा रहा है कि नास्त्रेदमस की समुद्री मार्गों पर तनाव और दुनिया में आर्थिक संकट की भविष्यवाणियां सच साबित हुई हैं।

नास्त्रेदमस कौन थे?

फ्रांस के रहने वाले नास्त्रेदमस का जन्म 14 दिसंबर, 1503 को हुआ था। देश के एक छोटे-से गांव सेंट रेमी में जन्में नास्त्रेदमस बेहद कम उम्र में ही भविष्यवाणियां करने लगे थे। पेशे से नास्त्रेदमस एक डॉक्टर और शिक्षक थे। सदियों बाद भी लोग उनकी भविष्यवाणियों पर यकीन करते हैं। उन्होंने साल 1566 में दुनिया को अलविदा कह दिया था।



शुरू होगा भयानक युद्ध

नास्त्रेदमस ने कहा था कि 2026 में भयानक युद्ध की शुरुआत होगी, जो सात महीने तक चलेगा। उन्होंने यह भी दावा किया था कि इसी साल तीसरा विश्व युद्ध भी शुरू हो सकता है। उनका कहना था कि ऐसा हालात उत्पन्न होंगे तीसरे विश्व युद्ध को होने से कोई नहीं रोक सकता है। उनका कहना है कि राष्ट्रवाद और धर्म के नाम पर हर तरफ हिंसा होगी। इंसान ही इंसान के दुश्मन बन जाएंगे, जिससे मानव सभ्यता विनाश की तरफ जा सकती है।

भारतीय को पहली बार मिला प्रतिष्ठित ऑस्कर क्लेन मेडल



वॉशिंगटन। भारतीय भौतिक विज्ञानी प्रोफेसर अशोक सेन को 2026 के लिए प्रतिष्ठित ' ऑस्कर क्लेन मेडल ' से सम्मानित किया गया है। वे यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान पाने वाले पहले भारतीय भौतिक विज्ञानी बन गए हैं। यह पुरस्कार ' सट्रिंग थ्योरी ' (जो ब्रह्मांड की मूलभूत प्रकृति को समझाने का प्रयास करती है), 'ब्लैक होल एंट्रॉपी' और 'सट्रिंग फील्ड थ्योरी' में उनके अहम योगदान को मान्यता देता है। इन क्षेत्रों ने आधुनिक सैद्धांतिक भौतिकी को एक नई दिशा दी है।

कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र प्रोफेसर अशोक सेन को विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 2001 में पद्म श्री और 2013 में पद्म भूषण से नवाजा जा चुका है। उन्हें 2009 में इन्फोसिस पुरस्कार (गणितीय विज्ञान), 1994 में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, 1989 में आईसीटीपी पुरस्कार मिल चुका है। वर्तमान में सेन बेंगलुरु स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल साइंसेज में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं।

हर साल दिया जाता है अवार्ड

'ऑस्कर क्लेन मेडल' हर साल स्वीडन की स्टॉकहोम यूनिवर्सिटी और 'रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज' की 'नोबेल कमिटी फॉर फिजिक्स' देती है। साल 1988 में शुरू किया गया यह पुरस्कार भौतिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। इसका नाम स्वीडिश सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी ऑस्कर क्लेन के नाम पर रखा गया है। इस पुरस्कार को पाने वालों में स्टीफन हॉकिंग, पीटर हिग्स, चेन-निंग यांग, स्टीवन वेनबर्ग और हंस बेथे जैसे नोबेल पुरस्कार विजेता शामिल हैं, जो इस सम्मान की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को दर्शाते हैं। बेंगलुरु स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल साइंसेज (आईसीटीएस) ने शनिवार को प्रोफेसर अशोक सेन को क्लेन मेडल से सम्मानित किए जाने की जानकारी दी है।

हरा एनाकोंडा को पकड़ने में वैज्ञानिकों के छूटे पसीने



लीमा। पश्चिमी अमेजन में हरा एनाकोंडा कहां पाया जाता है यह जानने के अलावा उसे ढूंढ़ने के लिए वैज्ञानिकों ने कड़ी मशक्कत की है। घनी जंगल, पानी में डूबा मलबा और छिपे हुए नदी के किनारे इस विशाल एनाकोंडा के छिपने के लिए एक शानदार जगह होता है। 2025 में 'जर्नल ऑफ नेचुरल हिस्ट्री' में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया है कि पश्चिमी अमेजन में ये विशाल सरीसृप जलमार्गों और आस-पास की वनस्पति का उपयोग कैसे करते हैं।

पेरू के माद्रे दे दिओस क्षेत्र में शोधकर्ताओं ने 'पश्चिमी अमेजन में छिपे रहने वाले हरे एनाकोंडा जिसका नाम यूनेक्टेस मुरिनस है उसको लेकर एक जटिल अध्ययन किया जिसमें कम से कम 50 अलग-अलग सांपों से जुड़ी 180 लोकेशन को ट्रैक कर जानकारियां जुटाई गईं। चार वयस्क सांपों पर बहुत हाई फ्रीक्वेंसी वाले रेडियो टैग लगाए गए और उन्हें ट्रैक किया गया।

शोधकर्ताओं ने पेरू में चार हरे एनाकोंडा को कैसे ट्रैक किया : वैज्ञानिकों को दर्ज की गई रेडियो लोकेशन्स में से सिर्फ 23 जगहों पर यानी 17.7% मामलों में ही ये सांप बिना किसी रुकावट के दिखाई दिए। ये नतीजे बताते हैं कि इन जानवरों का छिपा रहना और सिर्फ धूप सेंकने के लिए ही बाहर आना क्यों मायने रखता है।

सिर्फ 17.7% बार ही इंसानी नजरों के सामने आए

शोधकर्ताओं ने कम से कम 50 एफेबोपस मुरिनस प्रजातियों से संबंधित 180 ऑब्जर्वेशन दर्ज किए जिनमें से 130 रिकॉर्ड टेलीमेट्री ट्रैकिंग द्वारा प्राप्त किए गए, जो कुल का 72.2% है। क्षेत्र कार्य में नदियों, धाराओं, ऑक्सबो झीलों और अगुआजलों सहित विभिन्न प्रकार के जलीय वातावरण शामिल थे। अगुआजल एक आर्द्रभूमि है जिसमें अगुआज ताड़ के पेड़ प्रमुख होते हैं जिन्हें वैज्ञानिक रूप से मॉरिटिया फ्लेक्सुओसा के नाम से जाना जाता है। टैग किए गए साँपों को लॉस एमिगोस, लास पिएड्रास और माद्रे डी डियोस नदियों के किनारे ट्रैक किया गया।

गुजरात का अनोखा गांव, 1000 साल से रह रहे अफ्रीकी मूल के लोग



गांधीनगर। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में बसा जाम्बुर गांव पहली नजर में आश्चर्य से भर देगा। यहां रहने वाले लोग दिखने में बिल्कुल अफ्रीकी मूल के हैं, लेकिन ठेठ गुजराती या साफ हिंदी में बात करते हैं। इनके नस-नस में अफ्रीका बहता है, लेकिन दिल पूरी तरह हिंदुस्तानी है। हम बात कर रहे हैं 'सिद्दी' समुदाय की। सदियों पहले अफ्रीका से आकर भारत को अपना आशियाना बनाने वाला यह अल्पसंख्यक समुदाय आज हमारी विविधता का एक खूबसूरत हिस्सा है। उन्होंने अपनी अफ्रीकी 'बांटू' जड़ों को समेटे हुए भारतीय संस्कृति को ऐसे गले लगाया है, जैसे दूध में चीनी मिल जाती है। स्थानीय लोग बताते कि लगभग 1000 साल पहले जूनागढ़ के नवाब उनके पूर्वजों को अफ्रीका (युगांडा) से जहाज में काम करने के लिए यहां लाए थे। जब महल का काम पूरा हो गया, तो नवाब ने उन्हें यहीं जमीन देकर बसा दिया। शुरुआत में वे अपनी अफ्रीकी भाषा बोलते थे, लेकिन धीरे-धीरे वक्त के साथ वे गुजराती रंग में ऐसे रंगे कि अब उन्हें अपने अफ्रीकी अतीत या वहां की संस्कृति के बारे में कुछ खास याद नहीं है। इतिहासकारों का मानना है कि सिद्दी मुख्य रूप से अफ्रीका के बांटू समुदाय के वंशज हैं। वे पुर्तगालियों के जरिए गुलाम या बंधुआ मजदूर के रूप में हिंद महासागर के रास्ते भारत पहुंचे थे। गुजरात जनजातीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान के मुताबिक, पुर्तगाली उन्हें 17वीं सदी के अंत में भारत लाए थे। वहीं कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि वे 15वीं सदी के मध्य में ही भारत आ गए थे। उनके सफर की यह दास्तान आज भी लोकगीतों और इतिहास के पन्नों में जिंदा है।

गुजरात से कर्नाटक तक का सफर

आज सिद्दी समुदाय मुख्य रूप से गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक में बसा है। गुजरात के सिद्दी ज्यादातर मुस्लिम हैं, जबकि कर्नाटक में रहने वाले सिद्दी हिंदू धर्म का पालन करते हैं। गुजरात के जूनागढ़ में इनकी सबसे घनी आबादी है। यहां के सिद्दी गुजराती और हिंदी सहजता से बोलते हैं। पहनावे से लेकर कांच और चांदी की चूड़ियों के श्रृंगार तक, सब कुछ स्थानीय रंग में रंगा है। लेकिन, उत्सव के मौकों पर इनका पारंपरिक 'धमाल' संगीत और नृत्य इनकी अफ्रीकी विरासत की गूंज आज भी सुना देता है।

अनुसूचित जनजाति का मिला दर्जा

यहां के लोग पूरी तरह गुजराती खाना जैसे बाजरे की रोटी और बैंगन-आलू की सब्जी खाते हैं। रोजी-रोटी के लिए ये लोग आज भी अपना पारंपरिक अफ्रीकी लोक नृत्य करते हैं, जिसे स्थानीय भाषा में 'धमाल' कहा जाता है। साल 2003 सिद्दी समुदाय के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ, जब गुजरात में इन्हें 'अनुसूचित जनजाति' का दर्जा मिला। इसके बाद शिक्षा, सरकारी नौकरियों और आर्थिक मदद के रास्ते खुले। विकास की असल तस्वीर जमीन पर दिखती है। जाम्बुर गांव के एक स्थानीय निवासी बताते हैं, 'हमारे गांव में बिजली, पानी और राशन की अब कोई किल्लत नहीं है।'

सुरक्षा छात्रों की सुरक्षा के लिए इंतजाम

हॉस्टल में लगे एंटी-सुसाइड फैन, 10 किलो से ज्यादा वजन पड़ते ही आ जाएंगे नीचे

गांधीनगर। देश के कई शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामले सामने आने के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। पढ़ाई का दबाव, परीक्षा की चिंता और निजी परेशानियां कई बार छात्रों के लिए मुश्किलें खड़ी कर देती हैं। ऐसे में हॉस्टल में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा को लेकर गुजरात की एक यूनिवर्सिटी का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इस वीडियो में हॉस्टल के कमरों में खास तरह के पंखे लगे दिखाई दे रहे हैं, जिन्हें एंटी-सुसाइड फैन कहा जा रहा है। तो आइए जानते हैं कि वीडियो में क्या दिखाया गया है।



सिर्फ पंखे बदलने से कैसे दूर होगी समस्या?

छात्रों की सुरक्षा के लिए हॉस्टल में इस तरह के इंतजाम जरूरी हो सकते हैं, लेकिन मानसिक परेशानी से जूझ रहे छात्रों की मदद करना भी उतना ही अहम है। पढ़ाई, परीक्षा और भविष्य की चिंता के बीच कई छात्र अपनी परेशानी किसी से साझा नहीं कर पाते। ऐसे में कॉलेजों में काउंसलिंग, समय पर मदद और भरोसेमंद बातचीत की व्यवस्था होनी चाहिए।

हॉस्टल में कैसे काम करते हैं ये खास पंखे?

वायरल वीडियो में दिख रहा पंखा सामान्य पंखे से अलग नजर आता है। इसे छत से जोड़ने के लिए स्प्रिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया गया दिखाई देता है। वीडियो में व्यक्ति जैसे ही पंखे को नीचे खींचता है, वह छत से नीचे आ जाता है। इस तरह की व्यवस्था का मकसद ज्यादा भार पड़ने की स्थिति में खतरे को कम करना बताया जा रहा है। हालांकि, केवल वीडियो देखकर इस पंखे की पूरी तकनीक और सुरक्षा की गारंटी के बारे में कुछ कहना सही नहीं होगा। इसके लिए पंखे की बनावट, उसकी जांच और इस्तेमाल से जुड़ी जानकारी होना जरूरी है।

अमरकंटक के जंगल में 9,535 साल वृक्षों की कटाई को मंजूरी, जिम्मेदार कौन?

करीब 40 लाख साल वृक्षों वाले वन क्षेत्र में 22 हजार वृक्ष प्रभावित होने का आकलन







डिंडोरी सहित दो क्षेत्रों में 1,56,319 वृक्षों की कटाई की अनुमति, संबंधी आंकड़ों ने खड़े किए सवाल साल बोरर से बचाव के नाम पर कटाई की वैज्ञानिकता स्वस्थ वृक्षों की सुरक्षा और वन विभाग की जवाबदेही पर उठी चिंता जनप्रतिनिधियों और पर्यावरण प्रेमियों से हस्तक्षेप की मांग

अनूपपुर/अमरकंटक। धार्मिक, प्राकृतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण अमरकंटक के जंगलों में साल वृक्षों की कटाई का मामला अब गंभीर सवालों के घेरे में है। साल बोरर कीट से प्रभावित वृक्षों को हटाकर वन संपदा बचाने की दलील दी जा रही है, लेकिन कटाई की अनुमति से जुड़े आंकड़े सामने आने के बाद यह जानना जरूरी हो गया है कि आखिर कितने वृक्ष प्रभावित पाए गए, कितने वृक्षों को काटने की स्वीकृति दी गई और इस पूरी कार्रवाई का वैज्ञानिक आधार क्या है? जंगलों को बचाने के नाम पर हजारों वृक्षों को हटाने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना वन विभाग की जिम्मेदारी है। बीते अगस्त महीने में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक में मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा साल बोरर कीट के नियंत्रण को लेकर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला का उद्देश्य साल वृक्षों को प्रभावित करने वाले कीट से निपटने के उपायों पर चर्चा करना था। इसके बाद प्रभावित वृक्षों को हटाने की कार्रवाई को लेकर वन संरक्षण की रणनीति और उसके संभावित पर्यावरणीय प्रभावों पर सवाल उठने लगे हैं।

40 लाख वृक्षों में 22 हजार प्रभावित होने का आकलन

जुलाई 2026 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में वन विभाग के आकलन के हवाले से अमरकंटक वन क्षेत्र में लगभग 40 लाख साल वृक्षों में से करीब 22 हजार वृक्षों के प्रभावित होने का उल्लेख किया गया था। वहीं, सितंबर 2026 में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, अमरकंटक क्षेत्र में साल बोरर से प्रभावित 9,535 वृक्षों को काटने की अनुमति दिए जाने की जानकारी सामने आई। इससे पहले 5,157.34 हेक्टेयर वन क्षेत्र का सर्वेक्षण किए जाने की बात भी रिपोर्टों में सामने आई थी। इन आंकड़ों के बीच प्रभावित वृक्षों और कटाई के लिए स्वीकृत वृक्षों की संख्या में अंतर को समझना आवश्यक है। यदि करीब 22 हजार वृक्ष प्रभावित पाए गए थे और 9,535 वृक्षों को काटने की अनुमति दी गई, तो सवाल उठता है कि वृक्षों के चयन के लिए कौन-से वैज्ञानिक मानक अपनाए गए? क्या प्रत्येक वृक्ष की स्थिति का परीक्षण किया गया और क्या यह सुनिश्चित किया गया कि कटाई केवल उन्हीं वृक्षों की हो, जिन्हें हटाना जरूरी है? यह स्पष्ट करना भी जरूरी है कि प्रभावित पाए गए सभी वृक्षों को काटना आवश्यक था या कुछ वृक्षों को उपचार और अन्य वैज्ञानिक उपायों से बचाया जा सकता था। इन सवालों के जवाब के लिए सर्वेक्षण रिपोर्ट और कटाई की स्वीकृति से संबंधित दस्तावेजों का सार्वजनिक होना जरूरी है।

डिंडोरी और अमरकंटक में 1,56,319 वृक्षों की कटाई की अनुमति

साल वृक्षों की कटाई का मामला केवल अमरकंटक तक सीमित नहीं है। प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, पड़ोसी डिंडोरी जिले में 1,46,784 साल वृक्षों को काटने की अनुमति दिए जाने का उल्लेख किया गया है। अमरकंटक क्षेत्र के 9,535 वृक्षों की अनुमति संबंधी आंकड़े को जोड़ने पर दोनों क्षेत्रों का कुल आंकड़ा 1,56,319 वृक्ष हो जाता है। 1,56,319 वृक्षों का यह संयुक्त आंकड़ा वन प्रबंधन की व्यापकता को रेखांकित करता है। हालांकि, यह अनुमति संबंधी रिपोर्टों पर आधारित कुल संख्या है, वास्तविक कटाई का प्रमाणित आंकड़ा नहीं। दोनों क्षेत्रों में कितने वृक्षों को काटने की स्वीकृति मिली, कितने वृक्ष वास्तव में काटे गए और कितने वृक्ष अभी सुरक्षित हैं, इसका अलग-अलग विवरण सामने आना चाहिए। इतनी बड़ी संख्या में वृक्षों को हटाने की अनुमति के मामले में वैज्ञानिक आधार, निगरानी व्यवस्था और कटाई के बाद वन क्षेत्र की स्थिति का मूल्यांकन महत्वपूर्ण हो जाता है। केवल प्रभावित वृक्षों की पहचान पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी देखना जरूरी है कि उन्हें हटाने से वन पारिस्थितिकी पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

कीट से बचाव के नाम पर स्वस्थ वृक्षों को तो नुकसान नहीं?

साल वृक्ष अमरकंटक के जंगलों की प्राकृतिक पहचान हैं। ये वृक्ष वन्य जीवों के आवास, जैव विविधता और वन पारिस्थितिकी के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में साल बोरर से प्रभावित वृक्षों को हटाने की कार्रवाई के दौरान संक्रमित, कमजोर और स्वस्थ वृक्षों के बीच स्पष्ट अंतर करना आवश्यक है। वन विभाग का तर्क है कि प्रभावित वृक्षों को हटाकर अन्य वृक्षों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन इस कार्रवाई की सफलता का आकलन वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर ही किया जा सकता है। सवाल यह है कि वृक्षों के चयन की प्रक्रिया की निगरानी किसने की, कटाई के दौरान निर्धारित मानकों का पालन कैसे सुनिश्चित किया गया और क्या किसी स्वतंत्र विशेषज्ञ संस्था से इसका मूल्यांकन कराया गया? यदि जंगल को बचाने के लिए वृक्षों को हटाना जरूरी है, तो इस निर्णय का वैज्ञानिक आधार सार्वजनिक होना चाहिए। साथ ही कटाई के बाद नए पौधों के विकास, प्राकृतिक पुनरुत्पत्ति और जैव विविधता पर पड़ने वाले प्रभावों की निगरानी की व्यवस्था भी स्पष्ट की जानी चाहिए।

वन संरक्षण की जिम्मेदारी किसकी?

अमरकंटक जैसे संवेदनशील प्राकृतिक क्षेत्र में वन संपदा की रक्षा केवल वन विभाग की औपचारिक जिम्मेदारी तक सीमित नहीं रह सकती। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, पर्यावरण प्रेमियों और वन विशेषज्ञों को भी इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। यदि वन संपदा के संरक्षण के नाम पर बड़े पैमाने पर कटाई की जा रही है, तो उसकी निष्पक्ष समीक्षा और वैज्ञानिक मूल्यांकन की मांग उठनी चाहिए। वन विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि अमरकंटक क्षेत्र में साल बोरर से प्रभावित वृक्षों की पहचान किन मानकों के आधार पर की गई, कटाई की अनुमति किस स्तर पर दी गई, वास्तविक कटाई की स्थिति क्या है और शेष वन संपदा को सुरक्षित रखने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही डिंडोरी और अमरकंटक के आंकड़ों का अलग-अलग सत्यापित विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि अनुमति और वास्तविक कटाई के बीच की स्थिति स्पष्ट हो सके। साल बोरर कीट से जंगलों को खतरा हो सकता है, लेकिन उसके नियंत्रण के नाम पर होने वाली कार्रवाई भी सवालों से परे नहीं हो सकती। अमरकंटक की प्राकृतिक विरासत को बचाने के लिए जरूरी है कि वन संरक्षण के प्रत्येक निर्णय में वैज्ञानिक प्रमाण, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो। आखिर जंगल बचाने के लिए कितने वृक्षों को हटाना जरूरी है और इस कार्रवाई से वन संपदा को कितना लाभ मिल रहा है, इसका जवाब विभागीय आंकड़ों, स्वतंत्र वैज्ञानिक मूल्यांकन और सार्वजनिक समीक्षा से ही मिल सकेगा।

बुजुर्ग विधवा की संदेहास्पद मौत और दोहरा मापदंड

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के पुरानी बस्ती क्षेत्र में रेलवे के सेवानिवृत्त लोको पायलट स्वर्गीय देवी सिंह की 75 वर्षीय निस्संतान विधवा पत्नी शांति बाई की संदेहास्पद मौत और संपत्ति के कथित फर्जीवाड़े का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। इस पूरे प्रकरण में शकीला और सबीर खान की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मृतका की देखरेख की आड़ में इन दोनों ने न सिर्फ करोड़ों की अचल संपत्ति और मोटी पेंशन हड़पने का ताना-बाना बुना, बल्कि अब प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान भी दोहरे मापदंड के जरिए असली हकदारों को बेदखल करने का खेल-खेला जा रहा है।परिजनों देवरानी श्रीमती सुशीला हरी सिंह और पुत्रवधू श्रीमती हरून्ना विक्रम सिंह द्वारा उठाए गए बिंदुओं के मुताबिक, स्वर्गीय देवी सिंह की करोड़ों रुपए मूल्य की अचल संपत्ति और हर साल मिलने वाली करीब 5 लाख रुपए की पेंशन पर कब्जा जमाने के लिए शातिर साजिश रची गई। आरोप है कि बुजुर्ग और अनपढ़ शांति बाई के अकेलेपन का फायदा उठाकर शकीला और सबीर ने उनकी देखभाल के नाम पर हर साल लगभग 4,48,000 रुपए वसूले। पिछले 17 वर्षों के कथित वसीयतनामे और भुगतानों को आधार माना जाए तो इन लोगों ने बुजुर्ग महिला से करीब 81 लाख रुपए ऐंठे, जो सेवा कम और सुनियोजित ठगी ज्यादा लगती है। शांति बाई के जिस घर में वे रहती थीं, उसके ठीक बगल के कमरे में शकीला और सबीर का डेरा था। आरोप है कि इसी नजदीकी का फायदा उठाकर बुजुर्ग महिला को एक तरह से कैद में रखा गया । मृतका के परिजनों को तो घर के अंदर कार्यक्रम या ठहरने के लिए शनिवार शाम तक की बेहद सीमित मियाद (समय-सीमा) दी गई, जबकि शकीला और सबीर पर प्रशासन की ऐसी कोई सख्ती नहीं दिखाई दी। परिजनों का सवाल है कि जो शकीला और सबीर मृतका के खून के रिश्तेदार नहीं हैं, वे उस भवन में आराम से जमे रह सकते हैं, लेकिन मृतका के अपने सगे परिजनों सुशीला हरी सिंह और हरून्ना विक्रम सिंह के ठहरने के लिए मियाद क्यों तय की गई?

स्वास्थ्य विभाग में फिर हड़कम्प

एक सप्ताह में तीन आदिवासी बच्चों की मौत!

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के बैहर क्षेत्र में एक सप्ताह के भीतर 3 आदिवासी बच्चों की मौत हो गई। इनमें से 2 बच्चों ने रविवार को दम तोड़ा, जबकि एक बच्चे की मौत 22 अक्टूबर को हुई थी। मृतकों में बिरसा विकासखंड के खैरटोला की 3 साल की रेखा और सोनगुड्डा के सुंदरवाही का 2 महीने का शिवम उइके शामिल हैं। रेखा की मौत का कारण स्पष्ट नहीं है, जबकि शिवम की मौत श्वास नली में दूध जाने से होने की आशंका जताई गई है।

इससे पहले 22 अक्टूबर को मातला निवासी 1 साल 4 महीने



के बिसरू परते की मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, उसकी मौत मलेरिया से हुई है, हालांकि सैंपल रिपोर्ट आना बाकी है। सीएमएचओ डॉ. शत्रुघन सिंह दाहिया ने तीनों बच्चों की मौत के मामलों में बाल मृत्यु समीक्षा कराने की बात कही है। बैहर के आदिवासी इलाकों में जून से ही बच्चों की मौतों के मामले सामने आ रहे हैं। इनकी वजह खसरा, मलेरिया, कुपोषण और चर्मरोग जैसी बीमारियां बताई जा रही हैं। मातला के कुछ बीमार बच्चों का लांजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सीएमएचओ डॉ. दाहिया के मुताबिक, स्तनपान के बाद छोटे बच्चे को डकार दिलाना जरूरी है। कई बार बच्चा दूध पीने के बाद मुंह में दूध रखे रहता है। सोते समय यह दूध भोजन नली से वापस आकर श्वास नली में जा सकता है। इससे सांस लेने में परेशानी हो सकती है।

कुएं में डूबने से पति-पत्नी की मौत, गांव में पसरा मातम

बालाघाट। ग्राम सीताडोंगरी के वार्ड क्रमांक 5 में घर के पीछे आंगन में बने कुएं में डूबने से पति-पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मृतका कांति बाई उइके (48) घर के पीछे स्थित कुएं से पानी लेने गई थीं। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह कुएं में गिर गईं। पत्नी को बचाने के लिए उनका पति अंजोर सिंह उइके उम्र (52) भी कुएं में उतर गए। इस दौरान दोनों की पानी में डूबने से मौत हो गई।बताया गया कि दंपती कृषि मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके पांच बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियां और तीन बेटे शामिल हैं। दोनों बेटियों और एक बेटे की शादी हो चुकी है। परिवार के चार बच्चे मजदूरी के लिए नागपुर गए हुए हैं।

12 वर्षीय बेटी ने दी वीर सपूत को मुखाग्नि नम आंखों से सैनिक सम्मान के साथ दी गई

बीएसएफ जवान को अंतिम विदाई



हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

देश की रक्षा में समर्पित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान नरेंद्र सौदागर के असामयिक निधन से पांढुर्णा में शोक की लहर दौड़ गई है। मथुरा में पदस्थ जवान नरेंद्र सौदागर बीमारी के चलते नागपुर के मिलिट्री हॉस्पिटल में उपचाराधीन थे, जहां उन्होंने बीती



रात अंतिम सांस ली। रविवार को उनका पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटकर उनके पैतृक निवास जवाहर वार्ड, पांढुर्णा पहुंचा, जहां गमगीन माहौल में उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

सैन्य सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

स्थानीय मोक्षधाम में बीएसएफ के सहकर्मी जवानों और पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। इस हृदयविदारक और भावुक क्षण में उनकी पत्नी कल्पना और 12 वर्षीय पुत्री निकिता सहित पूरा शहर मौजूद रहा। अपने पिता की पार्थिव देह को अंतिम विदाई देते हुए 12 वर्षीय बेटी निकिता ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस मार्मिक दृश्य को देखकर वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। देश के लिए समर्पित एक वीर सपूत की इस अंतिम विदाई ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

नौकरी के नाम पर 9 लाख की ठगी!

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

नौकरी लगाने का झांसा देकर बेरोजगार युवक के पिता से 9 लाख रुपये हड़पने वाले शातिर ठग को आखिरकार कटंगी पुलिस ने मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी को रविवार सुबह कटंगी लाकर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में उपजेल वारासिवनी भेज दिया गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी योगेन्द्र मिश्रा निवासी कटंगी ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि आकाश पिता नारायण सिंह ठाकुर उम्र 32 वर्ष निवासी सिवनी हाल मुकाम भोपाल ने उसे अच्छी नौकरी लगवाने का झांसा दिया। आरोपी ने खुद की ऊंची पहुंच और अधिकारियों से जान-पहचान होने का रौब दिखाकर प्रार्थी से कुल 9 लाख रुपये ऐंठ लिए। जब काफी समय बीतने के बाद भी न तो नौकरी लगी और न ही पैसे वापस मिले, तो प्रार्थी को अपने साथ धोखाधड़ी होने का एहसास हुआ। प्रार्थी की शिकायत पर कटंगी पुलिस ने अपराध दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में मामला पंजीबद्ध किया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक बालाघाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और एसडीओपी कटंगी विवेक शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कटंगी धमेन्द्र कुसराम के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी भोपाल में है। सूचना मिलते ही टीम ने भोपाल में दबिश दी और बड़ी ही चतुराई से आरोपी आकाश ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया। रविवार सुबह पुलिस टीम उसे लेकर कटंगी पहुंची। थाने में कागजी कार्रवाई पूर्ण करने के बाद उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेजने के आदेश दिए। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है।

बाघों के पहरेदारों के घरों में आई भुखमरी की नौबत

मानपुर।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों, वन्यजीवों और बेशकीमती वन संपदा की सुरक्षा में अपनी जान जोखिम में डालने वाले वन श्रमिकों का सब्र अब जवाब दे चुका है। जंगल के रखवालों के ही घरों में इन दिनों चूल्हा जलने के लाले पड़े हैं। बांधवगढ़ ट्रेड यूनियन के अध्यक्ष संतराम सिंह के खुलासे ने पार्क प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर और तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं। पनपथा, पतौर, मानपुर, कल्लवाह, धमोखर और खितौली जैसी तमाम रेंजों में पसीना बहाने वाले इन मैदानी श्रमिकों को पिछले दो से तीन महीनों से वेतन का एक पाई तक नसीब नहीं हुई है। नतीजतन, पर्वों का यह सीजन इन परिवारों के लिए मातम और लाचारी बनकर आया है।

जोखिम भरा काम, पर महीनों से वेतन गायब

जंगल के भीतर हिंसक वन्यजीवों के बीच रहकर गश्त करने और तस्करों के नापाक मंसूबों को नाकाम करने वाले इन श्रमिकों का शोषण चरम पर है। यूनियन अध्यक्ष संतराम सिंह ने आरोप लगाया है कि कुशल श्रमिकों को बमुश्किल 15 हजार और अकुशल श्रमिकों को 10,500 रुपए मासिक मानदेय मिलता है। विडंबना



यह है कि इनसे साप्ताहिक अवकाश के दिन यानी रविवार को भी जबरन ड्यूटी ली जाती है, लेकिन जब मेहनताने के भुगतान की बारी आती है, तो पार्क प्रबंधन के कान पर जूं तक नहीं रेंगती। महीनों का वेतन रोककर सिर्फ एक महीने का भुगतान थमाने की यह अमानवीय व्यवस्था आखिर किसकी शह पर चल रही है?

जान गंवाने वाले श्रमिक का हक भी दबा बैठा प्रबंधन

विभाग की संवेदनहीनता की इंतहा यहीं खत्म नहीं होती। मानपुर रेंज के कठई सर्कल में सेवा देने वाले श्रमिक विवेक बैगा ड्यूटी के दौरान गंभीर हादसे का शिकार होकर अपनी आंख गंवा बैठे, लेकिन विभाग ने इलाज के नाम पर उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया। इतना ही नहीं, उनका तीन महीने का वेतन भी आज तक अटका हुआ है। इससे भी दर्दनाक वाकया धमोखर रेंज के धौरखोह बैरियर पर तैनात रहे श्रमिक बल्लू चौधरी का है। बीमारी के चलते कुछ दिन पहले उनकी मौत हो गई। परिजनों का साफ आरोप है कि समय पर वेतन न मिलने और आर्थिक तंगी के कारण वे बल्लू का सही इलाज तक नहीं करा सके। अब मौत के बाद भी उनके हक का तीन महीने का बकाया वेतन उनके परिजनों को नहीं दिया गया है। क्या पार्क प्रबंधन इन गरीब परिवारों की बर्बादी का तमाशा देख रहा है?

प्रबंधन ने साधी चुप्पी, जिम्मेदार कौन

एक तरफ जहां टाइगर रिजर्व के सैलानियों और वीआईपी दौरों पर पानी की तरह पैसा बहाया जाता है, वहीं धरातल पर जान की बाजी लगाकर जंगल बचाने वाले ये श्रमिक पाई-पाई को मोहताज हैं। इस पूरे गंभीर मामले पर जब बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक और उपसंचालक से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया, तो दोनों ने फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझा। अधिकारियों की यह चुप्पी उनकी मिलीभगत और असंवेदनशीलता को साफ जाहिर करती है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सभी श्रमिकों के लंबित वेतन का शत-प्रतिशत भुगतान, उचित चिकित्सीय सहायता और नियमानुसार अवकाश सुनिश्चित नहीं किया गया, तो उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। बाघों के जंगल की रखवाली करने वालों का भविष्य अंधेरे में धकेलने वाले इन जिम्मेदार अधिकारियों पर गाज कब गिरेगी, यह देखने वाली बात होगी।

इंस्टाग्राम से शुरू हुई थी पहचान अश्लील वीडियो वायरल कर तुड़वाई शादी

बहनों को भी धमकाया, महिला थाने में जीरो एफआईआर

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र की 23 वर्षीय युवती ने केशवाही क्षेत्र के युवक कनिष्क सिंह उर्फ छोटू पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने, अश्लील वीडियो बनाने और बाद में शादी से इनकार करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती का यह भी आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद आरोपी और उसके परिजन उसे तथा उसके परिवार को धमका रहे हैं। उसे घर से बाहर निकलने पर गोली मारने की धमकी दी गई है। युवती का दावा है कि धमकियों के कारण उसका परिवार दहशत में है और वह घर से बाहर निकलने में भी डर रही है। युवती की शिकायत पर 12 अक्टूबर 2026 को शहडोल महिला थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 का उल्लेख है। क्षेत्राधिकार के आधार पर मामला बुढ़ार थाने को भेजा गया है, जहां पुलिस जांच कर रही है। युवती के अनुसार, उसने न्यायालय में भी अपने बयान दर्ज कराए हैं। एफआईआर में दर्ज शिकायत के अनुसार, युवती की पहचान वर्ष 2023 में इंस्टाग्राम के माध्यम से कनिष्क सिंह से हुई थी। जनवरी 2024 से दोनों के बीच बातचीत और प्रेम संबंध शुरू हुए। युवती का आरोप है कि युवक ने उससे शादी करने का वादा किया था। इसी भरोसे के कारण दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और युवक ने कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने शिकायत में बताया कि 29 अक्टूबर 2024 को युवक उसे ग्राम कुनहरी में प्रेमलाल शर्मा उर्फ बाबू शर्मा के खाली पड़े बाड़े में ले गया था। वहां शादी का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया गया है। युवती के मुताबिक, इसके बाद भी कई बार दोनों के बीच संबंध बने। उसका आरोप है कि युवक शादी की बात कहकर संबंध बनाता रहा, लेकिन बाद में शादी से मुकर गया।

खबर संक्षेप

एलजी को मिला 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' प्रमाणपत्र

नई दिल्ली। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने लगातार तीसरे वर्ष प्रतिष्ठित 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' सर्टिफिकेशन हासिल किया है। यह मान्यता कंपनी की कार्य-संस्कृति, कर्मचारियों के अनुभव और विश्वास पर आधारित कार्यस्थल विकसित करने के प्रयासों को दर्शाती है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के प्रबंध निदेशक होंग जू जियोन ने कहा कि तीसरे वर्ष यह प्रमाणन मिलना कंपनी की प्रगतिशील मानव संसाधन नीतियों का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

न्युवोको का मुनाफा 65 करोड़ रुपए पहुंचा

मुंबई। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित किए हैं। 30 सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही में कंपनी ने कर के बाद मुनाफे में सालाना आधार पर 78 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। कंपनी का मुनाफा बढक़र 65 करोड़ रुपए हो गया, जबकि समेकित राजस्व 13.5 प्रतिशत बढक़र 2,790 करोड़ रुपएपहुंच गया। इस दौरान कंपनी का एबिटिडा भी 11 प्रतिशत बढक़र 411 करोड़ रुपए रहा।

पूजा सामग्री से परिधानों तक की विशेष रेंज उपलब्ध

बेंगलुरु। अमेजन पर पारंपरिक परिधानों, आभूषणों, सौंदर्य प्रसाधनों, मिठाइयों, पूजा सामग्री और उपहारों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। अमेजन के ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के तहत ग्राहक डायसन, सैमसंग, लवचाइल्ड बाय मसाबा, रोजियर और फार्मले जैसे लोकप्रिय ब्रांडों के उत्पादों पर विशेष छूट का लाभ उठा सकते हैं। कंपनी के अनुसार, प्राइम सदस्य चुनिंदा खरीदारी पर अतिरिक्त छूट लाभ भी उठा सकते हैं।

शेयर.मार्किट का नाम हुआ फोनपे इन्वेस्ट

नई दिल्ली। फोनपे ने अपने स्टॉक ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म 'शेयर.मार्किट' का नाम बदलकर 'फोनपे इन्वेस्ट' कर दिया है। इसके साथ कंपनी ने निवेशकों के लिए 'पोर्टफोलियो ऑप्टिमाइज़र' टूल भी पेश किया है, जो निवेश पोर्टफोलियो बनाने, उसकी समीक्षा करने और उसे बेहतर बनाने में मदद करेगा। फोनपे इन्वेस्ट पर शेयर, आईपीओ, म्यूचुअल फंड और वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध होंगी।

---

30 नवंबर तक मांगे जाएंगे सुझाव, अप्रैल 2027 से लागू करने की योजना

जीएसटी रिटर्न में बड़े बदलाव की तैयारी, व्यापारियों को अनावश्यक नोटिसों से राहत मिलने की है उम्मीद

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

जीएसटी रिटर्न प्रणाली को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने के लिए केंद्र सरकार बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित सुधारों से रिटर्न में डेटा संबंधी विसंगतियों को कम करने और व्यापारियों को अनावश्यक नोटिसों से राहत मिलने की उम्मीद है।

टैक्स लॉ बार एसोसिएशन, भोपाल ने इस पहल का स्वागत करते हुए करदाताओं से सार्वजनिक परामर्श में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। एसोसिएशन के सचिव धीरज अग्रवाल ने बताया कि वित्त मंत्रालय की योजना के अनुसार जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-1ए और इनवॉइस फर्निशिंग फैसिलिटी (आईएफएफ) के संशोधित फॉर्म का मसौदा 1 नवंबर 2026 को सरकारी पोर्टल मायजीओवीडॉटइन पर सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया जाएगा। इस मसौदे पर आम नागरिकों, कर विशेषज्ञों और उद्योग जगत से 30 नवंबर 2026 तक सुझाव मांगे जाएंगे। प्रस्तावित नई व्यवस्था को 1 अप्रैल 2027 से लागू करने की योजना है।

अगले माह 1 नवंबर को जारी होगा संशोधित फॉर्म का मसौदा

प्रस्तावित नई व्यवस्था को 1 अप्रैल 2027 से लागू करने की योजना

पहले दिन की उत्साहपूर्ण शुरुआत, आज भी अवसर

अग्रवाल के अनुसार, जीएसटी रिटर्न में दर्ज आंकड़ों और संबंधित रिकॉर्ड के बीच अंतर होने के कारण कारोबारियों को कई बार नोटिसों का सामना करना पड़ता है।

अधिकारियों के मुताबिक, लगभग 80 प्रतिशत नोटिस डेटा मिसमैच से जुड़े होते हैं। ऐसे में रिटर्न फॉर्म में बदलाव से विसंगतियां कम करने और नोटिस जारी करने की प्रक्रिया को अधिक सटीक बनाने में मदद मिल सकती है। नई व्यवस्था से इन नोटिसों में 80 प्रतिशत तक कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है। साथ ही, इनवॉइस मैनेजमेंट सिस्टम को भी अधिक प्रभावी बनाने पर जोर रहेगा।

नियमों को अधिक व्यावहारिक बनाने का अवसर मिलेगा

एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मृदुल आर्य ने कहा कि जीएसटी लागू होने के नौ वर्ष बाद सरकार द्वारा कर सलाहकारों और व्यापारियों से सुझाव आमंत्रित करना स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा कि अब तक कई निर्णय जमीनी स्तर की व्यावहारिक समस्याओं को पर्याप्त रूप से समझे बिना लिए जाते रहे हैं, जिससे कारोबारियों और कर पेशेवरों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सार्वजनिक परामर्श से सरकार तक वास्तविक समस्याएं पहुंचेंगी और नियमों को अधिक व्यावहारिक बनाने का अवसर मिलेगा। टैक्स लॉ बार एसोसिएशन, भोपाल ने कहा कि प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य केवल रिटर्न प्रक्रिया में संशोधन करना नहीं, बल्कि कर अनुपालन को आसान बनाना और व्यापारियों पर अनावश्यक प्रशासनिक बोझ कम करना भी होना चाहिए। संगठन ने करदाताओं, व्यापारिक संगठनों और कर विशेषज्ञों से अपील की है कि वे मसौदे का अध्ययन कर अपने सुझाव समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत करें, ताकि नई व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी और कारोबारी हितों के अनुकूल बनाया जा सके।

भवन निर्माण नियमों में एकरूपता के लिए भी उठाई आवाज

क्रेडाई ने सौंपे विकास योजना 2047 पर 51 आपत्ति-सुझाव

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

निवेश, आवास और सड़क नेटवर्क पर जोर

राजधानी के नए मास्टर प्लान का 21 साल लंबा इंतजार अब अधूरा नहीं रहना चाहिए। जरूरी सुधारों, स्पष्ट नियमों और समयबद्ध निर्णयों के साथ विकास योजना 2047 का अंतिम प्रकाशन होना चाहिए। यह कहना है क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक का।

क्रेडाई भोपाल ने नगर तथा ग्राम निवेश के जिला कार्यालय में प्रारूप योजना पर 51 क्रमांकित आपत्ति-सुझाव सौंपे। वहीं, क्रेडाई मध्यप्रदेश की ओर से भवन निर्माण एवं विकास नियमों को लेकर आठ आपत्ति-सुझाव भी प्रस्तुत किए गए।



क्रेडाई भोपाल के पदाधिकारी सुझाव पत्र सौंपते हुए

क्रेडाई ने पुराने स्वीकृत लेआउट, पूर्व अनुमतियों और प्रस्तावित मार्गों के बीच समन्वय की जरूरत बताई है। संस्था के अनुसार, मास्टर प्लान में लंबे समय तक अनिश्चितता रहने से निवेश और विकास परियोजनाएं प्रभावित होती हैं। सुझावों में ग्रोथ कॉरिडोर, इनर और आउटर रिंग रोड, पश्चिमी रिंग रोड, सीहोर-मंडीदीप क्षेत्र के सड़क संपर्क, गांवों के वैकल्पिक मार्ग और किफायती आवास की व्यवहार्यता जैसे मुद्दे शामिल हैं।

'सुनवाई के बाद योजना को मिले अंतिम रूप'

क्रेडाई अध्यक्ष मनोज मीक और कोषाध्यक्ष संजीव ठाकुर ने एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्यों के विमर्श के बाद सुझाव सौंपे। मीक ने कहा कि भोपाल ने नई विकास योजना के लिए 21 साल इंतजार किया है और अब यह योजना अगले 21 साल का भविष्य तय करेगी।

एफएआर और टीडीआर के नियम व्यावहारिक बनाने की मांग

क्रेडाई ने अतिरिक्त निर्माण क्षमता , विकास अधिकार हस्तांतरण, पार्किंग, भवनों की ऊंचाई और खुले स्थानों के मानकों में व्यावहारिक तालमेल पर जोर दिया है। संस्था ने अपने खर्च से सड़क और बुनियादी ढांचा विकसित करने वालों को उसके अनुरूप एफएआर लाभ देने का प्रस्ताव भी रखा है।

हुरुन इंडिया यू35 लिस्ट में शिवानी वाघ 16वें स्थान पर

मुंबई। सुप्रिया लाइफसाइंस लिमिटेड की जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर शिवानी सतीश वाघ ने एवेंडस वेल्थ-हुरुन इंडिया यू35 लिस्ट 2026 में 16वां स्थान हासिल किया है। 35 वर्ष या



उससे कम उम्र के उद्यमियों और युवा बिजनेस लीडर्स की इस सूची में विभिन्न उद्योगों की उभरती हस्तियों को शामिल किया गया है। इस साल सूची में 180 बिजनेस लीडर्स को जगह मिली है, जबकि 2025 में यह संख्या 155 थी। हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, सूची में शामिल कारोबारों का कुल वैल्यूएशन सालाना 23 प्रतिशत बढ़कर 48 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। सूची में 71 प्रतिशत पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं। शिवानी वाघ 2014 में सुप्रिया लाइफ साइंस से जुड़ी थीं।

नाबार्ड देगा 4 करोड़ रुपए

प्रदेश के 600 युवाओं को जापान जर्मनी में रोजगार दिलाने की पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग के 600 ग्रामीण युवाओं के लिए जापान और जर्मनी में रोजगार के अवसरों का रास्ता खोलने की पहल की गई है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के जीरो कूपन जीरो प्रिंसिपल (जेडसीजेडपी) निर्गम के माध्यम से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर 4 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश सरकार के साथ साझेदारी में संचालित होगा। इसके तहत युवाओं को भाषा प्रशिक्षण, क्षेत्र-विशिष्ट कौशल विकास, सांस्कृतिक जानकारी और प्रमाणन उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही विदेश में नौकरी के लिए जरूरी दस्तावेज तैयार करने, प्लेसमेंट और तैनाती में भी सहायता मिलेगी।

प्रशिक्षण ही नहीं, नौकरी मिलने पर भी जोर

इस पहल में केवल प्रशिक्षण पूरा कराने के बजाय वास्तविक विदेशी नियुक्ति, रोजगार में निरंतरता और आजीविका में सुधार को प्राथमिकता दी जाएगी। लाभार्थियों की प्रगति पर निगरानी, नियमित रिपोर्टिंग और स्वतंत्र रूप से परिणामों के सत्यापन की व्यवस्था भी होगी। नाबार्ड का यह योगदान सोशल स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से सामाजिक विकास की परियोजनाओं को वित्त उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस मॉडल में बाजार से जुटाए गए संसाधनों, परिणाम-आधारित सार्वजनिक वित्तपोषण और लाभार्थियों की भागीदारी को जोड़ा गया है। इस पहल से ग्रामीण युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने और परिवारों की आय में सुधार की उम्मीद है।

डिलीवरी सेवाओं पर कर व्यवस्था को तर्कसंगत बनाने की सिफारिश

छोटे कारोबारियों को लागत और मुनाफे का हिसाब रखना होगा आसानः फोरम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑनलाइन कारोबार करने वाले छोटे व्यापारियों के लिए डिलीवरी खर्च का हिसाब रखना आसान हो सकता है। जीएसटी परिषद की ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के माध्यम से दी जाने वाली डिलीवरी सेवाओं पर कर व्यवस्था को तर्कसंगत बनाने की सिफारिश का इंडिया एसएमई फोरम ने स्वागत किया है। प्रस्तावित व्यवस्था में 5 प्रतिशत जीएसटी बिना इनपुट टैक्स क्रेडिट या 18 प्रतिशत जीएसटी आईटीसी के साथ देने का विकल्प होगा। इससे डिलीवरी सेवाओं पर कर व्यवस्था में एकरूपता लाने और कारोबारियों की लागत संबंधी अनिश्चितता घटाने की उम्मीद है। इंडिया एसएमई फोरम के मुताबिक, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सामान बेचने वाले छोटे कारोबारियों के लिए डिलीवरी की लागत मुनाफे को सीधे प्रभावित करती है। कर व्यवस्था में अंतर के कारण उत्पाद की कीमत तय करने और कारोबार बढ़ाने की योजना बनाने में मुश्किलें आती हैं।

सरल नियमों की मांग

फोरम अध्यक्ष विनोद कुमार ने कहा कि उत्पाद को ग्राहक तक पहुंचाने का खर्च निर्माण लागत जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि सदस्य पिछले डेढ़ साल से जीएसटी संवाद में ई-कॉमर्स डिलीवरी सेवाओं पर कर दरों के अंतर का मुद्दा उठाते रहे हैं। फोरम ने जीएसटी अनुपालन, आईटीसी रिफंड और पंजीकरण प्रक्रिया सरल बनाने पर भी जोर दिया है। इन बदलावों का लाभ छोटे कारोबारियों तक पहुंचा सकेंगी।

भारतीय स्टेट बैंक को लगातार दूसरे साल भी मिला 'विश्व का सर्वश्रेष्ठ कंज्यूमर बैंक'पुरस्कार

वाणिज्य डेस्क ▶▶ भोपाल

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन ने लगातार दूसरे साल 'विश्व का सर्वश्रेष्ठ कंज्यूमर बैंक 2026' चुना है। इसके साथ ही बैंक को लगातार पांचवीं बार 'भारत का सर्वश्रेष्ठ बैंक' का सम्मान भी मिला है। ये पुरस्कार डिजिटल नवाचार, बेहतर ग्राहक सेवाओं और वित्तीय समावेशन के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। एसबीआई को ये सम्मान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठक 2026 के दौरान आयोजित 'वल्र्ड्स बेस्ट बैंक अवॉर्ड्स' समारोह में प्रदान किए गए। पुरस्कारों के लिए चयन व्यापक संपादकीय शोध और दुनिया भर के बैंकिंग सलाहकारों, कॉरपोरेट वित्त अधिकारियों, विश्लेषकों तथा उद्योग विशेषज्ञों की राय के आधार पर किया जाता है। जाता है।

एसबीआई के चेयरमैन चाल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने कहा कि ये पुरस्कार इस बात का प्रमाण हैं कि किसी राष्ट्रीय संस्थान की क्षमताएं जब देश की आकांक्षाओं से जुड़ती हैं, तो बड़े परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बैंक का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक भरोसेमंद, सुविधाजनक और सुलभ बैंकिंग सेवाएं पहुंचाना है। डिजिटल तकनीक और कर्मचारियों के व्यक्तिगत जुड़ाव के जरिए बैंक ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्राहकों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए एसबीआई ने देशभर में 300 से अधिक नई शाखाएं भी खोली हैं। बैंक भारत के साथ 29 देशों में सेवाएं दे रहा है और उसके ग्राहक आधार में करीब 50 करोड़ लोग शामिल हैं।

दिवाली पर 11 रुपए में पटाखों का बीमा

भोपाल। दिवाली पर पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं के जोखिम को देखते हुए फोनपे ने लगातार तीसरे साल फायर क्रेकर इंश्योरेंस योजना शुरू की है। इसके तहत मात्र 11 रुपए से बीमा लेकर 25 हजार रुपए तक का मेडिकल कवरेज प्राप्त किया जा सकता है। आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस द्वारा समर्थित यह योजना फोनपे ऐप पर उपलब्ध है। इसका उद्देश्य पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं की स्थिति में लोगों को आर्थिक सुरक्षा देना है।

राशिफल

मेष धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

मोटोरोला के स्मार्टफोन पर विशेष ऑफर

नई दिल्ली। मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज सेल 2026 के दूसरे चरण 'बिग बिलियन मोटो डील्स, वेव 2' के तहत विशेष त्योहारी ऑफर घोषित किए हैं। मोटोरोला एज 70 फ्यूजन की शुरुआती कीमत 29,749 रुपए, एज 70 प्रो की 36,999 रुपए और एज 70 प्रो प्लस की 44,999 रुपए है। वहीं, मोटो जी37 पावर की शुरुआती कीमत 15,499 रुपए मोटो जी मैक्स की कीमत 19,999 रुपए रखी गई है। बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित कैमरा, दमदार बैटरी, तेज चार्जिंग और प्रीमियम डिस्प्ले जैसे फीचर दिए गए हैं।

एक्सिस बैंक का हाई परफॉर्मेंस सेंटर शुरू

मुंबई। एक्सिस बैंक और लक्ष्य शूटिंग क्लब ने नवी मुंबई के सीबीडी बेलापुर में हाई परफॉर्मेंस सेंटर की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य भारतीय निशानेबाजों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराना और ओलंपिक व पैरालंपिक खेलों की तैयारियों को मजबूत करना है। छह मंजिला इस केंद्र में 10 मीटर की दो शूटिंग रेंज, शारीरिक क्षमता प्रशिक्षण और रिकवरी आदि सुविधाएं होंगी।

एयू स्मॉल बैंक के मुनाफे में 53 फीसदी की वृद्धि

मुंबई। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। 30 सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 53 फीसदी बढ़कर 858 करोड़ रुपए हो गया। शुद्ध ब्याज आय भी 32 फीसदी बढ़कर 2,820 करोड़ रुपये पहुंच गई। बैंक की कुल जमा राशि सालाना आधार पर 28.6 फीसदी बढ़कर 1,70,460 करोड़ रुपए रही। जबकि सकल ऋण पोर्टफोलियो 25.1 फीसदी की वृद्धि के साथ 1,53,769 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। शुद्ध ब्याज मार्जिन 5.8 फीसदी रहा और क्रेडिट लागत घटकर 0.8 फीसदी रह गई।

अजीम प्रेमजी विवि में 2027 सत्र के प्रवेश शुरू, 20 नवंबर तक आवेदन

बेंगलुरु । अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2027 के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय के बेंगलुरु, भोपाल और रांची परिसरों में विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम उपलब्ध होंगे। राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थी 20 नवंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा 20 दिसंबर को होगी। बेंगलुरु परिसर में शिक्षा, विकास, अर्थशास्त्र और जलवायु परिवर्तन एवं सततता सहित विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित होंगे। भोपाल परिसर में शिक्षा और जन स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

एयरटेल डिजिटल टीवी पर अब मिलेगा सोनी विजा

नई दिल्ली। एयरटेल डिजिटल टीवी ने अपने तमिल मनोरंजन पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए नए तमिल मनोरंजन चैनल सोनी विजा को शामिल किया है। इस पहल के तहत अब एयरटेल डिजिटल टीवी के ग्राहक तमिल भाषा में पारिवारिक धारावाहिकों, रियलिटी शो और मौलिक कार्यक्रमों का आनंद ले सकेंगे। त्योहारी सीजन में परिवारों को एक साथ मनोरंजन का अवसर देने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल एयरटेल डिजिटल टीवी की क्षेत्रीय भाषा में सामग्री उपलब्ध कराने की रणनीति का हिस्सा है।



शब्द पहेली - 6389

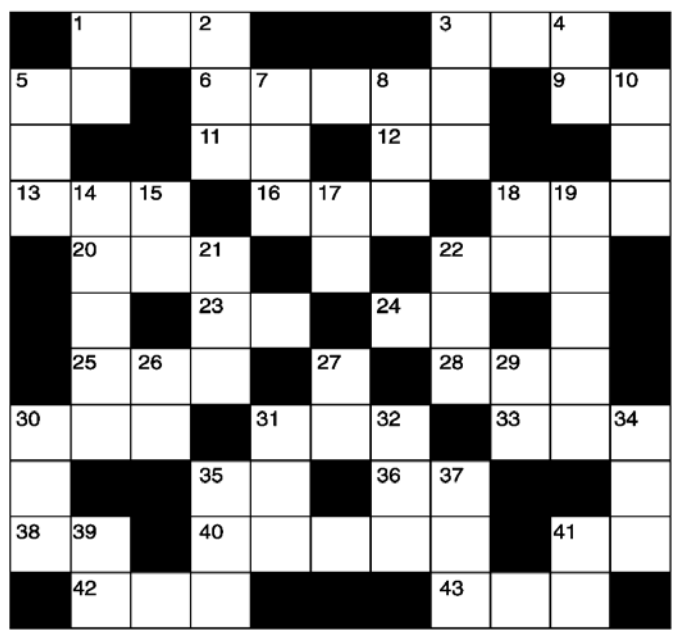

बाएँ से दाए-
1. सेवक, दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला, जाम-2
11. टोंटी, नलका-2
12. आनंद, जूस-2
13. प्रतिज्ञा, शपथ-3
16. सिमरन, सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन, लेखनी-3
22. कमल, जलज-3
23. क्रोध, गुस्सा-2
24. पाश, फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव, प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे
1. उर्वरक-2
2. विशाल, श्रेष्ठ-3
3. धनवान, संपन्न-3
4. घ्राणेंद्रिय, इज्जत-2
5. दैत्य, असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार, पार लगाना-3
10. शरण, आश्रय-3
14. चूर-चूर, ढहा-5
15. टोंटी, नलका-2
17. युद्ध, संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र, दोस्त, मीत-2
27. हूर, अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष, पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर, नैहर-3
34. युक्तिवाद, पैरवी-3
35. टब, परात, तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत, तह-2
41. कदर, सम्मान-2

शब्द पहेली -6388 का हल

क	म	ला	का	र			कु	रा	न
था	न		र		कै	ला	श		भ	ला
वा			खा	वि	द		ल			य
च	म	क	ना			त		क	स	क
क		या		क	ल	क	ल		ली	
	आ	स		ल		रा		शा	म	
	रा		क	र	ता	र		म		ख
श	म	न		व			म	त	ल	ब
ह			म		दा	म	न			र
र	थ			ग	र	म		च		दा	दा
	ल	की	र				स	ली	के	दा	र

सूडोकु नवताल- 6399

सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6398 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1



किंग में शाहरुख के खूंखार लुक ने मचाया तहलका

मुंबई। शाहरुख खान की धमाकेदार वापसी होने वाली है। 24 दिसंबर को रिलीज होने वाली उनकी एक्शन फिल्म 'किंग' के 17 सेकंड के नए टीजर में वे काफी रफ और खूंखार लुक में नजर आ रहे हैं। 'किंग' के नए वीडियो में शाहरुख खान के बाल सफेद-काले हैं, होंठ से खून बह रहा है और उन्होंने अपने दांतों के बीच 'किंग ऑफ स्पेड्स' यानी हुकुम का इक्का कार्ड दबा रखा है। काउंटडाउन वीडियो के आखिर में लिखा आता है- 'पिक्चर अभी बाकी है!' जो उनकी फिल्म 'ओम शांति ओम' के उस यादगार डायलॉग की याद दिलाता है। 'किंग' के नए काउंटडाउन वीडियो में आपको शाहरुख खान का खूंखार लुक देखने को मिलेगा।

लाइफ Style

अदिति

अदाकारी के साथ ग्लैमर्स का बिखेरा जलवा

हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर अभिनेता मनोज बाजपेयी स्टारर फिल्म गजब रात को रिलीज किया गया। क्राइम थ्रिलर के तौर पर गजब रात की सिनेमाई गलियारे में खूब चर्चा हो रही है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ठीक उसी तरह से इस ओटीटी मूवी में महिला पत्रकार आर्या साहनी का किरदार निभाने वाली अदाकारा का नाम भी लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। फिल्म गजब राज को क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। साथ ही जिस तरह से इस मूवी में आर्या साहनी का किरदार अभिनेत्री अदिति संध्या शर्मा ने निभाया है, उसकी भी प्रशंसा हर कोई कर रहा है। अदिति ने अपनी शानदार अदाकारी के साथ-साथ ग्लैमर्स का जलवा भी बखूबी बिखेरा है।गजब रात में अदिति महिला पत्रकार आर्या साहनी के मजबूत कैरेक्टर में नजर आई हैं और इस ओटीटी मूवी की कहानी उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमती रहती है। आपको बता दें कि अदिति रायपुर छत्तीसगढ़ की रहने वालीं और फिल्मी दुनिया में कदम रखने से वह मिसे छत्तीसगढ़ का ब्यूटी कॉन्सेस्ट अपने नाम कर चुकी हैं। फिल्म गजब रात से पहले वह अभिनेता शाहिद कपूर की क्राइम थ्रिलर देवा में अहम किरदार निभाते हुई नजर आई हैं। इसके अलावा सुपरस्टार ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फाइटर में भी अदिति मौजूद रहीं। इतना ही नहीं वह रणबीर सिंह के साथ एक टीवी ऐड में दिखाई दे चुकी हैं।



हॉलीवुड मसाला



स्विफ्ट-केल्सी के तलाक पर ली चुटकी

नई दिल्ली। एक लाइक ने सोशल मीडिया पर बवाल मचा दिया है। हॉलीवुड सिंगर टेलर स्विफ्ट के पति ट्रैविस केल्सी ने 'सैटरडे नाइट लाइव' शो में शेन गिलिस के उस मोनोलॉग की क्लिप को लाइक किया है, जिसमें उन्होंने महिलाओं के जिम में पहनावे को लेकर अभद्र टिप्पणी की थी। इस वायरल क्लिप के बाद शेन गिलिस को काफी आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा था। अब हाल ही 'बारस्टूल स्पोर्ट्स' ने महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी को लेकर सिंगर टेलर स्विफ्ट पर निशाना साधते हुए ट्रैविस केल्सी के साथ उनके तलाक को लेकर मजाक उड़ाया।



डेनियल की जगह लेने की रेस में शामिल दो सितारे

नई दिल्ली। 15 साल के लंबे सफर में डेनियल क्रेग ने लगभग 5 फिल्मों में जेम्स बॉन्ड का किरदार अदा किया। हॉलीवुड अभिनेता को इस भूमिका में इतना प्यार मिला कि जब डेनियल ने 'नो टाइम टू डाई' के बाद जेम्स बॉन्ड को अलविदा कहा तो फैंस का दिल टूट गया। जेम्स बॉन्ड के आइकॉनिक किरदार के लिए अमेजन एमजीएम स्टूडियो एक लंबे समय से नए चेहरे की तलाश कर रहा था। दुनिया के मोस्ट फेमस जासूस जेम्स बॉन्ड के किरदार के लिए कई बड़े हॉलीवुड एक्टर्स में होड़ है। रिपोर्ट्स की मानें तो रॉम-कॉम 'वन नाइट ओनली' में नजर आए 'कैलम टर्नर' और 'स्लो हॉर्सेस' के अभिनेता 'जैक लोडेन' जेम्स बॉन्ड बनने की रेस में सबसे आगे हैं, जिनका इस किरदार के लिए स्क्रीन टेस्ट हो रहा है। ये स्क्रीन टेस्ट लंदन में इस वीकेंड पर हो रहा है।



'मौजा ही मौजा' में नजर आएंगी राशि

मुंबई। साउथ की चर्चित अभिनेत्री राशि खन्ना जल्द ही अक्षय कुमार की फिल्म 'मौजा ही मौजा' में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग उन्होंने पूरी कर ली है और सेट से कुछ झलकियां शेयर करते हुए खुशी जताई है। राशि खन्ना ने आज शनिवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की है। साथ ही लंबा नोट लिखा है। राशि ने लिखा है, 'हर फिल्म की एक कहानी स्क्रीन पर होती है, लेकिन कभी-कभी असली मजा तब आता है, जब कैमरा चल नहीं रहा होता'। अभिनेत्री ने आगे लिखा है,'फिल्म 'मौजा ही मौजा' उन शूट्स में से एक था, जो काम से ज्यादा छुट्टी जैसा लगा। बिना रुके हंसी से लेकर लूडो गेम्स, डंब चारेड्स, कैरम मैच और बीच-बीच में होने वाले सारे पागलपन तक, कभी कोई पल बोरिंग नहीं था'।



रामायण का नया गाना मंगल रंग जारी

मुंबई। अपकमिंग फिल्म 'रामायण' का नया गाना 'मंगल रंग' रविवार को रिलीज हो गया है। इसमें दर्शकों को भगवान राम और माता सीता के रूप में रणबीर कपूर और साई पल्लवी की झलक देखने को मिली है। इस गाने को अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने आवाज दी है। इसे ए.आर. रहमान ने कंपोज किया है। गाने के बोल कुमार विश्वास ने लिखे हैं। इससे पहले चेन्नई में हुए एक लॉन्च इवेंट में भी इस गाने को दिखाया गया था, जहां इसके संगीत और दृश्यों ने लोगों में काफी उत्साह पैदा किया। 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही इस फिल्म में 'मंगल रंग' एक और शानदार संगीतमय आकर्षण जोड़ता है। 25 अक्टूबर को जारिए किए गए 'मंगल गीत' गाने में राम और सीता के विवाह को दर्शाया गया है।

टीवी मसाला



करण के शो पर पहुंचे वरुण जान्हवी, अर्जुन भी देंगे दिखाई

नई दिल्ली। करण जौहर का पॉपुलर चैट शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' काफी सुर्खियों में बना हुआ है। अभी तक इसके दो एपिसोड आ चुके हैं। पहले एपिसोड में सलमान खान बतौर गेस्ट नजर आए थे और दूसरे एपिसोड में विजय और रश्मिका की जोड़ी दिखाई दी थी। वहीं, अब इसके तीसरे एपिसोड में वरुण धवन और जान्हवी कपूर नजर आने वाले हैं। दोनों करण के साथ जमकर मस्ती करते दिखाई देंगे। शो के प्रोमो में वरुण और जान्हवी एक-दूसरे की टांग खींचने के साथ करण जौहर का भी मजाक उड़ाते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा अर्जुन कपूर की सरप्राइज एंट्री ने इस एपिसोड को और भी मजेदार बना दिया है। शो के प्रोमो में देखने को मिला कि वरुण और जान्हवी उस समय को याद करते हैं, जब करण जौहर ने दोनों से बात करना बंद कर दिया था। जान्हवी बताती हैं कि उस दौरान उनका वजन बढ़ गया था। वहीं वरुण, करण को 'बहुत ड्रामेबाज' बताते हैं। इतना ही नहीं, वरुण, करण की नकल भी उतारते हैं और उनकी तुलना फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' के अमिताभ बच्चन के किरदार से कर देते हैं। वरुण मजाकिया अंदाज में कहते हैं, 'आप केअजी वाले बच्चन बन गए थे... मैं बड़ा हूं, मुझे हक है।' शो में मस्ती का सिलसिला यहीं खत्म नहीं होता। अर्जुन कपूर भी सरप्राइज एंट्री करते हैं। रैपिड फायर राउंड के दौरान जब करण करियर और शादी से जुड़े सवाल करते हैं, तो दोनों में वरुण धवन, अर्जुन कपूर का नाम लेते हैं। वहीं, जान्हवी कपूर एक मजेदार खुलासा करती हैं।

गर्लफ्रेंड काशवी ने स्काउट को लताड़ा

नई दिल्ली। सलमान खान का शो बिग बॉस 20 काफी चर्चा में है। इस बार शो के वीकएंड का वार को सलमान खान के बजाए निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी ने होस्ट किया है। शेट्टी ने स्काउट और लव गिल को 'ब्लैंकेट मसाज'के लिए फटकार लगाई। शो में स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी भी पहुंचीं। वह स्काउट पर काफी नाराज हुईं। वीकएंड का वार का एक प्रोमो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी बिग बॉस के घर में आती हैं। वह स्काउट से पूछती हैं कि मसाज पार्लर कैसा चल रहा है। इसके बाद वह लव गिल से कहती हैं कि क्या सच में आप अपने मुंह बोले भाइयों के साथ ऐसा करती हो? इस पर लव गिल कहती हैं कि मेरे लिए यह नॉर्मल था क्योंकि मुझे दर्द हो रहा है।



परिणीति की सीरीज से हटाए गए अनूप के एक्शन सीन

अभिनेता अनूप सोनी हाल ही में नेटफ्लिक्स की मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' में नजर आए थे। इस सीरीज में परिणीति चोपड़ा और जेनिफर विंगेट भी अहम भूमिकाओं में थीं। शो में इंस्पेक्टर खुराना का किरदार निभाने वाले अनूप सोनी ने अब अपने कुछ सीन डिलीट किए जाने पर निराशा जाहिर की है।

मुंबई। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर अपने डिलीट हुए सीन के वीडियो शेयर किए और बताया कि ऐसे सीक्वेंस तैयार करने में कितनी मेहनत लगती है, लेकिन कई बार इन्हें फाइनल कट में जगह नहीं मिल पाती। अनूप सोनी ने इंस्टाग्राम पर सीरीज से हटाए गए कुछ एक्शन सीक्वेंस की झलक दिखाई है।

एक वीडियो में घायल अनूप सोनी पर उनके को-स्टार विक्की अरोड़ा हमला करते नजर आ रहे हैं। इसके बाद एक सीन में अनूप उनका गला दबाते दिखाई देते हैं। वहीं, दूसरे वीडियो में एक्टर की कमर पर कैमरा बंधा हुआ है और वह हांफते हुए नजर आ रहे हैं। इन सीन्स को शूट करने के लिए एक्टर ने काफी मेहनत की थी, लेकिन इन्हें सीरीज के फाइनल वर्जन में शामिल नहीं किया गया। इन वीडियो को शेयर करते हुए अनूप सोनी ने लिखा, 'शक से खुराना साहब के कुछ ऐसे सीक्वेंस, जो फाइनल वर्जन का हिस्सा नहीं बन पाए। ऐसे



सीक्वेंस तैयार करने में काफी सोच-विचार, समय, मेहनत और संसाधन लगते हैं। इसमें राइटर्स, डायरेक्टर, एक्शन कोरियोग्राफर, एक्टर्स, सिनेमैटोग्राफर, प्रोड्यूसर और पूरी क्रू टीम का योगदान होता है।' हालांकि, अनूप सोनी ने यह भी माना कि फिल्म मेकिंग में इस तरह के फैसले लेना आम बात है। उन्होंने आगे लिखा, 'जब कोई सीक्वेंस फाइनल कट में जगह नहीं बना पाता, तो थोड़ी निराशा जरूर होती है। लेकिन फिल्म मेकिंग में पूरी कहानी को ध्यान में रखना जरूरी होता है।

म्यूजिकल लव स्टोरी में आदित्य संग रोमांस करेंगी तारा, पहली बार साथ आएंगे नजर

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और अभिनेत्री तारा सुतारिया जल्द ही बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। दोनों फिल्म निर्माता भूषण कुमार की आगामी इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में लीड रोल प्ले करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी करेंगे। वहीं, शिव चानना को-प्रोड्यूसर के तौर पर फिल्म से जुड़े हैं।

नई दिल्ली। यह फिल्म प्यार, भावनाओं और संगीत से भरपूर होने वाली है। खास बात यह है कि दर्शकों को आदित्य और तारा की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने को मिलेगी। आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड में अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए खास पहचान रखते हैं। 'आशिकी 2' जैसी फिल्म में उनके अभिनय और रोमांटिक अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वहीं तारा सुतारिया भी अपनी खूबसूरती, अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में दोनों को एक इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा। इस प्रोजेक्ट में तारा 'मरजावां' के बाद भूषण कुमार और मिलाप मिलन जवेरी के साथ फिर से



काम कर रही हैं । उन्होंने पहले भी टी-सीरीज के साथ 'एक विलेन रिटर्न्स' में काम किया था और अब यह बैनर के साथ उनका तीसरा काम है। एक रॉ और इमोशनल लव स्टोरी के सेंटर में, इस फिल्म का मकसद लड़ाई और हाई-स्टेक ड्रामा के बैकग्राउंड में रोमांस को दिखाना है। निर्माताओं की योजना के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होगी और इसे 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म के आधिकारिक नाम और रिलीज डेट की घोषणा होना बाकी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की यह नई रोमांटिक जोड़ी बड़े पर्दे पर दर्शकों का दिल जीतने में कितनी सफल होती है।

महिला किरदारों ने दिखाई ताकत, दर्शकों ने अपनाईं ये महिला केंद्रित फिल्में

मदर इंडिया से नई नवेली तक, कहीं जिद तो कहीं हौसले की उड़ान

नई दिल्ली। यामी गौतम स्टारर फिल्म 'नई नवेली' ने आठ दिनों में दुनियाभर में करीब 30 करोड़ रुपए का कारोबार कर लिया है। यह मूवी 'प्रहार' जैसी फिल्मों को टक्कर दे रही है। बालाजी मोहन के निर्देशन में बनी यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' एक हॉरर-कॉमेडी है, जिसमें अभिनेत्री ने मोहिनी नाम की रहस्यमयी बहू का किरदार निभाया है, जिसे देखने के बाद डर का माहौल बनने लगता है। ऐसे में फिल्म की कहानी, कमाई और एक्ट्रेस के अभिनय ने इसे एक बार फिर बॉलीवुड की महिला प्रधान फिल्मों को चर्चा में ला दिया है। कभी हीरो के नाम पर टिकट बेचने वाली इंडस्ट्री में अब अभिनेत्रियां भी अपने दम पर दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रही हैं। ऐसे में आइए इस फिल्म के साथ-साथ अब जानते हैं उन चर्चित वुमन सेंट्रिक फिल्मों के बारे में, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल करने के साथ महिला किरदारों की ताकत भी दिखाई।



मदर इंडिया : नरगिस स्टारर 'मदर इंडिया' भारतीय सिनेमा की सबसे यादगार महिला प्रधान फिल्मों में शामिल है। महबूब खान के निर्देशन में बनी यह फिल्म राधा नाम की महिला की कहानी है, जो गरीबी, कर्ज और सामाजिक मुश्किलों के बीच अपने बच्चों की परवरिश करती है। पति के साथ छोड़ जाने के बाद भी राधा हार नहीं मानती और अकेले अपने परिवार की जिम्मेदारी उठाती है। फिल्म में एक मां के संघर्ष, स्वाभिमान और न्याय के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दिखाया गया है। कहानी में ऐसा मोड़ भी आता है, जब राधा को अपने बेटे के खिलाफ कठोर फैसला लेना पड़ता है। नरगिस के दमदार अभिनय ने इस किरदार को अमर बना दिया। 'मदर इंडिया' सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की फिल्म की श्रेणी में ऑस्कर के लिए नामांकित होने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी थी।

मिर्च मसाला : केतन मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म 'मिर्च मसाला' महिलाओं के साहस, आत्मसम्मान और अन्याय के खिलाफ संघर्ष की कहानी है। फिल्म में स्मिता पाटिल ने सोनबाई का किरदार निभाया है, जो एक ताकतवर सूबेदार की बुरी नजरों का शिकार होती है। हालांकि, वह उसके सामने झुकने के बजाय उसका डटकर मुकाबला करती है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे एक महिला अपने सम्मान की रक्षा के लिए समाज की रूढ़िवादी सोच और पुरुष प्रधान व्यवस्था को चुनौती देती है। यह फिल्म महिला एकजुटता और सशक्तिकरण का मजबूत संदेश देती है।

दामिनी : राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी फिल्म 'दामिनी' एक ऐसी महिला की कहानी है, जो सच और इंसाफ के लिए अपने परिवार और समाज के खिलाफ खड़ी हो जाती है। फिल्म में मीनाक्षी शेषाद्रि ने दामिनी का किरदार निभाया है। दामिनी अपने घर में काम करने वाली एक युवती के साथ हुए दुष्कर्म की गवाह बनती है और उसे न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करती है। इस लड़ाई में उसे कई मुश्किलों, धमकियों और पारिवारिक दबाव का सामना करना पड़ता है, लेकिन वह हार नहीं मानती। यह फिल्म महिलाओं के साहस, न्याय और सच्चाई के लिए लड़ने की ताकत को दर्शाती है।

इंग्लिश विंग्लिश : श्रीदेवी स्टारर 'इंग्लिश विंग्लिश' एक साधारण गृहिणी के आत्मविश्वास और आत्मसम्मान की खूबसूरत कहानी है। गौरी शिंदे के निर्देशन में बनी इस फिल्म में श्रीदेवी ने शशि नाम की महिला का किरदार निभाया है, जो अपने परिवार का पूरा ध्यान रखती है, लेकिन अंग्रेजी नहीं बोल पाने के कारण उसे घर में ही मजाक का सामना करना पड़ता है। जब शशि अमेरिका जाती है, तो वह अंग्रेजी सीखने का फैसला करती है। लंबे अंतराल के बाद श्रीदेवी की इस फिल्म से वापसी हुई थी और उनके अभिनय को खूब सराहा गया।

कहानी : विद्या बालन की 'कहानी' महिला प्रधान सस्पेंस फिल्मों की बेहतरीन मिसाल मानी जाती है। सुजॉय घोष के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विद्या ने एक गर्भवती महिला का किरदार निभाया, जो अपने लापता पति की तलाश में कोलकाता पहुंचती है। फिल्म ने भारत में लगभग 51.55 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। कम बजट, मजबूत पटकथा और शानदार अभिनय के दम पर फिल्म सफल रही।

गंगूबाई काठियावाड़ी : संजय लीला भंसाली की 'गंगूबाई काठियावाड़ी' ने साबित किया कि बड़े बजट की फिल्म को सफल बनाने के लिए पुरुष सुपरस्टार का होना जरूरी नहीं है। आलिया भट्ट ने गंगूबाई के किरदार में अपनी अभिनय क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया।



13 वर्षीय ओजस्वनी ने रचा इतिहास

इंडियन ओपन के कट में प्रवेश

एजेंसी ▶▶| गुरुग्राम

भारत की 13 वर्षीय गोल्फर ओजस्वनी सारस्वत ने महिला यूरोपीय टूर (एलईटी) प्रतियोगिता इंडियन ओपन के कट में जगह बनाकर पहले ही इतिहास रच दिया है और अब उनका लक्ष्य विश्व में नंबर एक खिलाड़ी बनने और अपने आदर्श नीरज चोपड़ा की तरह ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतना है। ओजस्वनी महिला गोल्फ के इतिहास में एलईटी प्रतियोगिता में कट बनाने वाली दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं।

उनसे पहले आरिया जुतानगर्न ने 2008 में 12 साल की उम्र में फिनएयर मास्टर्स के कट में जबह बनाकर यह उपलब्धि हासिल की थी।

विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनना लक्ष्य

ओजस्वनी ने कहा, 'कट में जगह बनाकर मैं बहुत खुश हूं। यह तो बस शुरुआत है। मेरा लक्ष्य भारत में और फिर विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनना है। मैं एक दिन विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहती हूं।' उन्होंने कहा, ' मैं भारत की ध्वजवाहक बनना चाहती हूं और ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना चाहती हूं। यह मेरा सबसे बड़ा सपना है।'

नीरज चोपड़ा मेरे प्रेरणास्रोत : ओजस्वनी

ओजस्वनी ने कहा, 'नीरज चोपड़ा मेरे प्रेरणास्रोत हैं क्योंकि वह ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। मैंने उनकी मानसिकता को समझा है। मुझे लगता है कि सभी खेल काफी हद तक एक जैसे होते हैं और इसलिए मानसिकता भी लगभग एक जैसी ही होती है। जब उन्होंने स्वर्ण पदक जीता तो वह मेरे प्रेरणास्रोत बन गए।'

जापान ओपन की नई क्वींन बनीं कैटरीना

फाइनल में यूएसए की एशलिन क्रूगर को हराया



एजेंसी ▶▶| ओसाका

चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने रविवार को सीधे सेटों में जीत हासिल करने जापान ओपन के रूप में तीन साल में अपना पहला एकल खिताब जीता। सिनियाकोवा ने फाइनल में एशलीन क्रूगर को आसानी से 6-1, 6-0 से हराया। यह मैच 64 मिनट तक चला।

लगातार 10 गेम जीतकर मुकाबले किया अपने नाम

मैच में शुरुआती बढ़त 2-1 होने के बाद सिनियाकोवा ने लगातार 10 गेम जीतकर मुकाबले को अपने नाम किया। डबल्स रैंकिंग में दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी सिनियाकोवा ने 16 विनर्स लगाए, जबकि उन्होंने 19 अनफोर्स्ड एरर (बिना दबाव की गई गलतियां) कीं। वहीं, अपने तीसरे डब्ल्यूटीए टूर-लेवल फाइनल में खेल रहीं एशलिन क्रूगर 10 विनर्स ही लगा सकीं और उनसे 34 अनफोर्स्ड एरर हुए, जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। तीन वर्षों में यह सिनियाकोवा का पहला टूर-लेवल सिंगल्स फाइनल था। वह 2016 में 'जापान विमेंस ओपन' (मौजूदा टूर्नामेंट का ही पुराना रूप) में उपविजेता रही थीं, इस तरह 10 साल बाद वह फिर से यहां फाइनल में पहुंचीं।

मैंने सच में मैच का आनंद लिया

सिनियाकोवा ने कहा, मुझे याद नहीं कि मैंने आखिरी बार कब इतना अच्छा खेला था। सब कुछ मेरे पक्ष में हो रहा था, इसलिए मैंने सच में इसका आनंद लिया। मुझमें बहुत आत्मविश्वास था। मैंने जिस तरह से खेला, उस पर मुझे बहुत गर्व है।

1 घंटा 16 मिनट चले मुकाबले में रयबाकिना ने फर्नांडीज को दी मात

निंगबो ओपन में रयबाकिना का दबदबा जीता साल का शानदार चौथा खिताब



एजेंसी ▶▶| निंगबो

दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी एलेना रयबाकिना ने कनाडा की लेयला फर्नांडीज को हराकर 'निंगबो ओपन' खिताब बरकरार रखा। रविवार को निंगबो स्थित सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में रयबाकिना ने फर्नांडीज को 6-2, 6-2 से मात दी।

यह मुकाबला 1 घंटा 16 मिनट तक चला। इस जीत के साथ रयबाकिना ने इस साल अपना चौथा खिताब जीता। रयबाकिना ने मैच के दौरान वर्ल्ड नंबर-30 खिलाड़ी फर्नांडीज की सर्विस को चार बार तोड़ा (हर सेट में दो-दो बार), और इस तरह निंगबो में लगातार दूसरी बार खिताब जीता।

बेहतरीन फॉर्म में रयबाकिना

कजाकिस्तान की खिलाड़ी एलेना रयबाकिना को पहले सेट की शुरुआत में थोड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जब उन्हें लगातार ब्रेक प्वाइंट्स बचाने पड़े। हालांकि, उन्होंने शानदार खेल दिखाया और लगातार पांच गेम जीतकर पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी रयबाकिना बेहतरीन फॉर्म में दिखीं और अपना दबदबा बनाए रखा। वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी ने दूसरे सेट में फर्नांडीज की सर्विस दो बार तोड़ी और आसानी से मैच जीत लिया।



यहां का माहौल शानदार : एलेना

खिताबी जीत के बाद रयबाकिना ने कहा, आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। यहां का माहौल शानदार है। आप लोगों के सामने खेलकर बहुत अच्छा लगता है। आप लोग हमेशा मुझे खेलते रहने के लिए काफी प्रेरणा और ऊर्जा देते हैं। यहां खेलते हुए यह मेरा दूसरा साल है और यह मेरी दूसरी जीत है। यह जगह मेरे लिए बहुत खास है। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद।

एलेना के कॅरियर का 15वां टूर-लेवल खिताब

यह इस सीजन में उनका चौथा खिताब है और उनके कॅरियर का 15वां टूर-लेवल खिताब है। अब उनके नाम सात डब्ल्यूटीए 500 ट्रॉफी हो गई हैं, जिनमें से दो निंगबो में जीती गई हैं। इससे पहले, इस साल रयबाकिना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन, स्टटगार्ट और यूएस ओपन जीता था। फ्लशिंग मीडोज (यूएस ओपन) के दौरान ही वह 'वर्ल्ड नंबर 1' खिलाड़ी बनी थीं। यह कनाडाई खिलाड़ी के खिलाफ रयबाकिना की लगातार तीसरी टूर-लेवल जीत है। 'हेड-टू-हेड' मुकाबलों में अब रयबाकिना 4-2 से आगे हैं। कजाख खिलाड़ी ने पिछले साल निंगबो में भी जीत हासिल की थी और अब वह एशियन डब्ल्यूटीए 500 इवेंट में लगातार 8 जीत (8-0) के सिलसिले पर हैं।

अल्माटी ओपन : युकी ने जीता युगल का खिताब



अल्माटी। भारत के नंबर एक युगल खिलाड़ी युकी भांबरी ने अमेरिका के अपने जोड़ीदार रयान सेगरमैन के साथ मिलकर अल्माटी ओपन एटीपी 250 टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल का खिताब जीता। भारत और अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने ऑस्ट्रिया के लुकास मीडलर और नील ओबरलीट्नर की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को एक रोमांचक फाइनल में 7-6(3), 6-7(1), 10-2 से हराया। भांबरी का यह वर्ष 2026 का पहला एटीपी टूर खिताब है। यह एटीपी टूर पर उनका करियर का कुल पांचवा युगल खिताब है। भांबरी ने इससे पहले 2023 में मालोर्का में, 2024 में गस्टाड और म्यूनिख में और 2025 में एटीपी 500 दुबई टूर्नामेंट में एटीपी 250 खिताब जीते थे।

न्यूजीलैंड के अपने साथी माइकल वीनस के साथ एटीपी 250 जिनेवा ओपन में उपविजेता रहने के बाद 34 वर्षीय भांबरी का एटीपी टूर्नामेंट में यह इस सत्र का दूसरा फाइनल था। भांबरी फरवरी में अपने करियर की सर्वोच्च रैंकिंग 18 पर पहुंचे थे लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन अनुकूल नहीं रहा, जिससे वह शीर्ष 40 से बाहर हो गए।

खबर संक्षेप



22 नवंबर को असम राइफल्स हाफ मैराथन

नई दिल्ली। असम राइफल्स की छठी हाफ मैराथन 22 नवंबर को शिलांग में आयोजित की जाएगी, जिसमें रिकॉर्ड भागीदारी होने की उम्मीद है। असम राइफल्स हाफ मैराथन (एआरएचएम) के दौरान शिलांग में सरकार, सशस्त्र बलों और विभिन्न क्षेत्रों से कई गणमान्य व्यक्तियों के उपस्थित होने की उम्मीद है। इस हाफ मैराथन में 12 से लेकर 60 वर्ष से अधिक आयु के 4000 से अधिक धावक तीन अलग-अलग वर्गों पांच किमी, 10 किमी और 21 किमी में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसकी पुरस्कार राशि 25 लाख रुपए है। यह घोषणा दिल्ली कैंट स्थित असम राइफल्स कार्यालय में उद्घाटन समारोह के दौरान की गई। असम राइफल्स हाफ मैराथन की शुरुआत 2021 में की गई थी।

कश्मीर मैराथन में शामिल हुए सैकड़ों प्रतिभागी



श्रीनगर। कश्मीर मैराथन के तीसरे सत्र में रविवार को सैकड़ों पुरुषों और महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों ने हिस्सा लिया, जिसे जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़े एथलेटिक्स आयोजनों में से एक माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने विभिन्न श्रेणियों में पदक जीतने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक प्रतिभागी के दृढ़ संकल्प और जज्बे का भी उत्सव मनाया गया।

फ्रेंच ओपन

खिताबी मुकाबले में चूकीं सिंधू आन से यंग बनीं चैंपियन



एजेंसी ▶▶| पेरिस

पीवी सिंधू ने रविवार को 9.5 लाख अमेरिकी डॉलर के फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग से तीन गेम में हारकर उपविजेता रहीं। भारतीय खिलाड़ी को ओलंपिक चैंपियन आन से यंग के खिलाफ 21-16, 11-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ आन ने अपना चौथा फ्रेंच ओपन खिताब और इस सत्र का 11वां खिताब अपने नाम किया।

20 मिनट में जीता पहला गेम

सिंधू ने शानदार शुरुआत की और अपनी लंबाई तथा आक्रामक शॉट्स का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए 20 मिनट में पहला गेम जीत लिया। उनके करियर में यह केवल दूसरी बार था जब वह कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ कोई गेम जीतने में सफल रही थीं। हालांकि आन के खिलाफ 11 मुकाबलों में वह अब तक उन्हें एक बार भी नहीं हरा पाई हैं। दोनों खिलाड़ियों के बीच नेट पर कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। एक समय स्कोर 4-4 से 7-7 तक पहुंच गया। ऐसे ही एक रैली के दौरान आन के शॉट पर शटल सिंधू के चेहरे पर जा लगी। ब्रेक तक सिंधू ने क्रॉस-कोर्ट स्मैश की मदद से दो अंक की बढ़त बना ली। उन्होंने अपनी लंबाई का अच्छा फायदा उठाया और जल्द ही स्कोर 15-11 कर दिया।

आन ने की दूसरे गेम में वापसी

दूसरे गेम में आन ने दमदार वापसी करते हुए 3-0 की बढ़त बना ली। सिंधू ने स्मैश से स्कोर 2-4 किया और फिर आन का एक शॉट नेट में चला गया। बॉडी स्मैश की मदद से सिंधू ने स्कोर 4-5 किया, लेकिन फिर आन 7-5 से आगे हो गईं। इसके बाद हवा के बहाव से उनका एक शॉट बाहर चला गया। 7-6 के स्कोर पर बेहतरीन नेट शॉट और 30 शॉट तक चली शानदार रैली ने आन को दो अंक की बढ़त बनाए रखने में मदद की। इसके बाद लगातार दो शानदार स्मैश लगाकर कोरियाई खिलाड़ी ने ब्रेक तक चार अंकों की बढ़त हासिल कर ली। आन ने अपनी बढ़त बढ़ाकर 13-7 कर दी।

एशिया कप राइजिंग में भिड़ेंगे भारत और पाक

22 नवंबर को मुकाबला

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत ए 19 नवंबर से दोहा में शुरू होने वाले 50 ओवर के एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में 22 नवंबर को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान टूर्नामेंट में अपनी ए टीमें उतारेंगे, जबकि नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और हांगकांग के अपनी सबसे मजबूत टीमें भेजने की संभावना है।



भारत ए को पाकिस्तान ए, नेपाल और यूएई के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। श्रीलंका ए, बांग्लादेश ए, अफगानिस्तान ए और हांगकांग ग्रुप ए में हैं। भारतीय टीम 20 नवंबर को नेपाल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद उसका सामना पाकिस्तान ए (22 नवंबर) और यूएई (24 नवंबर) से होगा। दोनों ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2013 में एसीसी इमर्जिंग टीम एशिया कप के रूप में हुई थी। अब तक इसके सात टूर्नामेंट आयोजित किए जा चुके हैं, जिसमें भारत ने केवल एक बार जीत हासिल की है। ओमान में 5 से 14 नवंबर तक होने वाले अंडर-19 एशिया कप में भी भारत और पाकिस्तान 8 नवंबर को आमने-सामने होंगे।

पडिक्कल और सुदर्शन की जुझारू पारी, इंडिया ए को संकट से उबारा



एजेंसी ▶▶| लिंकन

देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन ने जुझारू बल्लेबाजी करते हुए भारत ए को न्यूजीलैंड ए के खिलाफ रविवार को चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन शुरुआती झटकों से उबारा। पहली पारी में 113 रन पर आउट होने वाली भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक एक अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट पर 106 रन बनाए हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड ए ने अपनी पहली पारी में 317 रन बनाकर 204 रन की बढ़त हासिल की थी। इस तरह से भारतीय टीम अभी उससे 98 रन पीछे है। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (05) और केएल राहुल (04) मैच में दूसरी बार फ्लॉप रहे, जिससे भारतीय टीम दूसरी पारी में 10 रन पर 2 विकेट गंवाने से संकट में पड़ गई। इसके बाद पडिक्कल (89 गेंदों पर नाबाद 56 रन) और सुदर्शन (104 गेंदों पर नाबाद 39 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 96 रन की अटूट साझेदारी करके पारी को संभाला।

करण सिंह ने हासिल किया साल का चौथा खिताब

आईटीएफ टेनिस टूर एम25 के चैंपियन बने करण

एजेंसी ▶▶| मुंबई

करण सिंह ने आईटीएफ सर्किट पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। रविवार को कूपरेज स्थित महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन में आयोजित 30,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले 'आईटीएफ मेंस वर्ल्ड टेनिस टूर एम25' टूर्नामेंट में उन्होंने सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया।

तीसरी वरीयता प्राप्त करण ने फाइनल में अपनी एकेडमी के साथी खिलाड़ी दिग्विजय प्रताप सिंह को हराया। दूसरे सेट में जब करण 7-5, 3-1 से आगे चल रहे थे, तब दिग्विजय को मैच से रिटायर होना पड़ा। यह 2026 सीजन में करण का चौथा खिताब है। 23 वर्षीय खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों से बेहतरीन फॉर्म में हैं। मुंबई में मिली यह जीत पिछले दो महीनों में उनका दूसरा खिताब है और वे इस दौरान चौथी बार फाइनल में पहुंचे हैं।



पहला सेट में हुई कड़ी टक्कर

आउटडोर हार्ड कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में, दोनों खिलाड़ियों के बीच पहला सेट काफी कड़ा रहा। एक घंटे से अधिक समय तक चले इस सेट में आखिरकार करण ने बाजी मारी और इसे 7-5 से जीत लिया। इसी लय को बरकरार रखते हुए, करण ने दूसरे सेट में 3-1 की बढ़त बना ली थी। तभी दुर्भाग्यवश, 1 घंटे 32 मिनट के खेल के बाद दिग्विजय को मैच से हटना पड़ा, जिससे करण को आधिकारिक तौर पर चैंपियनशिप ट्रॉफी मिल गई।

पूरे टूर्नामेंट में नहीं गंवाया सेट

मुंबई में खेले गए पूरे टूर्नामेंट के दौरान करण ने एक भी सेट नहीं गंवाया। उन्होंने 'राउंड ऑफ 32' में नितिन कुमार सिन्हा को 6-4, 6-4 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। 'राउंड ऑफ 16' में उन्होंने शानदार सर्विस का प्रदर्शन किया और क्वालीफायर आदिल कल्याणपुर को 1 घंटे 38 मिनट में 7-5, 6-3 से हरा दिया। क्वार्टर फाइनल में सातवीं वरीयता प्राप्त सिद्धार्थ रावत के मैच से हटने (3-4 रिटायर्ड) के बाद आगे बढ़े करण ने सेमीफाइनल में चिराग दुहन के खिलाफ बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी सर्विस पर 100 प्रतिशत होल्ड रेट बनाए रखा। इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने दुहान को 6-3, 6-2 से हराया और केवल 1 घंटे 19 मिनट में फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली।

छह माह में गंदगी फैलाने वालों से 13 लाख 18 हजार से अधिक का जुर्माना वसूला

स्पेशल कैंपेन 6.0 के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेल की सख्त कार्रवाई

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा भारत सरकार के निर्देशानुसार चलाए जा रहे 'स्पेशल कैंपेन 6.0' के अंतर्गत जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मण्डलों के सभी स्टेशनों तथा रेलगाड़ियों में व्यापक स्वच्छता अभियान और निगरानी की जा रही है। यात्रियों को स्वच्छ, सुखद एवं पर्यावरण अनुकूल वातावरण प्रदान करने की इसी कड़ी में तीनों मंडलों में गंदगी फैलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध रेल अधिनियम के तहत सघन कार्रवाई की गई है। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से सितंबर 2026 (कुल छह माह) में गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध चलाये गए अभियान में कुल 5,176 व्यक्तियों के मामले पकड़े गए, जिनसे कुल 13 लाख 18 हजार 525 रुपये जुर्माना वसूला गया। अकेले माह सितम्बर 2026 में गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध चलाये गए अभियान में कुल 686 व्यक्तियों के मामले पकड़े गए, जिनसे कुल 02 लाख 40 हजार 85 रुपये जुर्माना वसूला गया। इसके अलावा जुर्माने के साथ-साथ ऐसे लोगों को समझाइश भी दी जाती है। साथ ही गंदगी से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए स्टेशन परिसर स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।



स्वच्छता जागरूकता और कार्रवाई

'स्पेशल कैंपेन 6.0' के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा स्टेशनों, कार्यालयों और रेलगाड़ियों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के साथ-साथ उद्घोषणाओं और अभियानों के माध्यम से यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है। यात्रियों को स्टेशन परिसर साफ रखने, धूम्रपान न करने और कूड़ादान का ही उपयोग करने की समझाइश दी जा रही है। बार-बार चेतावनी के बावजूद नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ रेलवे अधिनियम के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जा रही है।

रेल प्रशासन की अपील

रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि 'स्पेशल कैंपेन 6.0' को सफल बनाने में सहभागी बनें। रेलवे आपकी अपनी संपत्ति है, रेल परिसर में कृपया गंदगी न फैलाएं। स्टेशन परिसर एवं रेलगाड़ियों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में रेल प्रशासन द्वारा किये जा रहे प्रयासों में सहयोग करें। स्वच्छता के प्रति यह विशेष जांच अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

26 अक्टूबर से देवेंद्रनगर से चुरहट के मध्य मेमू ट्रेन नियमित सेवा शुरू

जबलपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए देवेंद्रनगर और चुरहट के बीच नई मेमू ट्रेन की शुरुआत की गई है, जिसकी उद्घाटन सेवा 24 अक्टूबर को प्रारम्भ हुई थी। अब इस ट्रेन की नियमित सेवा 26 अक्टूबर 2026 से प्रारम्भ हो रही है। गाड़ी संख्या देवेंद्रनगर – चुरहट – देवेंद्रनगर मेमू ट्रेन का नियमित संचालन आगामी सूचना तक सप्ताह में छह दिन (रविवार को छोड़कर दोनों दिशाओं से किया जाएगा। आठ डिब्बों वाली यह इलेक्ट्रिक मेमू ट्रेन क्षेत्रीय यात्रियों के दैनिक आवागमन को बेहद सुगम बनाएगी।

देवेंद्रनगर–चुरहट–देवेंद्रनगर मेमू ट्रेन कि नियमित समय-सारणी

गाड़ी संख्या 61629 देवेंद्रनगर से प्रतिदिन सुबह 07:00 बजे रवाना होकर फुलवारी नागोद बरैठिया , करही सतना कैमा सकरिया हिनौतारामबन , बघई रोड , तुर्की रोड , रीवा, सिलपरा गोविंदगढ़ , बघवार और रामपुर नैकिन होते हुए दोपहर 13:15 बजे चुरहट पहुंचेगी। वापसी दिशा में, गाड़ी संख्या 61630 चुरहट से दोपहर 15:00 बजे प्रस्थान करेगी और रामपुर नैकिन , बघवार गोविंदगढ़ ,सिलपरा , रीवा , तुर्की रोड , बघई रोड , हिनौतारामबन , सकरिया , कैमा सतना करही , बरैठिया, नागोद एवं फुलवारि पर ठहराव लेते हुए रात 21:25 बजे देवेंद्रनगर पहुंचेगी।

26 अक्टूबर से देवेंद्रनगर से चुरहट के मध्य मेमू ट्रेन नियमित सेवा शुरू

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए देवेंद्रनगर और चुरहट के बीच नई मेमू ट्रेन की शुरुआत की गई है, जिसकी उद्घाटन सेवा 24 अक्टूबर को प्रारम्भ हुई थी। अब इस ट्रेन की नियमित सेवा 26 अक्टूबर 2026 से प्रारम्भ हो रही है। गाड़ी संख्या देवेंद्रनगर – चुरहट – देवेंद्रनगर मेमू ट्रेन का नियमित संचालन आगामी सूचना तक सप्ताह में छह दिन (रविवार को छोड़कर दोनों दिशाओं से किया जाएगा। आठ डिब्बों वाली यह इलेक्ट्रिक मेमू ट्रेन क्षेत्रीय यात्रियों के दैनिक आवागमन को बेहद सुगम बनाएगी।

देवेंद्रनगर–चुरहट–देवेंद्रनगर मेमू ट्रेन कि नियमित समय-सारणी– गाड़ी संख्या 61629 देवेंद्रनगर से प्रतिदिन सुबह 07:00 बजे रवाना होकर फुलवारी नागोद बरैठिया , करही सतना कैमा सकरिया हिनौतारामबन , बघई रोड , तुर्की रोड , रीवा, सिलपरा गोविंदगढ़ , बघवार और रामपुर नैकिन होते हुए *दोपहर 13:15 बजे चुरहट पहुंचेगी। वापसी दिशा में, गाड़ी संख्या 61630 चुरहट से दोपहर 15:00 बजे प्रस्थान करेगी और रामपुर नैकिन , बघवार , गोविंदगढ़ ,सिलपरा , रीवा , तुर्की रोड , बघई रोड , हिनौतारामबन , सकरिया , कैमा सतना , करही , बरैठिया, नागोद एवं फुलवारि पर ठहराव लेते हुए रात 21:25 बजे देवेंद्रनगर पहुंचेगी।



हाईकोर्ट बार में निःशुल्क हृदय स्वास्थ्य शिविर 29 को

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी के प्रयासों से आदित्य सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से अधिवक्ताओं और बार के कर्मचारियो हेतु निःशुल्क हृदय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हरीशंकर चंदेल (MD, DM – Cardiology) द्वारा हृदय रोग की जांच परामर्श तथा बीपी, शुगर, सीने में दर्द, घबराहट, तेज धडकन, पसीना आना की नि शुल्क जाँच की जाएगी। शिविर आगामी 29 अक्टूबर गुरुवार को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक सिल्वर जुबली हॉल, हाईकोर्ट परिसर में आयोजित होगा। मप्र हाईकोर्ट बार एसो. के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता मृगेन्द्र सिंह ने समस्त अधिवक्ताओं से अनुरोध किया है कि स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएँ तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें।

स्वर्णकार समाज के आराध्य देव श्री श्री महाराज अजमीढ़ देवजी जयंती आज

जबलपुर। स्वर्णकार समाज के आराध्य देव महाराजा श्री श्री महाराजा अजमीढ़ देवजी की जयंती जबलपुर स्वर्णकार समाज द्वारा 26 अक्टूबर दिन सोमवार रात्रि 7:00 बजे शीतलपुरी बल्देवबाग अग्रवाल बारात घर में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का आयोजन स्वर्णकार फैमली बी.सी. के लगभग 400 महिला और पुरुष सदस्यों द्वारा किया जायेगा। प्रमुख कार्यक्रमों में सर्व प्रथम महाराजा अजमीड़ देव जी का पूजन अर्चन, समाज के वरिष्ठ जनों एवं अतिथियों का सम्मान, और कपल गरबा डांस का आयोजन स्वर्णकार समाज फैमली बी.सी. के महिला एवं पुरुष सदस्यों द्वारा पारंपरिक परिधान कुर्ता पैजामा एवं लहंगा चोली पहन कर किया जाएगा स्वर्णकार समाज के मार्गदर्शक प्रेरक व सहयोगी श्री एडवोकेट महेश सोनी जी एवं डॉक्टर श्याम सुंदर हेमकार का सम्मान किया जाएगा इस कार्यक्रम के अतिथि केरूप में सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सुरेश जौहरी,सुरेश सराफ,अजय बख्तावर,राजा सराफ,एवं वर्तमान अध्यक्ष नवीन सराफ एवं जबलपुर स्वर्णकार संघ के पूर्व अध्यक्ष अशोक सोनी,सत्यप्रकाश सराफ,उमेश सोनी एवं समाज की उप नगरी इकाइयों के अध्यक्ष तथा समाज के सीनियर सिटीजन फोरम के अध्यक्ष सुभाष चंद्रा के साथ स्वजातीय स्वंकार संघ,अवधिया स्वर्णकार संघ,महाराष्ट्रीय,एवं गुजराती स्वर्णकार संघ,राष्ट्रीय महिला मंडल,जबलपुर महिला मंडल,स्वर्णकार महिला मंडल के पदाधिकारी भी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। इनका भी स्वागत एवं सम्मान किया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ओम सोनी, बाल कृष्णा सराफ, शिवकुमार सोनी, दीपक सोनी दीपू,संतोष सोनी मगरमुहा, प्रमोद सोनी कल्लू,संजय सोनीसिलौडी, मनोहर सोनी,सत्येंद्र सोनी, विवेक सराफ, सुरेन्द्र सोनी, योगेश सोनी बबलू, कमल जौहरी, राहुल जड़ियां ने की है।

महाकाली की विसर्जन शोभायात्रा का रेलवे वाणिज्य परिवार ने किया स्वागत

जबलपुर। लटकारी पड़ाव में विराजमान "जबलपुर की महारानी" माँ महाकाली की विसर्जन शोभायात्रा का रेलवे वाणिज्य परिवार द्वारा लगातार आठवें वर्ष पवन सुत अपार्टमेंट, नर्मदा रोड के सामने भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पश्चिम मध्य रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता, देवेश सोनी, नितेश सोने, गुन्नार सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सुनील श्रीवास्तव पीके तिवारी, शिव सोनी, आशीष चड्ढा, संदीप श्रोती, एसपी सिंह, निशित खुराना, राजेश श्रीवास्तव, सुनील कुमार, अशोक दुबे, मोहन राव, आशीष पांडे, अमित सोनकर, प्रियंक तिवारी, अशोक पाटिल, हेमंत पांडे, अनिकेत यादव, नकुल कुमार, राजेंद्र विश्वकर्मा, गोविंद लोधी, रविकांत कुमार ने भंडारे के वितरण एवं शोभायात्रा के स्वागत में सक्रिय सहभागिता निभाई।



आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का अवतरण दिवस मनाया जायेगा

जबलपुर। पिसनहारी मढ़िया तीर्थ में 27 अक्टूबर मंगलवार को आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का अवतरण दिवस गुरु उपकार महोत्सव के रुप में मनाया जायेगा। प्रातः अभिषेक पूजन तथा शाम को भजन संध्या एवं जिनेन्द्र भक्ति नृत्य प्रतियोगिता आयोजित है। पिसनहारी मढ़िया तीर्थ के पदाधिकारियों राजेन्द्र जैन (मम्मा), संजय अरिहंत. कैलाशचंद (मट्टू) सुबोध कामरेड, संजय चौधरी ने सकल जैन समाज से उपस्थिती की अपील की है।

अहिरवार समाज महा परिषद का शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। अहिरवार समाज महापरिषद के 4, 10, 2026 को चुनाव हुए थे जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष मूलचंद मोर, अध्यक्ष रोशन लाल चौधरी, महासचिव एड. पवन रोहित, उपाध्यक्ष संजय अहिरवार, सुशील अहिरवार, बी एल सोनारिया, संदीप सूर्यवंशी, कोषाध्यक्ष डी सी चौधरी, सचिव गोविंद अहिरवार, मिलन चौधरी, प्रदीप अहिरवार, उपकोषाध्यक्ष आर, डी,अहिरवार, निर्वाचित हुए। शपथ ग्रहण के मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस केपी रहें, अध्यक्षता के.एन. अहिरवार, संरक्षक सेठ गोपीचंद अहिरवार, सी.आर. चौधरी, दास प्रसाद अहिरवार, आर, डी, चौधरी, जितीन राज, ने निर्वाचित पदाधिकारी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई,18 कार्यकारिणी सदस्यों की भी घोषणा की गई, निर्वाचित पदाधिकारी ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत एवं अहिरवार समाज महापरिषद महिला मंडल का तिलक लगाकर स्वागत किया, मंच संचालन उपाध्यक्ष संजय अहिरवार ने किया, मुख्य अतिथि के, पी, राही एवं के.एन. अहिरवार ने सभी को शुभकामनाएं दी , इस अवसर पर परिषद के सदस्य मौजूद रहें ।

चादर जुलूस और कुल शरीफ के साथ उर्स-ए-सलामी, बुरहानी, मेहमूदी का समापन



जबलपुर। रानीताल स्थित ईदगाह कलां में आयोजित उर्स-ए-सलामी, बुरहानी एवं मेहमूदी के दूसरे दिन रविवार को आगा चौक से चादर जुलूस निकाला गया। जुलूस की क़यादत मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना डॉ. मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी एवं हज़रत मौलाना इनामुल हक़ कादरी ने की। परंपरागत शानो-शौकत के साथ निकले जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। जुलूस में नातख्वां हज़रात नात शरीफ पेश कर रहे थे और अकीदतमंद उन्हें नजराना पेश कर रहे थे। प्रमुख मार्ग से होता हुआ जुलूस रानीताल स्थित ईदगाह पहुंचा, जहां मजार-ए-मुबारक पर चादरपोशी एवं गुलपोशी की गई। इसके पश्चात नमाज-ए-मगरिब के बाद हज़रत बुरहान-ए-मिल्लत अलैहिर्रहमा एवं हज़रत मेहमूद-ए-मिल्लत अलैहिर्रहमा के कुल शरीफ और हज़रत हामिद-ए-मिल्लत अलैहिर्रहमा की सालाना नियाज का एहतेमाम किया गया। रात 9 बजे से आयोजित जलसा-ए-उर्स में देश-प्रदेश से आए नामवर उलेमा-ए-किराम ने अपने बयानात से महफिल को रोशन किया। देर रात तक ईदगाह परिसर में जायरीन का तांता लगा रहा। इस दौरान नाराए तकबीर अल्लाहु अकबर और नाराए रिसालत या रसूलुल्लाह की सदाओं से पूरा परिसर गूंजता रहा। सोमवार सुबह नमाज-ए-फज्र के बाद हुजूर ईदुल इस्लाम अलैहिर्रहमां के शरीफ का एहतेमाम किया गया।

आधुनिक नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में जबलपुर ने बढ़ाया एक और कदम

सांसद आशीष दुबे ने कहा—ऐसे संस्थान शहर की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देते हैं

छवि सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल के नव-निर्मित भवन का लोकार्पण

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में छवि सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल के नव-निर्मित भवन का लोकार्पण रविवार को गरिमामय समारोह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जबलपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद माननीय श्री आशीष दुबे थे। अध्यक्षता जबलपुर के महापौर एवं प्रथम नागरिक माननीय श्री जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने की, जबकि प्रमुख अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद माननीय श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि उपस्थित रहीं।

मुख्य अतिथि सांसद श्री आशीष दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि जबलपुर आज आधारभूत संरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाओं की ओर बढ़ रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसका लाभ आम जनता को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि छवि सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल जैसे आधुनिक नेत्र चिकित्सा संस्थान का विकसित होना जबलपुर की स्वास्थ्य सेवाओं को आगे ले जाने वाला महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने डॉ. अखिलेश नेमा एवं उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम की प्रमुख अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि ने भी चिकित्सा क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं के विकास के प्रयासों की सराहना करते हुए अस्पताल प्रबंधन को साधुवाद दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महापौर श्री जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने नव-निर्मित भवन के लोकार्पण पर डॉ. अखिलेश नेमा एवं उनकी टीम को शुभकामनाएँ दीं।

जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ चिकित्सकों की उपस्थिति

समारोह में विधायक श्री अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पांडेय, श्री अजय विश्नोई, श्री सुशील कुमार तिवारी 'इंदु भैया', श्री लखन घनघोरिया एवं श्री नीरज सिंह उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त तीर्थ एवं मेला विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री विनोद गोटिया, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिंकू विज तथा भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर सहित अन्य गणमान्यजन ने समारोह में सहभागिता की। इस अवसर पर हटा, दमोह से विशेष रूप से पधारे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सी. एल. नेमा तथा वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर. एन. नेमा भी उपस्थित रहे। परम आदरणीय गुरुवर भगवान श्री करपात्री जी महाराज के शिष्य पूज्य शिवमित्रानंद (शर्मा जी) की उपस्थिति भी समारोह का महत्वपूर्ण हिस्सा रही।



आधुनिक सुविधाओं के साथ जनसेवा का संकल्प

अस्पताल के संचालक एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश नेमा ने कहा कि छवि नेत्र चिकित्सालय से छवि सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल तक की यात्रा मरीजों के विश्वास, चिकित्सकीय अनुभव और बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराने के संकल्प का परिणाम है। जबलपुर में हो रहे विकास के साथ स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार भी आवश्यक है। इसी सोच के अनुरूप अस्पताल की संरचना और सुविधाओं को विकसित किया गया है, ताकि जबलपुर एवं महाकौशल के लोगों को आधुनिक नेत्र चिकित्सा के बेहतर विकल्प उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बताया कि अस्पताल में नेत्र परीक्षण, आवश्यक जाँच, विभिन्न नेत्र रोगों के उपचार तथा फेको तकनीक द्वारा मोतियाबिंद की सर्जरी जैसी सुविधाओं को बेहतर स्वरूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य केवल आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार, गुणवत्तापूर्ण उपचार और विश्वासपूर्ण वातावरण के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाना है। डॉ. नेमा ने भविष्य में नेत्र चिकित्सा सुविधाओं के निरंतर विकास तथा निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविरों और जरूरतमंद मरीजों की सहायता जैसे जनसेवा के प्रयासों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सेवा, विश्वास और दृष्टि की नई उम्मीद

नव-निर्मित भवन का लोकार्पण केवल एक चिकित्सा संस्थान के विस्तार का प्रतीक नहीं, बल्कि क्षेत्र में बेहतर नेत्र चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक नई पहल है। अस्पताल प्रबंधन ने गुणवत्तापूर्ण उपचार, मरीजों के विश्वास और सामाजिक उत्तरदायित्व को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए आगे बढ़ने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अखिलेश नेमा ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों, सहयोगियों, परिवारजनों एवं शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240